राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 नीतीश कुमार ने बीस वर्षों के शासन में सुशासन ...

महाराष्ट्र में लागू हुआ धर्मांतरण विरोधी कानून... 12

वर्ष : 14 | अंक : 116 | पटना, मंगलवार, 04 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

बांकीपुर उपचुनाव : भाजपा के अभेद्य किले को जन सुराज ने किया फतह, राजद तीसरे नंबर पर

बिहार की राजनीति में पीके की धमाकेदार एंट्री
भाजपा प्रत्याशी को 19,246 वोटों से हराया

प्रशांत किशोर को मिले 64,151 वोट, जबकि भाजपा उम्मीदवार को 44,827 मत

- 14273 वोट प्राप्त कर राजद प्रत्याशी रेखा गुप्ता तीसरे नंबर पर

प्रात : किरण

पटना। राजधानी पटना के बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा के गढ़ में सेंध लगाते हुए 19,246 वोटों के अंतर से ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक जनसुराज के प्रत्याशी प्रशांत किशोर को कुल 64,151 वोट मिले, जबकि भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार नीरज सिन्हा को 44,827 और राजद की रेखा गुप्ता को 14273 वोट प्राप्त हुए। प्रशांत किशोर ने 19324 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। यह उनकी चुनावी राजनीति में पहली बड़ी जीत है। इस सीट पर पिछले तीन दशकों से अधिक समय से भाजपा का लगातार कब्जा था। पीके की ऐतिहासिक जीत पर जनसुराज के खेमे में जश्न का माहौल है। वहीं, यह परिणाम भारतीय जनता पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि ये सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से जुड़ी हुई थी। उनके राज्यसभा जाने के बाद बांकीपुर सीट खाली हुई जिस कारण उपचुनाव हुए। भाजपा ने बांकीपुर सीट जीतने के लिए पूरा जोर लगा दिया था लेकिन प्रशांत किशोर की रणनीति भाजपा की स्ट्रेटजी पर भारी पड़ गई है। इस नतीजे ने बांकीपुर के पुराने राजनीतिक समीकरण को भी बदल दिया है। बांकीपुर विधानसभा सीट पिछले करीब 30 वर्षों से भाजपा का गढ़ रही है। इस सीट पर सवर्ण मतदाताओं का बड़ा प्रभाव माना जाता है और भाजपा को हमेशा इसका फायदा मिलता रहा है। लेकिन इस बार जन सुराज के प्रशांत किशोर ने सवर्ण बहुल इलाकों में भी अच्छी बढ़त बनाकर मुकाबले को लगभग एकतरफा कर दिया है। इससे पता चलता है कि भाजपा के परंपरागत वोटों का एक बड़ा हिस्सा जन सुराज की ओर गया है। बांकीपुर का चुनाव सिर्फ एक सीट का मुकाबला नहीं माना जा रहा था। भाजपा के लिए यह अपना गढ़ बचाने की चुनौती थी, जबकि राजद अपनी मौजूदगी मजबूत करना चाहती थी। जन सुराज के प्रदर्शन ने दोनों दलों को यह संकेत दिया है कि बिहार की राजनीति में अब नया विकल्प भी तेजी से जगह बना रहा है। अगर अंतिम नतीजों में भी यही तस्वीर बनी रहती है, तो इसका असर आने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति पर पड़ सकता है। भाजपा को अपने पारंपरिक वोट बैंक को और मजबूत करना होगा, जबकि राजद को अपने आधार वोटरों को फिर से एकजुट रखने की चुनौती होगी। दूसरी ओर जन सुराज इस प्रदर्शन के दम पर खुद को बिहार की बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में पेश करने की कोशिश करेगी।

मुस्लिम-यादव वोटों में सेंधमारी: राजद का सबसे मजबूत आधार मुस्लिम-यादव यानी एमवाई वोट बैंक माना जाता है। इस उपचुनाव में राजद उम्मीदवार रेखा गुप्ता शुरूआती राउंड से ही पीछे रहीं। कई इलाकों में प्रशांत किशोर को ऐसे बूथों पर भी अच्छी बढ़त मिली, जहां पहले राजद का प्रभाव माना जाता था। इससे कहा जा सकता है कि जन सुराज ने मुस्लिम और यादव वोटरों के बीच भी बड़ी सेंधमारी की।

भाजपा के वोट बैंक में जबरदस्त सेंध: भाजपा को पूरा भरोसा था कि वो इस सीट को जीत लेगी। ऐसा इसलिए कि बांकीपुर में 33 परसेंट सवर्ण वोटर थे। उसमें भी 14 प्रतिशत कायस्थ वोटर थे जो कि नितिन नवीन के समाज से हैं। भाजपा के उम्मीदवार नीरज कुमार भी कायस्थ समाज से थे। भाजपा को उम्मीद थी कि ये लोग उसे एकतरफा वोट करेंगे। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। चुनाव परिणाम से साफ पता चलता है कि प्रशांत किशोर ने बीजेपी के वोट बैंक में भी जबरदस्त सेंधमारी कर दी है।

अब राजनीति केवल जाति, नारे और सत्ता तक सीमित नहीं रह सकती : पीके

- बोलें- सरकार को अब विकास, शिक्षा और रोजगार को लेकर गंभीरता से काम करना होगा

प्रात : किरण

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने केंद्र और बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जनता ने इस चुनाव के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया है कि अब राजनीति केवल जाति, नारे और सत्ता तक सीमित नहीं रह सकती। सरकारों को शिक्षा, रोजगार और विकास जैसे बुनियादी मुद्दों पर गंभीरता से काम करना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भविष्य में भी जनता इसी तरह का फैसला सुनाएगी। मीडिया से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा कि बांकीपुर उपचुनाव का परिणाम केवल एक सीट की जीत नहीं, बल्कि जनता की सोच में आए बदलाव का संकेत है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 30 वर्ष का गढ़ 30 दिनों में ढह गया। केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, पढ़ाई और रोजगार का काम करे। अगर ऐसा नहीं करेगी तो आगे भी यही हाल होगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव हारना या जीतना सामान्य बात है, लेकिन बांकीपुर का यह चुनाव केवल स्थानीय नाली-गली या सड़क की समस्याओं का चुनाव नहीं था। यह बिहार के भविष्य, नई राजनीति और व्यवस्था परिवर्तन की वैचारिक लड़ाई थी। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले दो महीनों में इस बदलाव का असर बांकीपुर में विकास कार्यों और राजनीतिक माहौल दोनों में दिखाई देगा। प्रशांत किशोर ने स्पष्ट किया कि उनकी लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल इतना है कि बिहार को ऐसा नेतृत्व मिले, जिसके पास साफ छवि, मजबूत चरित्र और राज्य के विकास का स्पष्ट विजन हो। उन्होंने यह भी कहा कि जनता ने भाजपा को पांच वर्षों के लिए जनादेश दिया है और अब उसकी जिम्मेदारी है कि वह बिहार के हित में सक्षम और प्रभावी नेतृत्व उपलब्ध कराए।

जनादेश स्वीकार, हार के कारणों की होगी समीक्षा : सरावगी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के परिणाम पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि उनकी पार्टी जनता के जनादेश को पूरी विनम्रता के साथ स्वीकार करती है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के निर्णय का सम्मान सर्वोपरि मानती है। रविवार को जारी अपने बयान में सरावगी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का फैसला अंतिम होता है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस बात की गंभीर समीक्षा करेगी कि अपेक्षित समर्थन क्यों नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि सभी कमियों का वस्तुनिष्ठ आकलन किया जाएगा और उन्हें दूर करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपनी हार के लिए कभी भी संवैधानिक संस्थाओं, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन या निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार नहीं ठहराती। उनका कहना था कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक व्यवस्थाओं में पूर्ण विश्वास रखती है। सरावगी ने कहा कि पार्टी आत्ममंथन और संगठनात्मक समीक्षा की अपनी परंपरा के अनुरूप हार के कारणों का विश्लेषण करेगी और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के विश्वास को और मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

राम मंदिर मामले और छात्रों पर कार्रवाई को लेकर विपक्षी सांसदों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर सोमवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया तथा गृह मंत्री अमित शाह से जवाब देने की मांग की। विपक्षी सांसद संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्र हुए और नारे लगाए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, समाजवादी पार्टी के नेता धर्मेंद्र यादव और कई अन्य नेता इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने कहा, राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले की सच्चाई सामने लानी चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। विपक्षी दलों का कहना है कि राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार को संसद के भीतर और बाहर अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से छात्रों के मुद्दे पर जवाब देने की मांग की।

दतिया उपचुनाव में कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा उम्मीदवार को 6,016 मतों से हराया

दतिया। मध्य प्रदेश की चर्चित दतिया विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव की सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना संपन्न हुई। इस उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 वोटों से हरा दिया है। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार कांग्रेस के घनश्याम सिंह को 66,757 (42.39 फीसदी) वोट प्राप्त हुए और जीत हासिल की, जबकि भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को 60,741 (38.57 फीसदी) वोट हासिल किए। वहीं, तीसरे स्थान पर रहे आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के दामोदर यादव मण्डल को 22,527 वोट प्राप्त किए। दतिया कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखेड़े ने विधानसभा उपचुनाव की मतगणना शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूरे मतगणना प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा और निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया गया। मतगणना शांतिपूर्ण माहौल में पूरी हुई। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई।

सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने वाला विधेयक लोकसभा में पारित

- सुप्रीम कोर्ट में अब मुख्य न्यायाधीश समेत 38 न्यायाधीश होंगे

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा ने उच्चतम न्यायालय में लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण और न्यायिक क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक सोमवार को बिना किसी चर्चा के पारित कर दिया। विधेयक में मुख्य न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की कुल संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने का प्रावधान किया गया है। लोकसभा ने आज सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पारित किया। यह विधेयक सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में और संशोधन करता है। विधेयक चर्चा के लिए पेश किए जाने के दौरान विपक्ष लगातार विभिन्न मुद्दों पर हंगामा करता रहा। पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेन्नटी की ओर से आग्रह के बाद भी हंगामा जारी रहा। हंगामें के बीच विधेयक को पारित कर दिया गया। विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में कहा कि संशोधन न्यायिक क्षेत्र में सुधारों की श्रृंखला का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि संविधान पीठों के गठन के कारण नियमित मामलों की सुनवाई के लिए उपलब्ध न्यायाधीशों की संख्या कम हो जाती है। ऐसे में अतिरिक्त न्यायाधीशों की आवश्यकता महसूस की गई। इस संबंध में लाए गए अध्यादेश को विधिक स्वरूप देने के लिए विधेयक सदन के समक्ष रखा गया है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 124 के अनुरूप समय-समय पर बदलती आवश्यकताओं के अनुसार उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाई जाती रही है। संविधान लागू होने के समय मुख्य न्यायाधीश सहित कुल आठ न्यायाधीशों का प्रावधान था। बाद में 1956 के कानून के माध्यम से यह संख्या बढ़ाई गई। वर्तमान संशोधन का उद्देश्य बढ़ते लंबित मामलों का प्रभावी निस्तारण और न्यायिक कार्यप्रणाली को अधिक सक्षम बनाना है।

राज्यसभा में ध्वनिमत से एमएसएमई संशोधन विधेयक 2026 पारित

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। राज्यसभा ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक 2026 को सोमवार को विपक्ष के हंगामे के बीच ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन ने विधेयक के अनेक प्रावधानों के बारे में कांग्रेस के अजय माकन और वाम दलों के ए ए रहीम, जॉन ब्रिटास और वी शिवादासन के संशोधन के प्रस्तावों को भी ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया।

सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी के हंगामे के बीच संक्षिप्त जवाब के बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया जिसके बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। विपक्ष के सदस्यों ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सदन में आने और जवाब देने की मांग करते हुए विधेयक पर चर्चा के दौरान जोरदार नारेबाजी की। श्री मांझी ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की चुनौतियों और जरूरतों को पूरा कर इसके विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार के कार्यकाल में इस क्षेत्र को बढावा दिये जाने के लिए उठाये गये कदमों का भी उन्होंने शोर शराबे के बीच उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि इन कदमों से देश में एमएसएमई की संख्या दो लाख 55 हजार से अधिक हो गयी है। महिलाओं की भागीदार बढने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता 49 प्रतिशत हो गयी है और एमएसएमई बिक्री खरीद में महिलाओं को बिक्री के लिए तीन प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इस तीन प्रतिशत में ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एमएसएमई भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ है और सकल घरेलू उत्पाद में इसका हिस्सा 21 प्रतिशत और विनिर्माण में 36 प्रतिशत है। यह विधेयक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 में संशोधन करता है। इस कानून का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमईज) को बढ़ावा देना और उनके विकास में सहायता करना है। विधेयक में पंजीकरण के लिए जान-बूझकर गलत जानकारी देने पर सजा का प्रावधान किया गया है जिसमें पहली बार नियम तोड़ने पर चेतावनी दी जायेगी और दूसरी बार तोड़ने पर एक हजार से 50 हजार रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है।

उपचुनाव नतीजे को गंभीरता से आत्म मंथन करेंगे : नितिन

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उपचुनाव नतीजे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि आज तीन विधानसभा उपचुनावों में आए जनादेश को हम स्वीकार करते हैं। गुजरात की मांजलपुर विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी पर अपना विश्वास व्यक्त करने के लिए वहाँ की जनता का हृदय से आभार। इस विजय के लिए भाजपा के सभी समर्पित कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई। बांकीपुर और दतिया में हमें अपेक्षित जनादेश प्राप्त नहीं हुआ। हम इन दोनों क्षेत्रों के चुनाव परिणामों का पूरी गंभीरता से आत्ममंथन करेंगे तथा नई ऊर्जा और संकल्प के साथ जनता के बीच जाकर उनके विश्वास को और अधिक मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

प्रदर्शनकारियों पर दर्ज प्राथमिकी वापस लेने में कोई कानूनी अड़चन नहीं : सुप्रीम कोर्ट

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट किया कि राज्य सरकारें आंदोलनों में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों को कानून के अनुसार वापस लेने या बंद करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि उसका पिछला आदेश राज्यों को नियमानुसार कार्रवाई करने से नहीं रोकता है। दरअसल, न्यायालय ने 28 जुलाई के अपने आदेश में राज्यों को जांच जारी रखने की अनुमति दी थी। इसके बाद यह आशंका जतायी जाने लगी थी कि इस आदेश से मामलों को वापस लेने पर रोक लग जायेगी। इसी भ्रम को दूर करने के लिए शीर्ष न्यायालय ने यह स्पष्टीकरण दिया है। याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि इस तरह की व्याख्या से छात्र नेताओं को केंद्र सरकार की ओर से दिये गये उस आश्वासन को ठेस पहुंचेगी, जिसमें आंदोलन समाप्त करने के समझौते के तहत प्राथमिकी वापस लेने की बात कही गयी थी। इस चिंता पर संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने स्पष्ट किया कि उसका पिछला आदेश राज्यों को लागू कानूनी प्रक्रिया के अनुसार मामलों को वापस लेने या बंद करने से नहीं रोकता है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने स्पष्ट किया कि उसके 28 जुलाई के आदेश में इस्तेमाल किये गये आपराधिक पृष्ठभूमि शब्द का तात्पर्य केवल गंभीर और जघन्य अपराधों से है। यह स्पष्टीकरण तब आया है, जब याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि यह शब्द अस्पष्ट है और इससे मामूली मामलों का सामना कर रहे छात्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। न्यायालय 20 जुलाई को सीजेपी प्रदर्शनकारियों के चलो संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें पुलिस के अत्यधिक बल प्रयोग किये जाने और पुलिसकर्मियों के घायल होने के दावे वाली याचिकाएं भी शामिल थीं। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों के खिलाफ मामले वापस लेने के अपने आश्वासन पर प्रतिबद्ध है, लेकिन उन्होंने ध्यान दिलाया कि कानून में सीधे प्राथमिकी वापस लेने का प्रावधान नहीं है। इसके बजाय, क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करना, अभियोजन वापस लेने की मांग करना या प्राथमिकियों को रद्द कराने के लिए न्यायालय का रुख करना ही कानूनी विकल्प हैं। उच्चतम न्यायालय ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रदर्शनकारियों के निजी और डिजिटल डेटा की सुरक्षा करते हुए सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग, बॉडी-कैमरा फुटेज और अन्य साक्ष्यों को सुरक्षित रखें। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि जिन छात्रों का कोई गंभीर आपराधिक इतिहास नहीं है, उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाये और हिरासत में लिये गये ऐसे नाबालिगों को रिहा करने का निर्देश दिया।

संसद में आकर छात्रों पर कार्रवाई को लेकर स्पष्टीकरण दें गृह मंत्री: खरगे

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संसद में आकर प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के कथित इस्तेमाल को लेकर स्पष्टीकरण देना चाहिए। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए कि राम मंदिर को मिले चढ़ावे की चोरी कैसे हुई। खरगे ने संसद भवन स्थित अपने कक्ष में विपक्षी ह्यइंडियाह्ल गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं की बैठक के बाद एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार को इंडिया को जवाब देना होगा। पहला, गृह मंत्री संसद में आएं और छात्रों पर लाठीचार्ज एवं पैलेट गन के इस्तेमाल की कार्रवाई पर स्पष्टीकरण दें। उन्होंने कहा, दूसरा, प्रधानमंत्री यह बताएं कि श्री राम मंदिर को श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया गया चंदा और चढ़ावा कैसे चोरी हो गया, जबकि ट्रस्ट प्रधानमंत्री की निगरानी में था। विपक्ष बीते 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री से संसद में बयान देने की मांग कर रहा है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की है। विपक्षी दलों की बैठक में खरगे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश और के. सी. वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव, तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के संजय राउत और अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी, माकपा के जॉन ब्रिटास और कई अन्य नेता शामिल हुए।

सम्राट चौधरी ने प्रशांत किशोर को दी जीत की बधाई

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जनसुराज के प्रत्याशी प्रशांत किशोर को बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में जीत की बधाई दी है। मुख्यमंत्री श्री चौधरी ने एक्स पर लिखा,लोकतंत्र के महापर्व में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जनता ने जनसुराज को चुना है। श्री चौधरी ने कहा कि वह जनता के इस निर्णय का सम्मान करते हैं। उन्होंने श्री किशोर को उनकी जीत पर हार्दिक बधाई दी है।

सौगात दिसंबर से स्टेडियम में गूंजेगी बल्ले की धमक, मैदान में बिखरेगी गिल्लियां

राजगीर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तैयार, अब होगी चौकों-छक्कों की बरसात

- 40 हजार दर्शकों की क्षमता वाला मुख्य पवेलियन बनकर तैयार

प्रात : किरण

पटना। अब क्रिकेट के रोमांचक मुकाबले देखने के लिए बिहार के क्रिकेट प्रेमियों को दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। जल्द ही राजगीर की धरती पर भी चौकों-छक्कों की बरसात होगी और स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठेगा। दिसंबर 2026 से क्रिकेट प्रशंसकों को अपने ही राज्य में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुकाबलों का रोमांच देखने का अवसर मिलेगा।]

बिहार के स्टार क्रिकेटरों ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों के बल्ले की गूंज भी इसी मैदान पर सुनाई देगी। वहीं आकाश दीप व मुकेश कुमार जैसे गेंदबाज अपने धारदार गेंदबाजी से गिल्लियां बिखेरेंगे। नालंदा के राजगीर में नव निमार्णाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है। खेल विभाग ने इसे हर हाल में दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

40 हजार दर्शकों का भव्य पवेलियन तैयार, तीन स्टैंड अंतिम चरण में: स्टेडियम का सबसे बड़ा आकर्षण 40 हजार दर्शकों की क्षमता वाली भव्य मुख्य पवेलियन है, जिसका निर्माण कार्य पूरी तरह पूरा हो चुका है। वहीं शेष तीन दर्शक स्टैंड तेजी से आकार ले रहे हैं। निर्माण एजेंसियों को समयबद्ध ढंग से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि तय समय सीमा के भीतर यह स्टेडियम क्रिकेट प्रेमियों के लिए तैयार हो सके।

विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस होगा राजगीर का क्रिकेट स्टेडियम: करीब 90 एकड़ में विकसित हो रहा यह अत्याधुनिक स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है। लगभग 633 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहे इस स्टेडियम में आधुनिक फ्लडलाइट, हाई-टेक इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड, कॉरपोरेट बॉक्स, वीआईपी गैलरी, मीडिया सेंटर, अत्याधुनिक ड्रेसिंग रूम, अभ्यास के लिए विशेष पिच तथा बेहतर ड्रेनेज सिस्टम जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। मुख्य विकेट के लिए विशेष लाल मिट्टी तथा अभ्यास पिचों के लिए काली मिट्टी का उपयोग किया गया है, ताकि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल परिस्थितियां उपलब्ध कराई जा सकें।

बिहार के खेल इतिहास में जुड़ने जा रहा नया अध्याय: राजगीर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम केवल एक खेल परिसर नहीं, बल्कि बिहार के खेल विकास की नई पहचान बनने जा रहा है। इसके पूरा होने के बाद राज्य को पहली बार विश्वस्तरीय क्रिकेट अवसंरचना प्राप्त होगी। इससे भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबलों के आयोजन का मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही बिहार के खिलाड़ियों को अपने राज्य में ही उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलेगा। खेल पर्यटन, स्थानीय रोजगार और खेल अर्थव्यवस्था को भी इससे नई गति मिलने की उम्मीद है।

राजगीर बन रहा बिहार का नया स्पोर्ट्स कैपिटल: राजगीर में बना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शामिल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम है, जहां हॉकी, एथलेटिक्स, तैराकी, शूटिंग, कबड्डी, कुश्ती सहित अनेक खेलों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित हो चुकी हैं। इसमें क्रिकेट स्टेडियम के जुड़ने के बाद राजगीर देश के प्रमुख बहुखेल केंद्रों में मजबूत पहचान स्थापित करेगा।

> राजगीर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम केवल एक खेल परिसर नहीं बिहार के खेलों के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। दिसंबर से यहां गूंजने वाले चौकों-छक्कों की आवाज पूरे देश को यह संदेश देगी कि बिहार अब खेल प्रतिभाओं के साथ-साथ विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना के मामले में भी नई पहचान बना चुका है। बिहार के क्रिकेट प्रेमियों का वर्षों पुराना सपना अब साकार होने जा रहा है। यह स्टेडियम राज्य के खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय मंच देगा और आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबलों का नया केंद्र बनेगा।
>
> \- श्रेयसी सिंह, मंत्री, खेल विभाग

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर एम्स पटना ने शुरू किया सप्ताहव्यापी जन जागरूकता अभियान, ओपीडी बना स्वास्थ्य शिक्षा का केंद्र

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। वायरल हेपेटाइटिस जैसी साइलेंट किलर बीमारी के खिलाफ जन जागरूकता की अलख जगाते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना के जनरल मेडिसिन विभाग ने सोमवार को विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर जनरल मेडिसिन ओपीडी परिसर में सप्ताहव्यापी जन जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। 29 जुलाई से 4 अगस्त तक चलने वाला यह अभियान केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि लोगों को समय रहते जागरूक कर गंभीर लीवर रोगों से बचाने का एक व्यापक जनस्वास्थ्य अभियान है।उ इस अवसर पर जनरल मेडिसिन ओपीडी का वातावरण सामान्य चिकित्सकीय गतिविधियों से आगे बढ़कर स्वास्थ्य शिक्षा, जनसंवाद और जागरूकता का जीवंत मंच बन गया जहाँ चिकित्सकों ने मरीजों और उनके परिजनों से सीधे संवाद कर उन्हें वायरल हेपेटाइटिस की रोकथाम, जांच, टीकाकरण और उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर डीन (एकेडमिक्स) प्रो. डॉ. पूनम प्रसाद भदानी, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट प्रो. डॉ. प्रशांत कुमार सिंह, जनरल मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. ज्योति प्रकाश, प्रो. डॉ. रवि कीर्ति, विभाग के संकाय सदस्य, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग अधिकारी, छात्र एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि वायरल हेपेटाइटिस आज भी विश्व की सबसे गंभीर लेकिन सबसे अधिक उपेक्षित स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, हेपेटाइटिस-बी का टीकाकरण, सुरक्षित जीवनशैली और सही जानकारी के माध्यम से इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। डीन (एकेडमिक्स) प्रो. डॉ. पूनम प्रसाद भदानी ने कहा कि किसी भी बीमारी के खिलाफ सबसे प्रभावी दवा जागरूकता होती है। उन्होंने कहा कि यदि समाज में सही जानकारी पहुंचे तो न केवल संक्रमण की श्रृंखला को रोका जा सकता है बल्कि लीवर संबंधी गंभीर बीमारियों और उनसे जुड़े सामाजिक भ्रम को भी समाप्त किया जा सकता है। मेडिकल सुपरिंटेंडेंट प्रो. डॉ. प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा संस्थानों की जिम्मेदारी केवल रोगों का उपचार करना नहीं बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवन के प्रति शिक्षित करना भी है। जनरल मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. ज्योति प्रकाश ने बताया कि सप्ताहभर चलने वाले इस अभियान के दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों को विशेषज्ञ परामर्श, जागरूकता व्याख्यान, शैक्षणिक प्रदर्शनी, संवादात्मक सत्र तथा सूचना शिक्षा संचार सामग्री के माध्यम से वायरल हेपेटाइटिस के विभिन्न प्रकार, संक्रमण के तरीके, जोखिम कारक, प्रारंभिक लक्षण, टीकाकरण, समय पर जांच तथा आधुनिक उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रो. डॉ. रवि कीर्ति ने लोगों से अपील की कि वे किसी भी जोखिम की स्थिति में जांच कराने में विलंब न करें क्योंकि प्रारंभिक अवस्था में पहचान और उपचार जीवन बचाने के साथ साथ बीमारी के प्रसार को भी रोक सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हर वर्ष लगभग 13 लाख लोगों की मृत्यु वायरल हेपेटाइटिस से संबंधित बीमारियों के कारण होती है अर्थात हर 30 सेकंड में दुनिया में एक व्यक्ति की जान वायरल हेपेटाइटिस से चली जाती है। विश्वभर में 30.4 करोड़ से अधिक लोग हेपेटाइटिस-बी या हेपेटाइटिस-सी से संक्रमित हैं जबकि उनमें से अधिकांश को अपनी बीमारी की जानकारी तक नहीं है। भारत में भी यह बीमारी लीवर सिरोसिस और लीवर कैंसर के प्रमुख कारणों में शामिल है जबकि हेपेटाइटिस-बी से बचाव के लिए प्रभावी टीका और हेपेटाइटिस-सी के लिए अत्यंत सफल उपचार उपलब्ध हैं। अभियान के दौरान प्रतिदिन जनरल मेडिसिन ओपीडी में आने वाले सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को हेपेटाइटिस-बी टीकाकरण, सुरक्षित इंजेक्शन, सुरक्षित रक्ताधान, स्वच्छ स्वास्थ्य व्यवहार, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व से अवगत कराया जा रहा है। साथ ही सूचना पुस्तिकाओं एवं जागरूकता सामग्री के माध्यम से उन्हें लीवर को स्वस्थ रखने के उपाय भी बताए जा रहे हैं। एम्स पटना ने एक बार फिर यह संकल्प दोहराया कि उपचार के साथ-साथ जागरूकता को भी जनस्वास्थ्य का सबसे प्रभावी माध्यम बनाते हुए वह वर्ष 2030 तक भारत को वायरल हेपेटाइटिस मुक्त बनाने के राष्ट्रीय अभियान में अपनी अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

एम्स पटना में 125 एमबीबीएस छात्रों के लिए मेंटर-मेंटी कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

पटना । अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना ने भावी डॉक्टरों के सर्वांगीण विकास और मार्गदर्शन के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा एमबीबीएस 2025 बैच के 125 नए छात्रों के लिए ह्यमेंटर-मेंटी फ्रेमवर्कह्व पर एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस व्यवस्था के तहत प्रत्येक छात्र को एक अनुभवी फैकल्टी मेंटर से जोड़ा गया है, जो पूरी मेडिकल शिक्षा के दौरान उनका मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली छात्रों में आत्मविश्वास और सही दिशा प्रदान कर उन्हें एक सक्षम व संवेदनशील डॉक्टर बनाएगी। डीन (एकेडमिक्स) प्रो. डॉ. पूनम प्रसाद भदानी ने बताया कि नियमित संवाद से पढ़ाई का दबाव कम होगा और छात्रों में शोध व नवाचार के प्रति रुचि बढ़ेगी। डीन (स्टूडेंट अफेयर्स) प्रो. डॉ. रुचि सिन्हा और रजिस्ट्रार प्रो. डॉ. ज्योति प्रकाश ने जोर देकर कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल डिग्रीधारी डॉक्टर तैयार करना नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य सहयोग, नेतृत्व क्षमता और नैतिक मूल्यों से समृद्ध नागरिक गढ़ना है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के ह्यकम्पीटेंसी बेस्ड मेडिकल एजुकेशनह्व के तहत शुरू की गई यह पहल छात्रों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व निर्माण, करियर परामर्श और मानसिक तनाव को कम करने पर केंद्रित है। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने अपने मेंटर्स से संवाद किया और उनसे सेवा, करुणा तथा ईमानदारी को अपने पेशे का आधार बनाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारी का जायजा लेने उप विकास आयुक्त फक्कर महतो घाट पहुंचे

दानापुर नगर के अंतर्गत जलस्तर के बढ़ने से नौका से आवागमन करने को लेकरदियारावासियो के मंगलवार से मेन पोंटून एमपी गंगा वन विशेष जहाज सेवा शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा इसका शुभारंभ करने की तैयारी है। इसको लेकर नासरीगंज के फक्कड़ महतो घाट पर तैयारी शुरू की जा चुकी है। सोमवार को मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारी का जायजा लेने उप विकास आयुक्त शुभम कुमार फक्कर महतो घाट पहुंचे। इस दौरान उनके साथ अनुमंडलाधिकारी अनिरुद्ध पांडेय समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। श्री कुमार ने कार्यक्रम को लेकर विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। अनुमंडलाधिकारी ने कहा कि मंगलवार को जहाज सेवा का शुभारंभ होना है। जिसमें मुख्यमंत्री की आने की संभावना है। जिसको लेकर तैयारी की जा चुकी है। इस दौरान नगर प्रबंधक अमरेंद्र कुमार, एसडीपीओ वन अजीत कुमार समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बड़ी मात्रा में विदेशी शराब बरामद धंधेबाज गिरफ्तार

फतुहा। नदी थाने की पुलिस ने सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर मौजीपुर के पास छापेमारी कर कुल 10.5 लीटर विदेशी शराब बरामद करते हुए मौजीपुर निवासी सन्नी कुमार को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक बाइक भी जब्त की गई है।

नदी थाना पुलिस का बड़ा एक्शन, 54 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

फतुहा। नदी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग जगहों से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पहली कार्रवाई में श्रीवंश राय उर्फ राजकुमार यादव, उम्र करीब 50 वर्ष, निवासी कच्ची दरगाह, को ग्राम जेठुली स्थित एक ईंट भट्ठे से 52 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई में कमलेश राय, उम्र करीब 45 वर्ष, निवासी गद्योचक, को ग्राम मौजीपुर से 2 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। नदी थाना पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रशांत किशोर की जीत पर समर्थकों में जश्न, सगुना मोड़ पर बांटी गई मिठाई

दानापुर। नगर के अंतर्गत जन स्वराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर के बांकीपुरविधानसभा सीट से जीत दर्ज करने के बाद उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। विभिन्न स्थानों पर समर्थकों ने मिठाइयां बांटकर और आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया। सगुना मोड़ स्थित मैनपुरा मेंसामाजिक कार्यकर्ता एवं छावनी परिषद वार्ड संख्या-7 केप्रत्याशी अविनाश रजक उर्फ बबलू के नेतृत्व में समर्थकों ने लोगों को पीला गमछा पहनाकर सम्मानित किया तथाएक-दूसरे को लड्डू खिलाकर जीत का जश्न मनाया। इस दौरान जमकर मिठाइयां बांटी गईं और आतिशबाजी भी की गई।अविनाश कुमार उर्फ बबलू ने कहा कि बांकीपुर विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर ने लगभग 20 हजार वोटों के अंतर से जीत हासिल की है।

एसकेएमवी कॉलेज में छात्रों का हंगामा, बदहाल व्यवस्था और मनमानी शुल्क वसूली के खिलाफ प्रदर्शन

प्रात: किरण संवाददाता

फतुहा। शहर में स्थित एसकेएमवी कॉलेज में सोमवार को छात्र-छात्राओं ने कॉलेज की जर्जर स्थिति, नियमित पढ़ाई नहीं होने, शिक्षकों एवं प्राचार्य की अनुपस्थिति तथा विभिन्न मदों में कथित मनमानी शुल्क वसूली के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने आरोप लगाया कि कॉलेज भवन की हालत खस्ता है, कक्षाओं में बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं है, ब्लैकबोर्ड और पंखे खराब हैं, छत से धूप और बारिश का पानी अंदर आता है, पीने के पानी व साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। छात्रों का कहना था कि शिक्षक समय पर नहीं आते और नियमित कक्षाएं संचालित नहीं होतीं, जबकि नामांकन, रजिस्ट्रेशन, बोनाफाइड सहित विभिन्न कार्यों के लिए अन्य कॉलेजों की तुलना में अधिक शुल्क लिया जाता है। वहीं कॉलेज के सहायक प्रोफेसर दिनेश साह ने कहा कि वे प्राचार्य के अधीन निर्धारित कार्य करते हैं और छात्रों को होने वाली परेशानी से अवगत कराते हुए नियमित कक्षाएं संचालित कराने के लिए प्राचार्य से बातचीत करेंगे, जबकि प्राचार्य की उपस्थिति और जवाबदेही उनके स्तर का विषय है।

रायपुरा मोड़ से इमलीचौक तक गड्ढे में तब्दील सड़क

प्रात: किरण संवाददाता

फतुहा। रायपुरा मोड़ से इमलीचौक तक जाने वाली दीदारगंज-बख्तियारपुर एसएच-106 की हालत बेहद खराब है। इस करीब एक किलोमीटर लंबे मार्ग पर बने बड़े-बड़े गड्ढे पिछले कई वर्षों से राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का शवब बने हुए हैं। थोड़ी सी भी बारिश या नाले का पानी आने पर ये गड्ढे पानी से भर जाते हैं और पूरी सड़क एक बड़ी झील में तब्दील हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क से रोजाना सैकड़ों की संख्या में भारी वाहन, स्कूल बसें और बाइक सवार गुजरते हैं। लेकिन सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों और जलजमाव के कारण हर दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। पानी भरे गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाने के कारण दोपहिया वाहन चालक अक्सर फिसलकर गिर जाते हैं। गड्ढों से बचकर निकलने में चारपहिया वाहन चालकों के भी पसीने छूट जाते हैं। इस जलजमाव के कारण जाम की भी स्थिति भी बन जाती है। इस संबंध में नगर परिषद के सिटी मैनेजर गौरव कुमार ने बताया कि उक्त स्थान पर जलनिकासी की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। पहले मोटर लगाकर पानी की निकासी की जाती थी, लेकिन मोटर खराब हो जाने के कारण अब पानी सड़क पर ही जमा हो जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही वहां जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था कराई जाएगी ताकि लोगों को इस समस्या से निजात मिल सके।

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय खोखना में छात्राओं के बीच हाइजीनिक किट का वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

फतुहा। उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, खोखना में सोमवार को शक्ति सहायता डेस्क कार्यक्रम के तहत छात्राओं के बीच हाइजेनिक किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मुजफ्फर इमाम ने कहा कि यह किट कक्षा 9 वीं और 10 वीं की छात्राओं को दी गई है। किट वितरण के साथ ही उन्होंने किशोरावस्था के दौरान छात्राओं को बरतने वाली सावधानियों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी और स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस दौरान छात्राओं को डेटॉल, सैनिटरी नैपकिन, सैनिटाइजर, रुमाल और रुई दी गई। स्कूल की नोडल शिक्षिकाएं अंकिता एवं शेफाली ने इस कार्यक्रम की सराहना की।

डायट पटना में दिशा 2 .0 व पीबीएल प्रशिक्षण शुरू, 208 शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण के सिखाए जा रहे गुण

● शिक्षको को नई रणनीतियों से किया जा रहा सशक्त : प्राचार्या

पटना। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), पटना में सोमवार को दिशा 2.0 मॉड्यूल व प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग पर आधारित पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई है. इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए वर्ग 3 से 5 तक के कुल 155 एवं 6 से 8 के 53 शिक्षक हिस्सा ले रहे हैं. कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों की शैक्षणिक क्षमता को मजबूत करना और स्कूलों में पढ़ाई के स्तर को बेहतर बनाना है. प्रशिक्षण के पहले दिन ही शिक्षकों में खासा उत्साह देखने को मिला. सभी प्रतिभागी नई शिक्षण तकनीकों को सीखने और उन्हें अपने विद्यालयों में लागू करने को लेकर उत्साहित नजर आए.

बाल-केंद्रित शिक्षा पर दिया जा रहा जोर

इस प्रशिक्षण का मुख्य फोकस बाल-केंद्रित शिक्षण पद्धति को मजबूत करना है. इसके तहत शिक्षकों को यह बताया जा रहा है कि कैसे बच्चों की समझ और रुचि के अनुसार पढ़ाई को आसान और रोचक बनाया जा सकता है. कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और एनसीऐकों 2023 के अनुरूप पढ़ाई को प्रभावी बनाने के तरीकों पर विशेष चर्चा हो रही है. प्रशिक्षकों द्वारा गतिविधि अधिगम और दक्षता आधारित शिक्षा के महत्व को विस्तार से समझाया जा रहा है.

शिक्षकों को नई रणनीतियों से किया जा रहा सशक्त

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए डायट की प्राचार्या डॉ श्रुति चौबे ने कहा कि दिशा 2.0 मॉड्यूल व प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है. इसके जरिए उन्हें आधुनिक शिक्षण रणनीतियों से अवगत कराया जा रहा है. उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से शिक्षक न केवल अपने ज्ञान को बढ़ाते हैं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में भी अहम भूमिका निभाते हैं. उनका मानना है कि बेहतर शिक्षक ही बेहतर समाज की नींव रखते हैं.

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नींव है प्रशिक्षण

वरीय व्याख्याता डॉ विनय कुमार चौधरी, व्याख्याता प्रो विपिन कुमार, प्रो विनय कुमार, प्रो कुमारी सीमा सिंह , प्रो. सावित्री चौधरी व साधन सेवी अजय कुमार ने भी प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि जब तक शिक्षकों को सही और आधुनिक प्रशिक्षण नहीं मिलेगा, तब तक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव नहीं है. उन्होंने उम्मीद जताई कि इस प्रशिक्षण से मिले अनुभवों का उपयोग शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में करेंगे, जिससे बच्चों के लिए सीखने का माहौल और बेहतर बनेगा.

पांच दिनों तक चलेगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

यह आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पांच दिनों तक चलेगा, जिसमें अलग-अलग सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को कई महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी जाएगी. इसमें कक्षा में व्यवहारिक गतिविधियों, बच्चों के साथ संवाद, और सीखने की प्रक्रिया को आसान बनाने के तरीकों पर विशेष फोकस रहेगा।

भारतीय अंगदान दिवस पर आईजीआईएमएस में सोट्टो द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

पटना । गोपाल विद्यार्थी. भारतीय अंगदान दिवस को लेकर राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (सोट्टो), बिहार द्वारा इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के ओपीडी परिसर में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना तथा अधिक से अधिक लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम का शुभारंभ सोट्टो बिहार के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) मनीष मंडल के स्वागत उद्बोधन से हुआ। मौके पर उन्होंने कहा कि जब हमें किसी अंग की आवश्यकता होती है, तब हम उसे प्राप्त करना चाहते हैं, लेकिन जब स्वयं अंगदान करने की बात आती है तो हम पीछे हट जाते हैं। यदि समाज में अंगदान को बढ़ावा देना है, तो लोगों में स्वेच्छा से आगे आकर अंगदान करने की भावना विकसित करनी होगी। उन्होंने सभी से अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच अपनाने और इस जनहितकारी अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। इसके पश्चात आईजीआईएमएस के डीन प्रो. (डॉ.) ओम कुमार ने अंगदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत में प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जबकि उपलब्ध अंगों की संख्या अत्यंत कम है। उन्होंने इस मांग और उपलब्धता के बीच के अंतर को कम करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं आई बैंक प्रभारी डॉ. नीलेश मोहन ने कॉर्निया दान एवं कॉर्निया प्रत्यारोपण की प्रक्रिया, उसके महत्व तथा नेत्रदान के माध्यम से दृष्टिहीन व्यक्तियों को नई रोशनी प्रदान करने की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. रोहित उपाध्याय ने भारत में अंग प्रत्यारोपण की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं तथा भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि समय पर अंगदान की उपलब्धता अनेक गंभीर रोगियों का जीवन बचा सकती है। वहीं नेफ्रोलॉजी विभाग के डॉ. प्रेम शंकर पटेल ने किडनी दान एवं किडनी प्रत्यारोपण से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों पर प्रकाश डालते हुए जीवित एवं मृतक अंगदान की आवश्यकता और उपयोगिता को विस्तार से समझाया। मौके पर सोट्टो बिहार की आईईसी कंसल्टेंट एकता ने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से भारत में अंगों की मांग एवं उपलब्धता के बीच के अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने अंगदान से जुड़े प्रचलित मिथकों एवं भ्रांतियों का वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर निराकरण किया तथा यह भी बताया कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति अंगदान की शपथ लेकर इस जीवनदायी अभियान का हिस्सा बन सकता है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों के लिए एक इंटरैक्टिव अंगदान क्विज एवं प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित चिकित्सकों, मरीजों एव उनके अभिभावको ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में समाज से अंगदान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने, परिवार के साथ इस विषय पर चर्चा करने तथा अधिक से अधिक लोगों को अंगदान की शपथ लेने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

समृद्ध होंगे राज्य में सरकारी अस्पतालों के ऑर्थो ओटी

पटना। बिहार के सरकारी अस्पतालों में हड्डी रोग (ऑर्थोपेडिक) उपचार को और अधिक सुलभ, सुरक्षित तथा गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में राज्य स्वास्थ्य समिति ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब जिला अस्पतालों और चिन्हित स्वास्थ्य संस्थानों के ऑर्थोपेडिक ऑपरेशन थिएटर (ऑर्थो ओटी) को भारतीय जन स्वास्थ्य मानक के अनुरूप आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया जाएगा। इसके लिए सभी जिलों को आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा कमी वाले उपकरणों की शीघ्र मांग भेजने का निर्देश जारी किया गया है। राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यक्रम क्रियान्वयन योजना 2025-30 के तहत राज्य के अस्पतालों में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में ऑर्थोपेडिक सेवाओं का विस्तार और ऑर्थो ओटी का सुदृढ़ीकरण प्राथमिकता में शामिल किया गया है। पहले होगी गैप एनालिसिस, फिर उपलब्ध कराए जाएंगे उपकरण निर्देश के अनुसार जिन स्वास्थ्य संस्थानों में ऑर्थो ओटी संचालित हो रहे हैं अथवा शुरू किए जाने हैं, वहां पहले उपलब्ध संसाधनों का विस्तृत आकलन किया जाएगा। इसके बाद जिन उपकरणों की आवश्यकता होगी, उनकी मांग निर्धारित प्रारूप में भेजी जाएगी। राज्य स्तर पर मांग का परीक्षण कर बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से उपकरण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। आधुनिक मशीनों से बढ़ेगी सर्जरी की क्षमता ऑर्थो ओटी के लिए जिन प्रमुख उपकरणों की व्यवस्था की जा रही है, उनमें ऑर्थोपेडिक अटैचमेंट युक्त ओटी टेबल, एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन, इलेक्ट्रिकल सक्शन मशीन, ऑटोक्लेव, 12-चैनल ईसीजी मशीन, इन्फ्यूजन पंप, सी-आर्म मशीन, आर्थ्रोस्कोपी सिस्टम, क्रैश कार्ट, मरीज ट्रॉली, आईवी स्टैंड सहित कई आवश्यक उपकरण शामिल हैं। इन उपकरणों के उपलब्ध होने से जटिल हड्डी संबंधी ऑपरेशन भी सरकारी अस्पतालों में अधिक प्रभावी ढंग से किए जा सकेंगे। रखरखाव और उपयोग पर भी रहेगा विशेष जोर राज्य स्वास्थ्य समिति ने केवल उपकरणों की खरीद तक ही प्रक्रिया सीमित नहीं रखी है, बल्कि उनके नियमित रखरखाव, इंस्टॉलेशन, स्टॉक रजिस्टर में अंकन तथा ई उपकरण पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

पालीगंज में प्रशांत किशोर की जीत पर जश्न, खिलाई मिठाई

प्रात: किरण संवाददाता

बांकीपुर विधानसभा सीट पर जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत की खुशी में सोमवार को पालीगंज में जनसुराज के कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां बांटकर जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया और जीत को जनता के विश्वास एवं जनसुराज की नीतियों की जीत बताया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह जीत बिहार की राजनीति में सकारात्मक बदलाव का संकेत है और इससे संगठन के कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा है। उन्होंने भविष्य में भी जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने तथा संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर अशोक कुमार, राजकिशोर सिंह, सुनील कुमार वर्मा, राहुल कुमार,भजन लाल कुमार , रामदेव प्रसाद, हरेंद्र पासवान,मों अब्बास सहित बड़ी संख्या में जनसुराज के कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

रामकृपाल यादव शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने पहुंचे

दानापुर। नगर के अंतर्गत ईओ विमल कुमार हत्याकांड की पुलिस द्वारा उद्भेदन करने की बात परिजन को गले नहीं उतर रही है। परिजन आनन फानन में कांड का खुलासा कर सारा दोष चालक पर मढ़ने की बात कहा है। बताया कि चालक घटना को अकेले अंजाम दे नहीं सकता। उसके साथ और उसके पीछे जरूर कोई है। जिसको पुलिस बचाने में लगी है।ये सारी बातें स्व विमल कुमार की पत्नी बबीता देवी ने सोमवार को आने वाले हर किसी को कहीं। सोमवार को सुबह से शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने लोग पहुंचने लगे सुबह सहकारिता मंत्री सह स्थानीय विधायक रामकृपाल यादव शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने पहुंचे। उन्होंने घटना की तीव्र नींदा करते हुए कहा कि परिजन को दुःख की घड़ी में साथ देने की बात कही। वहीं परिजन ने मंत्री को सरकारी नौकरी दिलाने, सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराने और मुख्यमंत्री से मिलवाने की बात कही। मंत्री ने उन लोगों के बातों को सूना और भरोसा दिलाया। वहीं औरंगाबाद बाद के मुख्य पार्षद सतीश सिंह भी शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने पहुंचे। उन्होंने भी सिर्फ चालक द्वारा घटना को अंजाम देने की बात को मानने से इंकार कर दिया। उसने बताया कि जिस जगह से गाड़ी खुली और जिस जगह घटना घटी,बीच की दूरी 15-20 मिनट की है। इतने कम समय में चालक को पेशाब करने के लिए जबरन गाड़ी को रोकना साजिश को दर्शाता है। बताया कि बहुत सारी बिंदु है, जिसपर पुलिस को अभी और छानबीन करने की जरूरत है। वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को दाह-संस्कार में शामिल होने के बाद देर रात को स्श विमल के पत्नी से मिलने उनके फ्लैट पर गए।

एनडीए को छोटे दलों की अनदेखी पड़ी भारी अब भी समय है संभलने का : लोकमंच

पटना। भारतीय लोकमंच पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव कुणाल सिकंद ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को जीत पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एनडीए को अपने समर्पित सहयोगी एवं छोटे राजनीतिक दलों को साथ लेकर चलने की रणनीति पर गंभीरता से पुनर्विचार करना होगा। छोटे दलों और एनडीए विचारधारा से जुड़े राजनीतिक समूहों की अनदेखी का असर चुनावी परिणामों में दिखाई दे रहा है। कुणाल सिकंद ने कहा कि एनडीए नेतृत्व, विशेषकर गृह मंत्री अमित शाह, को छोटे दलों को उनके जनाधार और राजनीतिक शक्ति के अनुरूप सम्मानजनक भागीदारी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब नेताओं को बंद कमरों से निकलकर जनता के बीच जाना होगा और उनकी समस्याओं को समझना होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 के चुनाव से पहले एनडीए को आत्ममंथन कर सभी समान विचारधारा वाले छोटे दलों को साथ लाने की पहल करनी चाहिए। राजनीति केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की सेवा और उनके विश्वास को मजबूत करने का संकल्प है। समय रहते संवाद, समन्वय और सहयोग की नीति अपनाकर ही एनडीए को फिर से मजबूत बनाया जा सकता है।

सोमवारी पर इलाके के शिवालय हर हर महादेव के नारों से गुंजमान हो उठा

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत सावन की प्रथम सोमवारी पर नगर समेत आसपास के इलाके के शिवालय हर हर महादेव के नारों से गुंजमान हो उठा। सुबह से ही विभिन्न शिवालय में जलाभिषेक एवं पूजन अर्चना करने के लेकर श्रद्धालु महिला पुरुष पहुंचते रहे। नगर के गोलापर राम जानकी मंदिर, गुलडाक स्थान मंदिर, पेठिया बाजार शिव मंदिर, सदर बाजार शिव मंदिर, महावीर मंदिर, एम ई एस मंदिर, नौलखा मंदिर समेत अन्य शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। वहीं कुछ मंदिरों में रुद्राभिषेक एवं सहस्त्रार्चन आदि का भी आयोजन किया गया।

बिहार एसडीआरएफ में 78 पूर्व सैनिकों की संविदा पर नियुक्ति

- आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्री रत्नेश सदा ने बांटे नियुक्ति पत्र.
- कहा-अनुभव, अनुशासन एवं सेवा भाव का पालन करें नवनियुक्त कर्मी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्री रत्नेश सादा ने सोमवार को राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) में संविदा के आधार पर चयनित पूर्व सैनिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर राज्य आपदा मोचन बल में कुल 78 पूर्व सैनिकों को संविदा के आधार पर नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इनमें निरीक्षक (कार्यपालक) के 19, अवर निरीक्षक (कार्यपालक) के 32, हेड कांस्टेबल (ग्राउंड ड्यूटी/रेडियो ऑपरेटर) के 23 और हेड कांस्टेबल/कांस्टेबल (चालक) के 04 पद शामिल हैं।

इस अवसर पर विभागीय सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सादा ने सभी चयनित पूर्व सैनिकों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य आपदा मोचन बल का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है। यह केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में लोगों का जीवन बचाने का संकल्प है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय सेना में अर्जित अनुभव, अनुशासन एवं सेवा भावना के साथ सभी नियुक्त कर्मी राज्य आपदा मोचन बल को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इसकी अध्यक्षता कर रहे आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने कहा कि भारतीय सेना से प्राप्त प्रशिक्षण, अनुशासन एवं कार्य संस्कृति राज्य आपदा मोचन बल के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि संविदा पर नियुक्त सभी पूर्व सैनिक समर्पण, प्रतिबद्धता एवं अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे और आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी राहत एवं बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन विभाग के अपर सचिव मो नदीमुल गफ्फार सिद्दीकी, समादेष्टा, राज्य आपदा मोचन बल राजेश कुमार, मंत्री के आप्त सचिव दुर्गेश कुमार, सुनील कुमार वर्मा, राज्य आपदा मोचन बल के उप समादेष्टा मो. अनवर जावेद अंसारी, आपदा प्रबंधन विभाग के उप-सचिव पंकज कुमार कमल सहित विभागीय अधिकारियों एवं राज्य आपदा मोचन बल के पदाधिकारी उपस्थिति रहे।

नीतीश कुमार ने बीस वर्षों के शासन में सुशासन की लंबी लकीर खींची : श्रवण

- जनसुनवाई में मंत्री श्रवण कुमार एवं सुनील कुमार ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए राजद शासन काल पर तंज कसा है। मंत्री श्रवण कुमार ने सोमवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने अपने बीस वर्षों के शासनकाल में बिहार को जंगलराज के दौर से बाहर निकाला और न्याय के साथ विकास की अवधारणा को धरातल पर उतारते हुए बिहार को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया तथा सुशासन की लंबी लकीर खींची। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से पहले लोग पलायन करने को विवश थे, लेकिन श्री नीतीश कुमार आशा और विश्वास के केंद्रबिंदु बनकर उभरे तथा उन्होंने बिहार को विकास और सुशासन की नई दिशा प्रदान की। इससे पहले जनसुनवाई कार्यक्रम में मंत्री श्रवण कुमार एवं मंत्री सुनील कुमार ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं तथा उनके विधिसम्मत निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को तत्काल दूरभाष के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुमित कुमार सिंह मौजूद रहे।

विकास और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ा रही है एनडीए सरकार : सुनील

कार्यक्राम में मौजूद मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की समस्याओं को लेकर लोग पहुंचते हैं। प्रत्येक शिकायत पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए उसके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने कहा कि श्री नीतीश कुमार के कुशल मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार सुशासन, विकास और जनकल्याण के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही एनडीए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सामाजिक न्याय, विकास और सुशासन के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएं : नीतीश

- संसद की कार्यवाही में शामिल होने के बाद जदयू के केंद्रीय कार्यालय पहुंचे नीतीश कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। संसद की कार्यवाही में सक्रिय सहभागिता के उपरांत जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार जंतर-मंतर स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय पहुंचे, जहाँ वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। केंद्रीय कार्यालय में नीतीश कुमार ने पार्टी नेताओं एवं कार्यकताओं के साथ संगठनात्मक विषयों, वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि जदयू की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पार्टी की विचारधारा और जनकल्याणकारी नीतियों को पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने, जनता के बीच निरंतर सक्रिय रहने तथा विकास, सामाजिक न्याय और सुशासन के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। नीतीश कुमार ने विश्वास जताने हुये कहा कि कार्यकताओं की प्रतिबद्धता और जनसमर्थन के आधार पर पार्टी आने वाले दिनों में और अधिक मजबूती के साथ जनसेवा के अपने संकल्प को आगे बढ़ाएगी।

इस दौरान पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई। इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता सह पार्टी कोषाध्यक्ष ललन कुमार सर्राफ, राष्ट्रीय महासचिव हर्षवर्धन सिंह, सचिव मो निसार सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेतागण एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

बिहार सरकार की अनूठी पहल : सोलर क्रॉप ड्रायर पर मिलेगा 1.40 लाख रुपये तक का अनुदान : विजय

- फसल की बबार्दी होगी कम, किसानों की आय में होगी वृद्धि

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि तथा फसल कटाई के बाद होने वाली क्षति को न्यूनतम करने के उद्देश्य से कृषि विभाग के उद्यान निदेशालय द्वारा सोलर क्रॉप ड्रायर योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत किसानों को आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल एवं ऊर्जा-कुशल तकनीक उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उनकी उपज की गुणवत्ता सुरक्षित रहेगी तथा बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। कृषि मंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत 100 किलोग्राम क्षमता वाले सोलर क्रॉप ड्रायर की स्थापना पर अधिकतम 1.40 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया जाएगा। इस उपकरण की अनुमानित लागत 3.50 लाख रुपये है। सौर ऊर्जा आधारित होने के कारण इसके संचालन में किसानों को बिजली अथवा ईंधन पर अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पारंपरिक रूप से खुले में फसल सुखाने की तुलना में सोलर क्रॉप ड्रायर अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी है। इसमें फसल धूल, नमी तथा कीटों से सुरक्षित रहती है, जिससे उसका प्राकृतिक रंग, स्वाद एवं सुगंध बरकरार रहता है। इसके माध्यम से किसान अपनी उपज को सुखाकर अथवा प्रसंस्कृत कर अधिक समय तक सुरक्षित रख सकते हैं तथा बाजार में अनुकूल मूल्य मिलने पर बिक्री कर बेहतर आय अर्जित कर सकते हैं। श्री सिन्हा ने किसानों से इस योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील करते हुए बताया कि इच्छुक किसान उद्यान निदेशालय के आधिकारिक पोर्टल horticulture.bihar.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा डीबीटी किसान पंजीकरण संख्या अनिवार्य होगी। कृषि मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सोलर क्रॉप ड्रायर योजना राज्य में फसल कटाई उपरांत होने वाली क्षति को कम करने, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने तथा किसानों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उपचुनाव में किसी के जीत से ज्यादा महत्व भाजपा की हार है : गगन

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के परिणाम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा है कि जीत किसकी हुई है वह उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना महत्वपूर्ण इस सीट पर भाजपा की करारी हार है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि आम चुनाव या अन्य उपचुनावों से इतर बांकीपुर विधानसभा का उपचुनाव काफी अलग है। यह विधानसभा क्षेत्र भाजपा के लिए बिहार के 243 विधानसभा क्षेत्रों में सबसे सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है। साथ हीं यहां से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन लगातार भारी मतों के अंतर से जीतते रहे हैं। इस उपचुनाव में भाजपा ने अपनी सारी ताकत लगा रखी थी। उसके द्वारा अपने 40 स्टार प्रचारकों ,केन्द्रीय मंत्रियों, बिहार सरकार के सभी मंत्रियों, एनडीए के लगभग 100 सांसदों, बिहार विधानसभा और विधान परिषद के सभी सदस्यों के अलावा बिहार एवं अन्य राज्यों से बुलाए गए हजारों कार्यकताओं को इस क्षेत्र में उतार दिया गया था। इसके बावजूद उसे मिली करारी हार ने यह साबित कर दिया है कि केंद्र और बिहार की एनडीए सरकार के खिलाफ जनता में जबरदस्त आक्रोश है। दिल्ली, पटना सहित देश के अन्य हिस्सों में पिछले दिनों छात्र-नौजवानों का जो आक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया था उसी का प्रतिबिम्ब बांकीपुर और दतिया (मध्य प्रदेश) के इस उपचुनाव में दिखाई दिया है।

पप्पू यादव पर हमले के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

पटना। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव पर दिल्ली में हुए हमले के विरोध में कांग्रेस के नेताओं एवं कार्यकताओं ने सदाकत आश्रम गेट के बाहर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि एक निर्वाचित सांसद पर राजधानी दिल्ली में हमला होना कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। देश की राजधानी में यदि जनप्रतिनिधि सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। पुतला दहन के दौरान इन नेताओं ने कहा कि हिंदू धर्म किसी एक पार्टी की जागीर नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के लोग स्वयं को हिंदू धर्म का ठेकेदार समझते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि इस देश के करोड़ों लोग सनातन परंपरा में आस्था रखते हैं। किसी राजनीतिक दल को धर्म पर एकाधिकार जताने का अधिकार नहीं है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा धर्म और आस्था के नाम पर लोगों को बांटने तथा जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता अब इस राजनीति को समझ चुकी है और धर्म के नाम पर फैलाए जा रहे भ्रम को स्वीकार नहीं करेगी। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता मिन्नत रहमानी, प्रेमचंद सिंह, इंजीनियर कमलेश कमल, राजेश रंजन पप्पू, शशि कुमार चुन्नू सिंहह्व, दौलत इमाम , मनीष यादव, नीतीश सिंह ,शशि भूषण पंडित, नवल किशोर यादव, विनय यादव, मेनका कुमारी, सुरेश मुखिया बिन,शमसुल आजाद, दिनेस्वर माझी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

समस्तीपुर के वैनी थाना कांड के मामले की जांच के लिए राजद ने जांच समिति का किया गठन किया है : एजाज

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल को यह जानकारी प्राप्त हुई है कि उमेश ठाकुर, 42 वर्ष, पिता-स्व रामदयाल ठाकुर, ग्राम-कैंजिया विष्णुपुर, वार्ड नं-14, थाना-वैनी, जिला-समस्तीपुर की अविवाहित पुत्री सुश्री सुमन कुमारी, उम्र करीब 17-18 वर्ष को गोली मारकर हत्या कर दी गयी। प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा की समाज को शर्मसार कर देने वाली यह घटना है, इसकी पृष्ठभूमि के साथ-साथ सभी संबंधित बिन्दुओं पर जांच करने तथा अब तक इस सन्दर्भ में पुलिस के द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने पूर्व मंत्री मो इसराईल मंसूरी की अध्यक्षता में सात सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है,जो निम्नवत है, जिसमें मुकेश रौशन, पूर्व विधायक, सदस्य, राजीव कुमार उर्फ मुन्ना यादव, पूर्व विधायक ,सदस्य, मे लालबाबू राम, पूर्व विधायक, सदस्य, संजय ठाकुर, राष्ट्रीय सचिव, राजद, सदस्य, अरविन्द कुमार सहनी, प्रदेश अध्यक्ष, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ, सदस्य, रोमा भारती, जिलाध्यक्ष, समस्तीपुर जिला इकाई, राजद सदस्य बनाए गए हैं।

अगस्त अंत तक राज्यभर में तैयार होंगे ईवी चार्जिंग स्टेशन

- पूर्णिया में काम पूरा, अन्य परिवहन डिवीजनों में कार्य अंतिम चरण में

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। केंद्र सरकार की ओर से राज्य को 400 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनकी शुरूआत पिछले महीने हो चुकी है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) के अनुसार, प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के पहले चरण में 200 इलेक्ट्रिक बस राज्य को मिलने जा रही है, जो दो-तीन खेपों में आएंगी। इनका परिचालन पटना, मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर, पूर्णिया और दरभंगा समेत छह डिवीजनों में किया जाएगा। ई-बसों के सुचारू संचालन के लिए इन डिवीजनों में तेजी से चार्जिंग स्टेशन बनाए जा रहे हैं। अगस्त के अंत तक सभी डिवीजनों में ईवी चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पटना में फुलवारीशरीफ और आईएसबीटी (बैरिया मुख्य बस स्टैंड) के पास चार्जिंग स्टेशन का काम तेजी से चल रहा है। जबकि, पूर्णिया जिले में शत-प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इन चार्जिंग स्टेशनों पर एक ई-बस को चार्ज होने में करीब 1 से डेढ़ घंटे का समय लगेगा। राजधानी में सभी डिपो पर चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना है, जिसमें फुलवारीशरीफ समेत अन्य डिपो शामिल है इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (संशोधन) नीति, 2026 लागू की है। इसके अंतर्गत ह्यपर्यावरण अनुकूल परिवहन रोजगार योजनाह्ल चलाई जा रही है, जिसमें दोपहिया, तिपहिया और चारपहिया ईवी खरीदने पर भारी अनुदान दिया जा रहा है। साथ ही, सार्वजनिक, निजी और व्यावसायिक संस्थानों में ईवी चार्जिंग स्टेशन नेटवर्क विकसित करने के लिए भी अलग से अनुदान का प्रावधान किया गया है। अगले दो वर्षों में राज्य में कम से कम 500 चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों, पेट्रोल पंपों, होटल-मोटल, बस टर्मिनलों, व्यावसायिक क्षेत्रों और अन्य सार्वजनिक स्थानों का चयन किया जाएगा।

बिहार में पहली बार होगा ब्रूडर फिश का उत्पादन सीतामढ़ी में करीब 11 करोड़ से बना फिश ब्रूड बैंक तैयार

- इससे भारतीय मेजर कार्प और स्थानीय मछलियों का होगा संरक्षण, बढ़ेगी मछली पालकों की आय

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य में जल्द ही ब्रूड बैंक से फिश ब्रूड का उत्पादन एवं उन्नत मत्स्य बीज का वितरण प्रारंभ होने वाला है। सीतामढ़ी में 10.92 करोड़ रुपये की लागत से बिहार का पहला फिश ब्रूड बैंक यानी मछलियों का बीज बैंक बनकर तैयार हो गया है। इसका शुभारंभ 8 अगस्त को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कर-कमलों द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। फिश ब्रूड का उत्पादन शुरू हो जाने से हैचरी संचालकों को राज्य में सस्ती दर पर गुणवत्तापूर्ण प्रजनक मछली बीज उपलब्ध हो सकेगा। सीतामढ़ी में बना फिश ब्रूड बैंक प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत बनाया गया है। यह सीतामढ़ी के बखरी में करीब 40 एकड़ में फैला हुआ है। 2020 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इसका शिलान्यास किया था। पहले बिहार के हैचरी संचालक प्रजनक मछलियां और मत्स्य बीज नदी, मान, जलाशय आदि प्राकृतिक संसाधनों से लाते थे। ऐसे बीज में आनुवंशिक दोष की संभावना अधिक रहती थी, जिससे मछलियों की वृद्धि कम और मृत्यु दर अधिक होती थी। इस ब्रूड बैंक में आधुनिक वैज्ञानिक तरीके से स्वस्थ, बड़े और आनुवंशिक रूप से उन्नत मछलियों (ब्रूडर्स) को तैयार किया जाएगा, ताकि उनसे गुणवत्तापूर्ण और रोग-मुक्त बीज तैयार किया जा सके। सीतामढ़ी के डुमरा अंचल स्थित राघोपुर बखरी में इसे नीली क्रांति के नए केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, इससे प्राकृतिक संसाधनों से प्रजनक संग्रहण पर निर्भरता कम होगी। तकनीक और अद्यतन प्रणाली पर आधारित यह ब्रूड बैंक लोगों को रोजगार के साथ-साथ बेहतर आर्थिक संबल भी प्रदान करेगा। यहां 40 एकड़ में कई बड़े ब्रूड स्टॉक तालाब, नर्सरी पॉन्ड और रियरिंग पॉन्ड बनाए गए हैं। साथ ही केंद्र पर मत्स्य बीज हैचरी की भी स्थापना की गई है, जिससे मत्स्य पालकों को गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। यहां मुख्य रूप से भारतीय मेजर कार्प - रोहू, कतला, मृगल, जयंती रोहू, कॉमन कार्प, अमृत कतला, अमूर कार्प के साथ-साथ मछलियों की अन्य प्रजातियों को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय स्तर पर सस्ता और शुद्ध बीज उपलब्ध होने से न सिर्फ मछली उत्पादन एवं रोजगार को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि निर्यात को भी प्रोत्साहन मिलेगा और बाहरी राज्यों पर मत्स्य बीज की निर्भरता में कमी आएगी। भविष्य में यह फिश ब्रूड बैंक मिट्टी जांच, पानी जांच, प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा।

जेपी आंदोलन के सेनानी लताफत हुसैन के इंतकाल पर राजद में शोक

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद , पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ,सांसद डॉ मीसा भारती, प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगदानंद सिंह, उदय नारायण चौधरी,राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, डॉ कांति सिंह, भोला यादव, सैयद फैसल अली, बीनू यादव, प्रो मनोज कुमार झा, सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव, सुधाकर सिंह , संजय यादव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ सुनील कुमार सिंह, राष्ट्रीय सचिव कार्तिकेय सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह,डॉ तनवीर हसन, प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू, प्रवक्ता शक्ति यादव, प्रवक्ता एजाज अहमद,विधान पार्षद कारी मो सोहैब, सोनू राय, पूर्व विधायक विजेंद्र प्रसाद यादव, अरुण यादव, किरण देवी, विष्णु देव लोहिया, भाई दिनेश, डॉ अनवर आलम सहित अन्य नेताओं ने जेपी सेनानी,समाजवादी नेता और भोजपुर जिला राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व अध्यक्ष लताफत हुसैन के इंतकाल पर गहरे रंजो गम का इजहार करते हुए कहा कि इनके इंतकाल से समाजवादी आंदोलन को अपूरणीय क्षति हुई है, ये जेपी आंदोलन के सक्रिय नेता और कार्यकर्ता के रूप में लालू जी के विचारों के साथ हमेशा खड़े रहे।

वेस्ट टू आर्ट पहल ला रही रंग, कचरे से कलाकृति बनाकर आत्मनिर्भर बन रही जीविका दीदियां

भोजपुर जिला प्रशासन और स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के प्रयास से वेस्ट मटेरियल बना आजीविका और पर्यावरण संरक्षण का जरिया

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार और ग्रामीण विकास विभाग के सतत प्रयासों से राज्य में कचरा प्रबंधन और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अनोखी क्रांति देखने को मिल रही है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत कचरा से कला (वेस्ट टू आर्ट) की मुहिम को भोजपुर जिला प्रशासन ने एक नई ऊंचाई दी है, जो अब पूरे राज्य के लिए एक मिसाल बन चुकी है। इस अभिनव पहल के माध्यम से न केवल कचरे का उचित पुनर्चक्रण और पर्यावरण संरक्षण हो रहा है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रही हैं। जिला प्रशासन एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत काम कर रही जीविका संस्था के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को कचरे से कलात्मक उत्पाद बनाने का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ग्राम पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर निर्मित अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों से एकत्र किए गए प्लास्टिक, कांच की बोतलें, पुराने कपड़े, जीन्स और अन्य परित्यक्त सामग्रियों का उपयोग करके जीविका दीदियां बेहद खूबसूरत फ्लावर पॉट, गुलदस्ते, गमले, शो-पीस, आभूषण और लटकन तैयार कर रही हैं। इन उत्पादों की कलात्मकता को बढ़ाने के लिए स्थानीय कलाकारों की चित्रकारी की भी मदद ली जा रही है, जिससे यह सामान न केवल हल्के और टिकाऊ हैं, बल्कि बाजार में काफी आकर्षक और लोकप्रिय भी साबित हो रहे हैं।

इस पूरी मुहिम को बड़ा प्रोत्साहन तब मिला जब भोजपुर के जिलाधिकारी श्री तनय सुल्तानिया के निर्देश पर जिले के सभी सरकारी कार्यालयों एवं कार्यक्रमों में अतिथियों के स्वागत और स्मृति चिह्न के रूप में कचरे से बने इन फ्लावर पॉट और जीवित पौधों को उपहारस्वरूप देने की परंपरा शुरू की गई। आज वेस्ट टू आर्ट पार्क की स्थापना, होम डेकोर अलाइव जैसे स्टार्ट-अप्स और स्वयं सहायता समूहों के साझा प्रयास से 3-आर (रिफ्यूज, रियूज, रिसाइकिल) के सिद्धांतों को बखूबी घर-घर तक पहुंचाया जा रहा है।

हाल ही में ग्रामीण विकास विभाग की ओर से गांधी मैदान, पटना में आयोजित राज्य स्तरीय सरस मेले में भी इन वेस्ट टू आर्ट उत्पादों ने खूब सुर्खियां बटोरीं। मेले में जीविका दीदियों द्वारा पुराने कपड़ों के रेशे और प्लास्टर ऑफ पेरिस के मिश्रण से बनाए गए आकर्षक गमलों एवं मूर्तियों की भारी मांग रही और जमकर बिक्री हुई। एक समूह द्वारा दूसरे समूह को प्रशिक्षित करने की इस श्रृंखला पद्धति से जीविका दीदियों का एक बड़ा नेटवर्क तैयार हो गया है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ राज्य में ग्रामीण रोजगार सृजन और महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बन चुका है।

सजावटी और इको फ्रेंडली सामान के लिए होम डेकोर अलाइव प्रमुख नाम: वेस्ट टू आर्ट के क्षेत्र में होम डेकोर अलाइव एक प्रमुख नाम है, जो बेकार फेंक दिये जाने वाले कपड़ों और अन्य बेकार सामग्रियों से फूलदान, गमला, बर्ड हाउस जैसी उपयोगी, सजावटी और इको फ्रेंडली सामान बनाता है। प्रबंधन की पढ़ाई करने वाले श्री सौरभ कुमार ने इस स्टार्ट-अप की नींव रखी थी। आज यह भोजपुर जिला प्रशासन के विभिन्न कार्यालयों, सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं को भी वेस्ट टू आर्ट के तहत बने फूलदान की आपूर्ति करते हैं।

इस स्टार्ट-अप की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह सामान बनाने और इसकी बिक्री के लिए बाजार तलाशने के साथ लोगों को ट्रेनिंग भी देते हैं। सौरभ बताते हैं कि वे लोगों को वेस्ट से बने फूलदान में लगा पौधा उपहार में देने के लिए प्रेरित करते हैं। अब न सिर्फ सरकारी कार्यालयों में, बल्कि शादी-ब्याह और अन्य अवसरों पर भी लोग उपहार में फूलदान में लगा पौधा भेंट कर रहे हैं।

मजबूत हड्डियां और स्वस्थ जोड़ केवल एक नारा नहीं, स्वस्थ भारत के निर्माण का संकल्प

- बीओए ने आईओए बोन एंड ज्वाइंट वीक 2026 के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन
- विशेषज्ञों की सलाह - हड्डियों एवं जोड़ों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार ऑथोर्पेडिक एसोसिएशन द्वारा आईओए बोन एंड ज्वाइंट वीक 2026 के अवसर पर मजबूत हड्डियां और स्वस्थ जोड़ विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लायंस क्लब के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य आमजन में हड्डियों एवं जोड़ों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आधुनिक ऑथोर्पेडिक उपचार की जानकारी देना था। कार्यक्रम में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, रोबोटिक सर्जरी की बढ़ती भूमिका तथा समय पर उपचार के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्वस्थ हड्डियाँ और मजबूत जोड़ ही स्वस्थ भारत की नींव हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अमूल्य कुमार सिंह, अध्यक्ष, बिहार ऑथोर्पेडिक एसोसिएशन ने की। इस अवसर पर डॉ. रितेश रुनु, सचिव, बिहार ऑथोर्पेडिक एसोसिएशन, लायन माधवी, अध्यक्ष, लायंस क्लब पाटलिपुत्र आस्था तथा लायन संगीता नंदा, डीजी, लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 322ए, डॉ जीवेंद चौधरी , डॉ अर्नब सिन्हा, डॉ विवेकानंद उपाध्याय, डॉ एन के दीपक, डॉ नीता नाथ, डॉ अलका विकास, डॉ मनोज, डॉ रोहित, डॉ कोमल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए पाँच महत्वपूर्ण सुझाव दिए। पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम का सेवन करें। प्रतिदिन 20-30 मिनट धूप लें। रोज कम से कम 30 मिनट पैदल चलें या व्यायाम करें। मांसपेशियों की शक्ति और संतुलन बनाए रखें। पहली फ्रैक्चर होने से पहले ही बोन हेल्थ की नियमित जाँच कराएँ। कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि मजबूत हड्डियां और स्वस्थ जोड़ केवल एक नारा नहीं, बल्कि स्वस्थ भारत के निर्माण का संकल्प है। बिहार ऑथोर्पेडिक एसोसिएशन ने आम जनता से हड्डियों एवं जोड़ों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया।

संक्षिप्त खबरें

पुत्री की गायब होने की पिता ने दर्ज करवाया प्राथमिकी

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव से एक नाबालिग लड़की की गायब होने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को लेकर गायब लड़की की पिता ने स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाया है। बताया है कि 30 जुलाई को मेरी पुत्री अचानक गायब हो गई। अपने अस्तर से काफी खोज भी नहीं किया परंतु कहीं पता नहीं चल पाया। थाना अध्यक्ष सुनील कुमार झा ने बताया कि मामले की प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस जांच में जुटी है।

मारपीट के आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया न्यायिक हिरासत में

विभूतिपुर/समस्तीपुर। मारपीट कर जख्मी करने व जेवरात छीनने के नामजद आरोपी एकडारा निवासी रामचंद्र साह का पुत्र शंभू साह को पुलिस ने गिरफ्तार कर पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है।मामले को लेकर एकडारा निवासी हरि साह की पत्नी वंदना देवी ने प्राथमिकी दर्ज करवाई थी।जिसमें उक्त नामजद आरोपी सहित कुल 9 लोगों को नामजद किया गया था।उक्त बात की जानकारी थानाध्यक्ष सुनील कुमार झा ने दी।

प्रखंड के शिवालयों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

विभूतिपुर/समस्तीपुर। पवित्र श्रावण मास की पहली सोमवारी के अवसर पर विभूतिपुर प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर मुख्य बाजारों तक पूरा माहौल पूरी तरह शिवमय हो गया। प्रखंड अंतर्गत छोटे-बड़े शिव मंदिरों में सुबह से ही भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक और दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हर-हर महादेव, बम-बम भोले और बोल बम के गगनभेदी जयकारों से पूरा इलाका दिनभर गूंजता रहा। प्रखंड के मुस्तफापुर, कल्याणपुर, चकहबीब, महिषी, सिंधिया, नरहन और भुतहा चौक सहित अन्य प्राचीन एवं भव्य शिव मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया था। रंग-बिरंगी लाइटों, झालरों, ताजे फूलों और भव्य तोरण द्वारों से सजे इन शिवालयों की छटा देखते ही बन रही थी। पहली सोमवारी को यादगार बनाने के लिए प्रखंड के लगभग सभी पूजा स्थलों और प्रमुख चौकों पर भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। स्थानीय कलाकारों और कीर्तन मंडलियों द्वारा प्रस्तुत शिव भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। देर शाम तक चले इन आयोजनों के कारण पूरे विभूतिपुर प्रखंड में एक अद्भुत और पवित्र ऊर्जा का संचार महसूस किया गया। भक्तों ने कतारों में लगकर पवित्र गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, दूध और फल चढ़ाकर बाबा भोलेनाथ से अपने परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।

नये मोकामा रेल पुल से परिचालन होगी प्रारंभ

हाजीपुर। अपने प्रारंभिक स्टेशन से खुलकर परिवर्तित मार्ग से चलायी जाने वाली ट्रेन - गाड़ी सं. 15667 गांधीधाम कामाख्या एक्सप्रेस वाया दानापुर पाटलिपुत्र हाजीपुर शाहपुर पटोरी। 20.09.2026 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से खुलकर परिवर्तित मार्ग से चलायी जाने वाली ट्रेनें 1 गाड़ी सं. 13006 अमृतसर हावड़ा मेल वाया बख्तियारपुर बिहारशरीफ शेखपुरा किउल। 2.गाड़ी सं. 13038 देहरादून हावड़ा एक्सप्रेस वाया ग्रैंड कॉर्ड। 3. गाड़ी सं. 13047 हावड़ा प्रयागराज रामबाग विभूति एक्सप्रेस वाया किउल शेखपुरा बिहारशरीफ बख्तियारपुर। 4. गाड़ी सं. 15657 दिल्ली कामाख्या ब्रह्मपुत्र मेल वाया ग्रैंड कॉर्ड किउल गया। 5. गाड़ी सं. 15658 कामाख्या दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल वाया किउल गया ग्रैंड कॉर्ड। 6.गाड़ी सं. 22564 उधना जयनगर अंत्योदय एक्सप्रेस वाया दानापुर पाटलिपुत्र हाजीपुर मुजफ्फरपुर समस्तीपुर। 21.09.2026 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से खुलकर परिवर्तित मार्ग से चलायी जाने वाली ट्रेनें 1.गाड़ी सं. 12303 हावड़ा नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस वाया किउल शेखपुरा बिहारशरीफ बख्तियारपुर। 2. गाड़ी सं. 12435 जयनगर आनंद विहार टर्मिनल गरीब रथ एक्सप्रेस वाया समस्तीपुर मुजफ्फरपुर पाटलिपुत्र दानापुर। 3.गाड़ी सं. 13006 अमृतसर हावड़ा मेल वाया बख्तियारपुर बिहारशरीफ शेखपुरा किउल। 4. गाड़ी सं. 13037 हावड़ा देहरादून एक्सप्रेस वाया ग्रैंड कॉर्ड। 5.गाड़ी सं. 13038 देहरादून हावड़ा एक्सप्रेस वाया ग्रैंड कॉर्ड। 6. गाड़ी सं. 13047 हावड़ा प्रयागराज रामबाग विभूति एक्सप्रेस वाया किउल शेखपुरा बिहारशरीफ बख्तियारपुर। 7.गाड़ी सं. 13208 पटना जसीडीह एक्सप्रेस वाया बख्तियारपुर बिहारशरीफ शेखपुरा किउल। 8. गाड़ी सं. 13281 डिब्रूगढ़ राजेंद्र नगर टर्मिनल एक्सप्रेस वाया शाहपुर पटोरी पाटलिपुत्र पटना। 9.गाड़ी सं. 13334 पटना दुमका एक्सप्रेस वाया बख्तियारपुर बिहारशरीफ शेखपुरा किउल।

चेहल्लुम पर्व को लेकर डीएम व एसएसपी ने किया संयुक्त आदेश जारी

●140 स्थलों पर दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। चेहल्लुम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला दण्डाधिकारी कौशल कुमार एवं वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी द्वारा संयुक्त आदेश जारी किया गया है जिले में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए 140 संवेदनशील स्थलों पर दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल एवं लाठी बल की प्रतिनियुक्ति की गई है जारी संयुक्त आदेश में कहा गया है कि चेहल्लुम पर्व 04 एवं 05 अगस्त को मनाए जाने की सूचना है। इस अवसर पर मुहर्रम की तरह ताजिया एवं जुलूस निकाले जाने की परंपरा है। ऐसे में जुलूस मार्ग, ताजिया के आगे-पीछे होने तथा अन्य संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो जिला प्रशासन ने निर्देश दिया है कि ताजिया जुलूस का लाइसेंस एवं मार्ग निर्धारण इस प्रकार किया जाए कि किसी भी अखाड़े या जुलूस के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। सभी संबंधित पदाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि पर्व पूर्णतः शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो। जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने सभी अनुमण्डल पदाधिकारी, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थानाध्यक्ष एवं ओ.पी. अध्यक्ष को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है उन्होंने कहा कि दरभंगा जिला साम्प्रदायिक दृष्टि से संवेदनशील है। ऐसे में अफवाह फैलाने वाले, साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले तथा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सभी थानाध्यक्ष, पुलिस निरीक्षक, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि जिन क्षेत्रों में पूर्व में साम्प्रदायिक तनाव की घटनाएं हुई हैं अथवा तनाव की आशंका है, वहां दोनों समुदायों के प्रबुद्ध नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, मुखिया, सरपंच एवं गणमान्य व्यक्तियों के सहयोग से शांति समिति को सक्रिय रखें। पर्व के दौरान जिले के 140 चिन्हित स्थलों पर दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल एवं लाठी बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इनकी प्रतिनियुक्ति सामान्यतः 4 अगस्त के पूर्वाह्न से 5 अगस्त तक प्रभावी रहेगी। यदि किसी स्थान पर तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है, तो आवश्यकता अनुसार प्रतिनियुक्ति की अवधि स्वतः बढ़ाई जाएगी। संयुक्त आदेश के अनुसार चेहल्लुम पर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण को प्राथमिकता देते हुए सभी प्रकार के अवकाश अगले आदेश तक स्थगित कर दिए गए हैं। विशेष परिस्थिति में ही सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से अवकाश प्रदान किया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि चेहल्लुम पर्व को आपसी भाईचारे, सामाजिक सद्भाव एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शांति एवं कानून व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डूबने से मृत दो बच्चियों के परिजनों को विधायक ने सौंपा आठ लाख रुपये की अनुग्रह राशि

प्रात: किरण संवाददाता

सिंहवाड़ा (दरभंगा)। केवटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ मुरारी मोहन झा ने सिंहवाड़ा के अंचलाधिकारी के साथ भराठी पंचायत के गौड़ा गांव पहुंचकर पानी में डूबने से जान गंवाने वाली दो बच्चियों के पीड़ित परिजनों को आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह अनुदान राशि का चेक सौंपा। ज्ञात हो कि 26 मई 2026 को सिंहवाड़ा अंचल के भराठी पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-3 स्थित गौड़ा गांव में पानी में डूबने से दो बच्चियों की असमय मौत हो गई थी। घटना के बाद प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सहायता राशि स्वीकृत की गई। विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा एवं अंचलाधिकारी ने स्वर्गीय निशा कुमारी की माता कविता देवी तथा स्वर्गीय शिवानी कुमारी की माता ममता देवी को सरकारी प्रावधान के तहत कुल आठ लाख रुपये की अनुग्रह राशि का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर विधायक ने शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना देते हुए कहा कि बच्चों का असमय निधन अत्यंत दुखद एवं अपूरणीय क्षति है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में सरकार और स्थानीय प्रशासन उनके साथ है तथा भविष्य में भी हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

रामवरण मानस गोष्ठी के सौजन्य से अक्षय बेल का पौधा वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। रामवरण मानस गोष्ठी महिषी के सौजन्य से ग्रामीणों ने अक्षय बेल का पौधा वितरण किया। गोष्ठी के अध्यक्ष अरुण कुमार झा ने बताया कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे पर्यावरण संरक्षण के तहत अधिकाधिक पौधा लगाने का जो अभियान चलाया जा रहा है उसी के तहत यह पौधा वितरण किया गया है। गोष्ठी के माध्यम से अनेकानेक कार्यक्रम सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर किए जाते हैं। यह पौधा रोपण शत्रुघ्न झा, शशी झा, शिवकुमार कुंवर, रविंद्र कुंवर, कपिलेश्वर कुंवर, रामेश्वर झा, जयदेव झा, नागेंद्र झा, रामकुमार झा, मुखिया रामप्रवेश राय, रामकुमार झा, भूखल दास, मुनचुन राय, नंदलाल राय, गोविंद ठाकुर आदि के द्वारा किया गया।

गुप्त सूचना पर मद्यनिषेध टीम की बड़ी कार्रवाई, 72 लीटर कफ सिरप के साथ कार जब्त, एक गिरफ्तार

दरभंगा। मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया है।सहायक आयुक्त, मद्यनिषेध प्रदीप कुमार ने बताया कि प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर मद्यनिषेध टीम द्वारा सदर थाना क्षेत्र के रानीपुर चौक के समीप छापेमारी की गई। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के दौरान एक कार से 100 एमएल के 720 पीस कफ सिरप, जिसकी कुल मात्रा 72 लीटर है, बरामद किया गया। इस दौरान कफ सिरप से लदी कार को जब्त कर लिया गया तथा मौके से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम तथा अन्य सुसंगत धाराओं के तहत अग्रेतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। साथ ही इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। सहायक आयुक्त ने कहा कि जिले में अवैध मादक पदार्थों एवं प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध मद्यनिषेध विभाग का अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दरभंगा में औद्योगिक पार्क की दिशा में बढ़ा कदम, रोजगार व निवेश को मिलेगी नई गति : गोपाल जी ठाकुर

प्रात: किरण संवाददाता

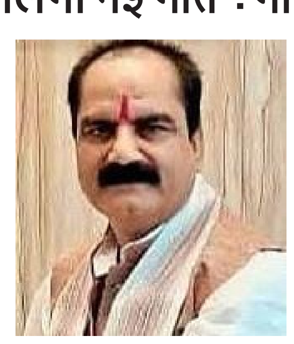

दरभंगा। स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा के सचेतक डॉ गोपाल जी ठाकुर ने कहा है कि केंद्र और राज्य की एनडीए सरकार दरभंगा को उत्तर बिहार के प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत दरभंगा में प्लग एंड प्ले औद्योगिक पार्क की स्थापना के लिए बिहार सरकार द्वारा प्रस्ताव भेजा जाना इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। सांसद डॉ. ठाकुर ने कहा कि प्रस्तावित औद्योगिक पार्क से दरभंगा सहित पूरे मिथिला क्षेत्र में कृषि, मखाना, मत्स्य पालन, डेयरी तथा पारंपरिक उत्पादों से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को लेकर उन्होंने कई बार केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर व्यक्तिगत रूप से आग्रह किया तथा लोकसभा में भी लगातार इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से प्रस्ताव मिलने पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया था। सांसद ने कहा कि उन्होंने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा वर्तमान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी दरभंगा के लिए शीघ्र प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया था। उन्होंने बिहार सरकार द्वारा प्रस्तावित औद्योगिक पार्क के लिए 350 एकड़ भूमि की स्वीकृति देकर केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजे जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल दरभंगा और पूरे मिथिला क्षेत्र के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी तथा ह्वविकसित बिहारझ्विकसित भारतह्व के साथ ह्वविकसित मिथिलाह्व के संकल्प को भी साकार करेगी।

विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव के लिये चारों जिलों में होगी नोडल पदाधिकारी की नियुक्ति

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा में होने वाले छात्र संघ चुनाव के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो मुनेश्वर यादव की अध्यक्षता में छात्र संघ चुनाव 2026-27 के आयोजन एवं सफल संचालन हेतु एक महत्त्वपूर्ण बैठक हुई। उक्त बैठक में विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार अंतर्गत क्रमशः मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर एवं बेगूसराय में छात्र संघ चुनाव हेतु जिलावार नोडल पदाधिकारी की नियुक्ति हेतु कुलपति प्रोफेसर संजय कुमार चौधरी से अनुरोध किया गया। साथ ही सभी अंगीभूत महाविद्यालयों के सम्बंधित प्रधानाचार्यों की बैठक का निर्णय लिया गया। शीघ्र ही चुनाव से सम्बंधित समितियों का गठन किया जाएगा। छात्र/छात्राओं के नामांकन और परीक्षा सत्रों के नियमितीकरण के मदे नजर मतदाता सूची तैयार कर ली जाएगी। उक्त बैठक में विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो विजय कुमार यादव तथा अध्यक्ष, छात्र कल्याण प्रो अशोक कुमार मेहता ने महत्त्वपूर्ण सुझाव दिया।

सावन की पहली सोमवारी पर बाबा कुशेश्वरनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब, जिला प्रशासन ने संभाली कमान

प्रात: किरण संवाददाता

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। सावन की पहली सोमवारी पर मिथिला के प्रसिद्ध तीर्थस्थल बाबा कुशेश्वरनाथ धाम में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। अहले सुबह प्रधान पूजा के बाद जैसे ही मंदिर के पट श्रद्धालुओं के लिए खोले गए, वैसे ही हर-हर महादेव और बोल बम के गगनभेदी जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। हजारों शिवभक्त कतारबद्ध होकर बाबा कुशेश्वरनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचे श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतार की व्यवस्था की थी . घुमावदार बैरिकेडिंग के माध्यम से श्रद्धालु अनुशासित ढंग से मंदिर में प्रवेश कर बाबा भोलेनाथ पर जल अर्पित करते रहे. सुबह होते-होते मंदिर परिसर, चरणकूप और शिवगंगा क्षेत्र पूरी तरह शिवमय वातावरण में डूब गया बढ़ती भीड़ को देखते हुए ग्रामीण पुलिस अधीक्षक साक्षी कुमारी एवं असिस्टेंट कलेक्टर कल्पना रावत अहले सुबह ही मंदिर पहुंचीं . दोनों अधिकारियों ने बैरिकेडिंग, दर्शन मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन का गहन निरीक्षण किया . उन्होंने मौके पर मौजूद दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों और सुरक्षा बलों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के उपरांत ग्रामीण एसपी और असिस्टेंट कलेक्टर ने स्वयं भी बाबा कुशेश्वरनाथ का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की तथा जिले की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की. मंदिर परिसर में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मी एवं स्वयंसेवकों की तैनाती रहने से पूरी व्यवस्था सुचारु और शांतिपूर्ण बनी रही दूर-दराज के गांवों और विभिन्न जिलों से पहुंचे श्रद्धालु गंगाजल, कलश और पूजा सामग्री लेकर बाबा के दर्शन को उत्साहित दिखाई दिए. मंदिर परिसर में भक्ति गीतों, शंख, घंट-घड़ियाल और नगाड़ों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा. प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने, निर्धारित मार्ग का पालन करने तथा प्रशासन के निर्देशों का सहयोग करने की अपील की. सावन की पहली सोमवारी पर बाबा कुशेश्वरनाथ धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मिथिला की आस्था का यह केंद्र लाखों शिवभक्तों की अटूट श्रद्धा का प्रतीक है. श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे.सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के बाद बिहार सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा हायाघाट विधायक रामचंद्र प्रसाद, कुशेश्वरस्थान के पूर्व विधायक अमन भूषण हजारी और दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ जला रेड्डी बाबा कुशेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे. सभी ने विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक कर राज्य एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की वहीं, क्षेत्र के प्रसिद्ध सलमगढ़ बाबा, जिमराहा बाबा, तेगच्छा महादेव, गोलमा महादेव और तिलकेश्वर महादेव मंदिरों में भी देर शाम तक श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही. दूर-दराज से पहुंचे शिवभक्तों ने गंगाजल अर्पित कर पूजा-अर्चना की.पूरे क्षेत्र में भक्ति गीतों, शंख और घंटों की गूंज से वातावरण शिवमय बना रहा.प्रशासन की सतर्कता से जलाभिषेक शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। वही देर शाम भव्य श्रिंगार पूजा किया गया।

जलाभिषेक पूजा पाठ को लेकर आस्था का उमड़ा जनसैलाब

●झूमते नाचते दिखे कांवरिया व श्रद्धालु बोलबम के जयकारें से भक्तिमय हुआ माहौल

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जिला के सीमांचल क्षेत्र स्थित जयनगर प्रखण्ड के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र स्थित विभिन्न शिवालयों और मंदिरों में पवित्र श्रावण मास की पहली सोमवार को दर्शन पूजा पाठ जलाभिषेक को लेकर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। शिवालयों व मन्दिरों में अहले सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ी रही। वही क्षेत्र में बोल बम हर हर हर महादेव ॐ नमः शिवाय से जय घोष जयकारें के मन्दिर और क्षेत्र गुंजयमान हो रहा था और माहौल भक्तिमय हो गया। रविवार एवं सोमवार को जयनगर स्थित पवित्र कमला नदी माँ कमला की पूजा अर्चना कर नदी से श्रद्धालु भक्त जन और कांवरियों के द्वारा जलबोझकर झूमते नाचते गाते विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक पूजा पाठ को लेकर प्रस्थान करते देखें गये। प्रसिद्ध शिलानाथ धाम समेत शिवालयों मंदिर व कमला नदी परिसर पर्ण कुटी मंदिर के आसपास मेला का भी आयोजन किया गया है। जिला क्षेत्र के कपिलेश्वर स्थान, उगना, डोकहर, कलना धाम, शिलानाथ धाम, बस्ती पंचयात स्थित जागेश्वर नाथ बाबा मंदिर बिहार का सबसे ऊंचा दुर्गा मंदिर , ग्रामीण क्षेत्र के पीठवा टोल स्थित भूतनाथ मंदिर, शहरी क्षेत्र के मेन रोड स्थित नागा बाबा महावीर मंदिर, कमला रोड राम जानकी मंदिर, मनोकामना काली मंदिर, भेलवा चौक महादेव स्थान समेत अन्य शिवालयों और मंदिरों में आस्था के साथ श्रद्धालुओं के द्वारा शिवालयों और मंदिरों में पूजा पाठ संध्या तक जारी रहा। कई श्रद्धालु व्रत रखकर भी शिवालयों व घर पर भी पूजा अर्चना जलाभिषेक किया। सावन पर्व को ले शिवालयो एवं मंदिरों को रंग बिरंगे फूलों ,टिमटिमाती लाईट बती रौशनी से भव्यता से सजाया गया जो कि अति रमणीय मनमोह दृश्य लग रहा था। देर शाम शिवालयों में बाबा का भव्य श्रृंगार किया कर पूरे विधिविधान के साथ विशेष पूजा पाठ किया गया और भजन कीर्तन का दौर चलता रहा। बाबा का श्रृंगार देखने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही।शिवालयों में विशेष पूजा पाठ महाआरती की गई। क्षेत्र में भक्ति मय का माहौल व्याप्त है।कमला नदी के पास एसडीआरएफ और पुलिस बल की तैनाती की गई है। वही शिवालयों मंदिर परिसर में भी मजिस्ट्रेट पुलिस बल की तैनाती की गई है। क्षेत्र में पुलिस बल गस्त लगते रहे।

भारी मात्रा में नकली जाली नोट के साथ मामले में दो व्यक्ति आरोपी गिरफ्तार

मधुबनी। मधुबनी जयनगर अनुमण्डल क्षेत्र के बासोपट्टी थाना क्षेत्र के दुहबी बाजार में एसएसबी और एसटीएफ व पुलिस एसओजी टीम के द्वारा संयुक्त छापेमारी कर कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता मिली है भारी मात्रा में भारतिय जाली नकली नोट के साथ मामले में दो व्यक्ति आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मामले में की गई कार्रवाई लेकर एसएसबी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर एवं बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नकली भारतीय मुद्रा एफआईसीएन बरामद किया गया। मामले में दो व्यक्ति आरोपी को गिरफ्तार किया गया। भारत नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा के साथ-साथ नकली भारतीय मुद्रा के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। विश्वसनीय आसूचना के आधार पर एसएसबी, बिहार पुलिस, बिहार एसटीएफ एवं बिहार पुलिस एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा की गई विशेष कार्रवाई में 50,150रु. मूल्य की संदिग्ध नकली भारतीय मुद्रा तथा 02 मोबाइल फोन बरामद किए गए। साथ ही दो भारतीय व्यक्तियों को गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ की गई है। विश्वसनीय आसूचना प्राप्त हुई थी कि भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के दुहबी बाजार में स्थित एक किराना दुकान के माध्यम से संदिग्ध नकली भारतीय मुद्रा को एकत्रित कर विभिन्न बाजारों में खपाने का प्रयास किया जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, बिहार पुलिस थाना बासोपट्टी, बिहार एसटीएफ तथा बिहार पुलिस एसओजी की संयुक्त टीम गठित की गई। संयुक्त टीम ने योजनाबद्ध ढंग से संबंधित स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी कर विशेष तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों ने मौके से निकलने का प्रयास किया, किन्तु सुरक्षा बलों की सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई के कारण दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में दोनों व्यक्तियों के कब्जे में रखे झोला की विधिवत तलाशी लेने पर उसमें से 50,150रु मूल्य की संदिग्ध नकली जाली भारतीय मुद्रा बरामद हुई। इसके अतिरिक्त उनके कब्जे से 02 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए।बरामद रुपयों में50रु. का 81 नोट कुल 4,050रु.,100 रु.का 110 नोट कुल 11,000 रु.,200रु.का 33 नोट कुल 6,600रु.और 500रु. का 57 नोट कुल28,500रु.कुल 281नोट कुल संदिग्ध नकली भारतीय रुपैया 50,150 बरामद कर जब्त किया गया।मामले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार राज्य के मधुबनी जिला के बासोपट्टी थाना क्षेत्र के दुहबी बाजार के वार्ड 11 निवासी जनक महासेठ का पुत्र भरत महासेठ और उसका रिश्तेदार बाबूबरही थाना क्षेत्र के भटचौरा वार्ड 06 निवासी तेज नारायण राउत का पुत्र शिव कुमार राउत बताया जाता है। प्रारंभिक जांच में खुलासा पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि संदिग्ध नकली भारतीय रु. को सीमा क्षेत्र में संग्रहित कर जयनगर, बासोपट्टी, मधुबनी एवं आसपास के बाजारों में चलाने की योजना थी। इस अवैध गतिविधि से जुड़े अन्य व्यक्तियों तथा संभावित नेटवर्क के संबंध में गहन जांच की जा रही है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग छात्रा से कोचिंग में दुष्कर्म, प्राथमिकी दर्ज

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर । थाना क्षेत्र से गुरु-शिष्य के रिश्ते को कलंकित करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक कोचिंग संस्थान के शिक्षक पर अपनी ही 17 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़िता की ने इस संबंध में महिला थाना, समस्तीपुर में न्याय की गुहार लगाते हुए लिखित आवेदन दिया है।जिसमें बताया है कि मेरी नाबालिग पुत्री करीब दो वर्ष पूर्व आरोपी शिक्षक के कोचिंग संस्थान में दसवीं की पढ़ाई करती थी।शिक्षक छुट्टी के बाद छात्रा को बहला-फुसलाकर शाम को रोक लेता था। 15 अप्रैल 2026 को शाम करीब 7:30 बजे, कोचिंग से अन्य छात्रों के जाने के बाद, आरोपी ने शादी का झांसा देकर छात्रा की इच्छा के विरुद्ध जबरन दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।इतना ही नहीं, आरोपी ने इस घिनौनी करतूत का आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिया और उसके बल पर पीड़िता को मुंह खोलने पर जान से मारने व बदनाम करने की धमकी देने लगा। लोक-लाज और डर के कारण पीड़िता सहमी हुई थी। अब जाकर परिजनों को आपबीती सुनाई। पीड़िता की माँ ने महिला थाना अध्यक्ष से आरोपी शिक्षक के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अंधविश्वास छोड़ पौधे और महापुरुषों की तस्वीरें सौंप रचाया निकाह

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के सिरसी कामास्थान में मो. शम्सुल आलम और चाँदनी प्रवीन का निकाह सामाजिक रूढ़ियों को तोड़कर वैज्ञानिक सोच और पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बना।नवदंपति ने परंपरा से हटकर शादी के कार्ड पर देश की पहली मुस्लिम महिला शिक्षिका फातिमा शेख, डॉ. बी.आर. अंबेडकर और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के चित्र के साथ पर्यावरण जागरूकता स्लोगन छपवाया। स्वागत समारोह में मुख्य अतिथि ह्यऑक्सीजन मैनह्व राजेश कुमार सुमन, रतन बिहारी पासवान, शिक्षक पप्पू कुमार राम, प्रेमचंद सिंह, वचन देव शर्मा, सुमन सौरभ, आदित्य प्रणव, नवाब आलम, मो. जीशान, विवेक विराट, विवेक मन्नू व अन्य प्रबुद्ध जनों ने वर-वधू को महंगे उपहारों के बजाय फलदार आम के पौधे और महापुरुषों की तस्वीरें भेंट कीं। ग्रामीणों ने इस पहल को शिक्षा, संविधान और प्रकृति के प्रति निष्ठा का संदेश बताया।

100 साल पुरानी परंपरा पर प्रशासन की सख्ती: बिना सांपों के प्रदर्शन के संपन्न हुई नागपंचमी व विषहरी पूजा

●वन विभाग की कार्रवाई के खौफ से सिंघियाघाट और नरहन का ऐतिहासिक सांपों का मेला अब इतिहास के पन्नों में सिमटा

●भक्तों ने सिर्फ दूध, लावा और झांप चढ़ाकर निभाई रस्में

विभूतिपुर/समस्तीपुर। वन्यजीव संरक्षण को लेकर प्रशासनिक कड़ाई और वन विभाग की लगातार हुई कार्रवाई का असर अब ग्रामीण इलाकों के पारंपरिक मेलों पर साफ देखने को मिला।सिंघियाघाट और नरहन में पिछले सौ वर्षों से चली आ रही नागपंचमी पर सांपों के प्रदर्शन की ऐतिहासिक परंपरा अब इतिहास के पन्नों तक सीमित होकर रह गई है। इस वर्ष नागपंचमी व विषहरी मेला पर प्रशासन का भारी डंडा चला, जिसके कारण पूरे क्षेत्र में कहीं भी सांपों का सार्वजनिक प्रदर्शन नहीं हो सका।विगत कुछ समय से वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत सपेरों और सांप प्रदर्शन करने वालों पर वन विभाग द्वारा की गई कानूनी कार्रवाई का इस बार गहरा खौफ देखा गया। प्रशासन की सख्ती और मुस्तैदी का नतीजा था कि पारंपरिक रूप से जहरीले और गैर-जहरीले सांपों को लेकर जुटने वाले सपेरे और स्थानीय लोग इस बार गायब रहे। दशकों से जिस सिंघियाघाट और नरहन के मेले की पहचान ही सांपों के हैरतअंगेज प्रदर्शन से होती थी, वहां इस बार एक भी सांप नजर नहीं आया। जगह-जगह प्रशासनिक टीम, एसडीओ, डीएसपी, बीडियो,सीओ,व दंडाधिकारी तथा वन विभाग के टीम मेले में निगरानी करते नजर आए। भले ही इस बार मेले का मुख्य आकर्षण सांपों का दर्शन गायब रहा, लेकिन भक्तों की धार्मिक आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं देखी गई। विषहरी मेला और नागपंचमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ पूजा-अर्चना की। माता विषहरी और नाग पूजा स्थल पर पहुंचकर भक्तों ने सुख-समृद्धि की कामना के साथ भारी मात्रा में दूध, लावा और पारंपरिक ह्यझांपह्व का चढ़ावा चढ़ाया।प्रखंड के लगभग सभी क्षेत्रों और पंचायतों में नागपंचमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया।मलिकाना, कल्याणपुर, महिषी,समर्था, बिशनपुर, चकविदुलिया, नरहन, बेलसंडी सहित अन्य सभी जगहों में विषहरी मां के मंदिरों और स्थानों को भव्य रूप से सजाया गया था। सांपों के न होने से भले ही मेला थोड़ा सूना लगा, लेकिन कानून व्यवस्था और शांतिपूर्ण माहौल के बीच पूरी धार्मिक प्रक्रिया संपन्न हुई। स्थानीय बुद्धिजीवियों का कहना है कि जहां एक तरफ सदियों पुरानी परंपरा का टूटना भावुक करता है, वहीं वन्यजीवों की सुरक्षा और सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से प्रशासन का यह कदम समय की मांग भी है। वही इस संबंध में प्रशासनिक टीम ने बताया कि विभागीय सख्ती के कारण इस बार मेला में सांपों का प्रदर्शन की सूचना कहीं से नहीं मिली है।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

पटना, मंगलवार, 04 अगस्त, 2026

अत्याधुनिक बीज प्रसंस्करण संयंत्र किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा : कुलाधिपति

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार और देश के कृषि विकास को एक नई ऊंचाई पर ले जाते हुए, डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय ,ढोली में आज एक नवनिर्मित, अत्याधुनिक बीज प्रसंस्करण संयंत्र का भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। इस अत्याधुनिक संयंत्र का आधिकारिक उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक, डॉ. प्रेम लाल गौतम माननीय कुलपति डॉ. पुण्यव्रत सुविमलेन्दु पांडेय के कर-कमलों द्वारा संयुक्त रूप से उदघाटन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठातागण, निदेशकगण, वरीय वैज्ञानिक एवं बीज निदेशालय के सभी वैज्ञानिक, कर्मी एवं श्रमिकगण उपस्थित रहे उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कुलाधिपति पद्मश्री डॉ. प्रेम लाल गौतम ने कहा, ह्ययह संयंत्र केवल एक औद्योगिक इकाई नहीं है, बल्कि देश के अन्नदाताओं की समृद्धि का प्रवेश द्वार है। उन्नत और प्रमाणित ह्याराजेन्द्र पूसा बीजह्न ब्रांड के माध्यम से अब किसानों को अधिक उत्पादकता एवं गुणवत्ता पूर्ण बीज ससमय मिल सकेंगे, जो हमारी खाद्य सुरक्षा और टिकाऊ खेती के संकल्प को साकार करेंगे। माननीय कुलपति डॉ. पी. एस. पांडेय ने अपने संबोधन में बताया, ह्ययह संयंत्र विश्वविद्यालय के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन को एक नई दिशा देगी। अत्याधुनिक तकनीकों की मदद से हम रबी, खरीफ और गरमा मौसम में बीज शोधन और ग्रेडिंग की क्षमता को कई गुना बढ़ा रहे हैं, जिससे आपूर्ति श्रृंखला की दूरियां मिटेंगी और गुणवत्ता में अधिकतम शुद्धता सुनिश्चित होगी। डा० डी०के० राय, निदेशक, बीज ने अपने संबोधन में बताया कि गुणवत्तायुक्त खद्यान्न, दलहनी, तेलहनी, श्रीअन्न फसलों के बीजों की आवश्यकता की आपूर्ति देश के सभी कोने मे किया जा रहा है। डा० राय ने यह बताया कि किसानों की सुविधा हेतु सब्जी, फूल, एवं मशाला के बीजों का कोट भी उपलब्ध कराया जा रहा है एवं कृषक सहभागिता कार्यक्रम के तहत गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन की क्षमता बढ़ाई जा रही है एवं किसानो को आर्थिक लाभ प्राप्त हो रहा है डा० राय ने बताया कि अत्याधुनिक बीज प्रसंस्करण संयंत्र की प्रसंस्करण क्षमता 40 क्विंटल/ प्रतिघंटा है। डा० मयंक राय, अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रा०प्र०के०कृ०वि०, पूसा ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय द्वारा बीज विज्ञान में उच्च स्तरीय अनुसंधान एवं तकनीकी प्रगति पर माननीयों का ध्यान आकृष्ट किया। डा० पी०पी० सिंह, अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने अपने संबोधन में इस संयंत्र के तकनीकी विशेषताओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बीज निदेशालय के डा० राजेश कुमार, डा० राजीव कुमार श्रीवास्तव, डा० विनय कुमार चौधरी, डा० हेम चन्द्र चौधरी, डा० श्रुति कुमारी, मो० महफुज आलम, मनीष कुमार, श्री नेवा लाल राम, विजय कुमार झा, मनोज कुमार, सीता राम कापर, पूजा कुमारी, दिपांशु कुमार, राहुल कुमार, यमन कुमार, श्री नित्या नंद निराला, आदि उपस्थित रहे। इस समारोह का संचालन डा० राजीव कुमार श्रीवास्तव, सह-प्राध्यापक एवं धन्यवाद ज्ञापन डा० राजेश कुमार, प्राध्यापक द्वारा किया गया।

सेवा-संवाद-समाधान कार्यक्रम में डीएम ने सुनी जनसमस्याएं, त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को आयोजित सबका सम्मान जीवन आसान कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध निष्पादन का निर्देश दिया। सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को सरकारी कार्यालयों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए सुलभ एवं प्रभावी मंच उपलब्ध कराना तथा प्रशासन और जनता के बीच संवाद को मजबूत बनाना है। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए लोगों ने भूमि विवाद, अतिक्रमण, नल-जल योजना, बासगीत पर्चा, ग्राम रक्षा दल प्रशिक्षण सहित कई मामलों से संबंधित आवेदन सौंपे। राजनगर प्रखंड के गोसाई टोल निवासी रंजीत यादव ने निजी भूमि पर अतिक्रमण एवं रास्ता अवरुद्ध किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। बेनीपट्टी प्रखंड के पाली निवासी नजमून निशा ने नल-जल योजना के भूमि दाता के छोटे पुत्र शेख मोहम्मद मोती आलम को अनुरक्षक के रूप में प्राथमिकता देने का अनुरोध किया। घोघरडीहा निवासी छेदी कामत ने बासगीत पर्चा की भूमि एवं उस पर बने आवास पर अवैध कब्जे की शिकायत की, जबकि भेजा थाना क्षेत्र के दीपक कुमार मंडल ने भूमि विवाद को लेकर जान से मारने की धमकी मिलने की जानकारी दी। ग्राम रक्षा दल के सदस्यों ने भी आगामी 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किए जाने के लिए आवेदन दिया। इस दौरान विभिन्न विभागों के पदाधिकारी अपने-अपने कार्यालय कक्षों में मौजूद रहे और प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा सभी संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत स्तर पर ह्यसहयोग शिविरह्न आयोजित किया जाता है। यह पूरी तरह ऑनलाइन व्यवस्था है, जिसके माध्यम से प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन किया जाता है।

लोजपा नेता अभिराम कुमार ठाकुर के आकस्मिक निधन से शोक की लहर, विभिन्न दलों के नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बन्दरा प्रखण्ड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सदस्य एवं लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के बंदरा प्रखंड अध्यक्ष अभिराम कुमार ठाकुर के असामयिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन की खबर से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र के लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया। शोक व्यक्त करते हुए नेताओं ने कहा कि अभिराम कुमार ठाकुर का निधन सार्वजनिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने हमेशा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए समाज की सेवा की। नेताओं ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। अभिराम कुमार ठाकुर के निधन पर जिला जदयू उपाध्यक्ष मनोज झा, प्रखंड जदयू अध्यक्ष मनोज कुशवाहा, भाजपा मंडल अध्यक्ष देवेंद्र पांडेय, अशोक सिंह, श्याम किशोर,किसान नेता एवं सीनियर सिटीजन काउंसिल अध्यक्ष रघुनंदन प्रसाद सिंह उर्फ अमर भाई,रंगीश ठाकुर,राजद नेता प्रभात किरण, जयप्रकाश यादव, सुनील राय, विनय यादव सहित विभिन्न राजनीतिक दलों एवं सामाजिक संगठनों के दर्जनों लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक संदेश में सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए कहा कि ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा उनके परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

श्री राधे कृष्णा ठाकुर मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्ति में सराबोर हुआ शर्फुद्दीनपुर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शर्फुद्दीनपुर स्थित श्री राधे कृष्णा ठाकुर मंदिर में सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही बड़ी संख्या में भक्त भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। मंदिर परिसर में भजनों की मधुर स्वर-लहरियों और जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु पूरे विश्वास और श्रद्धा के साथ अपनी मनोकामनाएँ लेकर भगवान के दरबार में पहुंचे तथा परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की प्रार्थना की। दर्शन के लिए मंदिर में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। मंदिर परिसर में अनुशासित व्यवस्था के बीच भक्तों ने शांतिपूर्वक दर्शन किए और आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, धार्मिक आयोजनों के दौरान मंदिर में हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, जिससे यह क्षेत्र आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। श्रद्धालुओं का कहना है कि श्री राधे कृष्णा ठाकुर मंदिर में दर्शन और पूजा करने से उन्हें आत्मिक संतोष और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति होती है। पूरे दिन मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का सुंदर संगम देखने को मिला।

पहली सोमवारी पर बाबा गरीबनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सावन की पहली सोमवारी पर मुजफ्फरपुर के प्रसिद्ध बाबा गरीबनाथ धाम में आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। रविवार देर रात मंदिर के पट खुलते ही जलाभिषेक का सिलसिला शुरू हो गया और सुबह होते-होते श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर परिसर से बाहर तक पहुंच गईं। पूरे दिन हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से मंदिर परिसर गूंजता रहा। मंदिर प्रशासन के अनुसार, पहली सोमवारी पर एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। कांवड़ियों और स्थानीय श्रद्धालुओं ने अरघा व्यवस्था के माध्यम से बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की। श्रावणी मेले को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए थे। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। वहीं, लगभग पांच हजार सेवा दल के स्वयंसेवक श्रद्धालुओं को कतारबद्ध दर्शन, जलाभिषेक और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में जुटे रहे। मंदिर परिसर और प्रमुख मार्गों पर वरीय प्रशासनिक अधिकारी लगातार निगरानी करते रहे। सीसीटीवी कैमरों, बैरिकेडिंग, कंट्रोल रूम और लाउडस्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं की आवाजाही पर नजर रखी गई, जिससे पूरे दिन व्यवस्था सुचारु बनी रही। श्रद्धालुओं ने बाबा गरीबनाथ के दर्शन कर जलाभिषेक किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली तथा मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। पहली सोमवारी पर उमड़ी भारी भीड़ के बावजूद प्रशासन और सेवा दल के समन्वित प्रयासों से दर्शन और जलाभिषेक की व्यवस्था शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई, जिससे श्रद्धालुओं ने संतोष व्यक्त किया।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने जारी किया स्नातक छठे सेमेस्टर सीआईए परीक्षा का कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने चार वर्षीय स्नातक सत्र 2023-27 के छठे सेमेस्टर की सीआईए परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सोमवार को इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी करते हुए सभी अंगीभूत एवं संबद्ध कॉलेजों को अपने स्तर पर परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राम कुमार ने बताया कि छठे सेमेस्टर की सीआईए परीक्षा 6 अगस्त से शुरू होकर 10 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। सभी कॉलेजों के प्राचार्यों को निर्धारित तिथियों के भीतर परीक्षा शांतिपूर्ण, पारदर्शी और कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने का निर्देश दिया गया है। विश्वविद्यालय ने परीक्षा के बाद अंक अपलोड करने की समय-सीमा भी तय कर दी है। परीक्षा नियंत्रक के अनुसार सभी कॉलेजों को छात्रों के प्राप्तांक विश्वविद्यालय के यूएमआईएस पोर्टल पर 13 अगस्त 2026 तक अनिवार्य रूप से अपलोड करने होंगे। समय-सीमा का पालन नहीं करने वाले कॉलेजों की जवाबदेही तय की जा सकती है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी कॉलेजों से परीक्षा और अंक अपलोड की प्रक्रिया निर्धारित समय के भीतर पूरी करने को कहा है, ताकि छात्रों के परिणाम समय पर जारी किए जा सकें।

साइबर ठगों का कहर, तीन लोगों के खातों से करीब 11 लाख रुपये उड़ाए

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में साइबर अपराधियों ने एक के बाद एक तीन अलग-अलग वारदातों को अंजाम देकर करीब 11 लाख रुपये की ठगी कर ली। इन घटनाओं ने आम लोगों के साथ-साथ पुलिस की भी चिंता बढ़ा दी है। तीनों मामलों में ठगों ने अलग-अलग तरीके अपनाए, जिससे साइबर अपराध के नए तौर-तरीकों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। पहली घटना न्यू जीरोमाइल क्षेत्र के रहने वाले रामबाबू यादव के साथ हुई। उनका मोबाइल खराब होने पर वे उसे सर्विस सेंटर में रिपेयरिंग के लिए देने पहुंचे। आरोप है कि फोन जमा कराने के कुछ ही देर बाद उनके बैंक खाते से बिना किसी ओटीपी साझा किए करीब 2 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए गए। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर यह ठगी किस तकनीक से की गई।दूसरी घटना कुढ़नी के बड़ाकपुर निवासी मो. अनवरी अली के साथ हुई। वे एटीएम से रुपये निकालने गए थे, जहां पहले से मौजूद एक शातिर ने बातों में उलझाकर उनका एटीएम कार्ड बदल दिया। इसके बाद उनके खाते से करीब 8 लाख रुपये की अवैध निकासी कर ली गई। तीसरी वारदात कटरा निवासी शशिभूषण सिंह के साथ हुई। बाजार से लौटने के दौरान उनका मोबाइल फोन चोरी हो गया। इसके कुछ ही समय बाद साइबर अपराधियों ने उनके बैंक खाते से 94 हजार रुपये निकाल लिए। तीनों मामलों में संबंधित थानों और साइबर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस बैंक ट्रांजेक्शन की जानकारी जुटाने के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि ठगी करने वाले गिरोह तक पहुंचा जा सके। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मोबाइल, एटीएम कार्ड और बैंकिंग संबंधी जानकारी को लेकर सतर्क रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस और साइबर हेल्पलाइन को दें।

जिले को मिला तीसरा केंद्रीय विद्यालय सत्र 2026-27 के लिए नामांकन शुरू

मुजफ्फरपुर। जिले के विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। मुजफ्फरपुर में जल्द ही तीसरे केंद्रीय विद्यालय की शुरूआत होने जा रही है। विद्यालय प्रशासन ने इसके संचालन की तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य ने जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) को पत्र लिखकर बीबी कॉलेजिएट स्कूल का भवन शीघ्र हैंडओवर करने का आग्रह किया है, ताकि विद्यालय का संचालन समय पर शुरू किया जा सके। केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। अभिभावक 10 अगस्त 2026 तक ऑफलाइन आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। आवेदन बीबी कॉलेजिएट परिसर स्थित केंद्रीय विद्यालय के अस्थायी कार्यालय में स्वीकार किए जा रहे हैं। विद्यालय के लिए स्थायी भूमि चयन की प्रक्रिया पूरी होने तक कक्षाओं का संचालन बीबी कॉलेजिएट स्कूल भवन से किया जाएगा। इस सत्र में बाल वाटिका-1, बाल वाटिका-2, बाल वाटिका-3 के साथ-साथ कक्षा 1 से 5 तक नामांकन लिया जाएगा। केंद्रीय विद्यालय संगठन ने फिलहाल सभी कक्षाओं में एक-एक सेक्शन संचालित करने की मंजूरी दी है, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई व्यवस्थित रूप से शुरू हो सके। तीसरे केंद्रीय विद्यालय के खुलने से जिले के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक और बेहतर विकल्प मिलेगा।

बिहार में बंद होगी जीविका दीदी की रसोई, मुजफ्फरपुर पुलिस लाइन और बीएसएपी-6 में भी सेवा समाप्त

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार सरकार के गृह विभाग के अधीन संचालित ह्यजीविका दीदी की रसोईह्न योजना को अब पूरी तरह बंद किया जा रहा है। इस संबंध में जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हिमांशु शर्मा ने आधिकारिक आदेश जारी कर गृह विभाग के अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) को इसकी जानकारी दे दी है। विभागीय निर्देश के बाद मुजफ्फरपुर पुलिस लाइन और बीएसएपी-6 में संचालित दीदी की रसोई का संचालन भी बंद कर दिया गया है। आधिकारिक आदेश के अनुसार पुलिस लाइन, पुलिस प्रशिक्षण अकादमी और गृह विभाग की अन्य इकाइयों में बुनियादी सुविधाओं के अभाव तथा अनियमित भुगतान के कारण यह परियोजना लगातार घाटे में चल रही थी। इसके अलावा नियमित कार्यादेश नहीं मिलने से भी संचालन प्रभावित हो रहा था। इन परिस्थितियों में अन्नपूर्णा जीविका फूड प्रॉडक्ट्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के माध्यम से संचालित इस व्यवस्था को आगे जारी रखना संभव नहीं रह गया। जीविका के सीईओ ने गृह विभाग के अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) से विभाग की विभिन्न इकाइयों पर बकाया राशि का शीघ्र भुगतान कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि लंबित भुगतान प्राप्त होने के बाद निर्धारित शर्तों और नियमों के अनुसार दीदी की रसोई की सभी इकाइयों को औपचारिक रूप से बंद करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस निर्णय के बाद गृह विभाग के अधीन पुलिस लाइन, पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों और अन्य इकाइयों में संचालित जीविका दीदी की रसोई सेवा पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। इससे इस योजना से जुड़े जीविका समूहों और महिलाओं के रोजगार पर भी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

वंदे भारत सेवा मंच की ओर से कांवड़िया सेवा शिविर आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। श्रावणी मेले के अवसर पर बाबा गरीबनाथ धाम पहुंचे कांवड़ियों की सेवा के लिए वंदे मातरम सेवा मंच की ओर से निःशुल्क कांवड़िया सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन महिला कांवड़ियों के हाथों कराया गया, जिसके बाद श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न निःशुल्क सेवाएं शुरू की गईं। शिविर में कांवड़ियों को निःशुल्क चाय, शरबत, बिस्किट, भोजन, ठहरने की व्यवस्था, दवाइयों सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस सेवा शिविर का लाभ उठा रहे हैं। वंदे मातरम सेवा मंच के अध्यक्ष राजीव सत्यम ने बताया कि उनकी संस्था पिछले नौ वर्षों से लगातार श्रावणी मेले के दौरान कांवड़ियों की सेवा में समर्पित भाव से सेवा शिविर का संचालन करती आ रही है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सेवा ही संस्था का प्रमुख उद्देश्य है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। इस अवसर पर सेवा कार्य में सक्रिय योगदान देने वाले मंच के सदस्यों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में धीरज कुमार, ज्योति सिंह, विशाल कुमार सहित संस्था के कई सदस्य उपस्थित रहे और कांवड़ियों की सेवा में पूरे उत्साह के साथ जुटे रहे।

श्रावणी मेले में डिजिटल पहल : नंदी से पूछें फीचर से एक क्लिक में मिलेगी हर जानकारी

मुजफ्फरपुर। श्रावणी मेले में आने वाले लाखों शिवभक्तों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम ने तकनीक का अनूठा प्रयोग किया है। श्रावणी मेला एप में एक विशेष वॉयस असिस्टेंट फीचर नंदी से पूछें जोड़ा गया है, जिसके माध्यम से श्रद्धालु अपनी यात्रा से जुड़ी जानकारी महज कुछ ही क्षणों में प्राप्त कर सकेंगे। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव तक भक्तों की प्रार्थना नंदी के माध्यम से पहुंचती है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए एप के होम स्क्रीन पर वॉयस माइक फीचर को नंदी से पूछें नाम दिया गया है। पहलेजा घाट से लेकर बाबा गरीबनाथ धाम तक आने वाले श्रद्धालु माइक पर अपनी समस्या या सवाल बोलते ही एक सेकंड के भीतर स्क्रीन पर उसका उत्तर और आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस डिजिटल सुविधा के जरिए श्रद्धालुओं को बाबा गरीबनाथ धाम तक पहुंचने के सुरक्षित और सुगम मार्ग, नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र, एंबुलेंस और कंट्रोल रूम की जानकारी, शौचालय, शुद्ध पेयजल और एटीएम की लोकेशन, कांवड़िया शिविर, विश्राम स्थल और पार्किंग की जानकारी तथा खोया-पाया सेवा जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यदि कोई श्रद्धालु भीड़ में अपने परिजन से बिछड़ जाता है, तो उसकी तस्वीर के साथ ऑनलाइन सूचना भी दर्ज कराई जा सकती है। जिला प्रशासन का मानना है कि यह डिजिटल पहल श्रावणी मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा को अधिक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। आस्था और आधुनिक तकनीक के इस समन्वय से शिवभक्तों को बेहतर सुविधा मिलने के साथ-साथ मेले के संचालन में भी काफी सहूलियत होगी। श्रावणी मेले की चारों सोमवारी सहित पूरे मेले के दौरान यह सुविधा श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध रहेगी। प्रशासन ने शिवभक्तों से अपील की है कि वे श्रावणी मेला एप का उपयोग कर उपलब्ध डिजिटल सेवाओं का लाभ उठाएं और अपनी यात्रा को सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाएं।

पहली सोमवारी पर बागमती घाट पर दिखा घड़ियाल, श्रद्धालुओं में मची अफरा-तफरी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सावन की पहली सोमवारी पर आस्था और उत्साह के बीच मुजफ्फरपुर जिले के गायघाट प्रखंड स्थित बेनीबाद बागमती नदी घाट पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब जल भरने पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच अचानक एक विशालकाय घड़ियाल दिखाई दे गया। घड़ियाल के नदी किनारे नजर आते ही शिवभक्तों में दहशत फैल गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए आनन-फानन में नदी से बाहर निकल आए। अहले सुबह से ही हजारों श्रद्धालु बागमती नदी से जल लेकर भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान तेज धारा में एक विशालकाय घड़ियाल घाट के समीप तैरता हुआ दिखाई दिया। देखते ही देखते घाट पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और श्रद्धालु सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घड़ियाल कुछ देर तक नदी में दिखाई देता रहा और फिर पानी की धारा में ओझल हो गया। खतरा टलने के बाद श्रद्धालु दोबारा घाट पर पहुंचे, जल भरा और ह्लबोल बमह्व के जयघोष के साथ बाबा भोलेनाथ के दर्शन के लिए अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए। हालांकि इस घटना ने श्रद्धालुओं के बीच भय और चिंता का माहौल पैदा कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बेनीबाद थाना अध्यक्ष राजकुमार गौतम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल नदी किनारे सुरक्षा व्यवस्था संभाली, श्रद्धालुओं को सुरक्षित दूरी पर रहने की सलाह दी तथा लाउडस्पीकर के माध्यम से नदी में सावधानी बरतने की अपील की। पुलिस की तत्परता से स्थिति जल्द ही सामान्य हो गई और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बागमती नदी में घड़ियाल दिखाई देने की यह पहली घटना नहीं है। ऐसे में श्रावणी मेले के दौरान बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग और प्रशासन को संयुक्त रूप से निगरानी बढ़ाने तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय करने की जरूरत है। आस्था के इस महापर्व के बीच घटी इस घटना ने प्रशासन को भी सतर्क कर दिया है। अब श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नदी घाटों पर अतिरिक्त निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की तैयारी की जा रही है।

बक्सर डुमरांव पदयात्रा में कठपुतली कलाकार सुनील कुमार सम्मानित

मुजफ्फरपुर। सरला श्रीवास सोशल कल्चरल रिसर्च फाउंडेशन के तत्वावधान में सोमवार को मालीघाट स्थित फाउंडेशन कार्यालय में संरक्षक एवं वरिष्ठ कठपुतली कलाकार कांता देवी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में बक्सर से डुमरांव तक आयोजित दो दिवसीय पर्यावरण सुरक्षा, अंगदान, देहदान एवं नेत्रदान जनजागरूकता पदयात्रा की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। यह पदयात्रा 1झ2 अगस्त को दधीचि देहदान समिति, बक्सर, आसा पर्यावरण सुरक्षा बिहार, शिका फाउंडेशन ट्रस्ट, बक्सर, भारत ज्ञान विज्ञान समिति, बक्सर तथा पीपल-नीम-तुलसी अभियान, पटना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। सुनील कुमार ने बताया कि पदयात्रा का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, अंगदान, देहदान एवं नेत्रदान के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था।पदयात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने आंखों पर काली पट्टी बांधकर प्रतीकात्मक यात्रा कर नेत्रदान के महत्व का संदेश दिया तथा सैकड़ों लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, अंगदान एवं देहदान का संकल्प लिया। पदयात्रा का प्रथम चरण बक्सर से प्रारंभ होकर उच्च माध्यमिक विद्यालय, चिलहरी (डुमरांव) एवं दूसरे दिन चिलहरी से प्रारंभ हुई पदयात्रा गोपालडेरा, नवाडेरा एवं पुराना भोजपुर होते हुए डुमरांव पहुंची। पुराना भोजपुर मध्य विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया तथा महारानी उषारानी प्लस टू उच्च विद्यालय, डुमरांव में विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान 1942 के अमर स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।कार्यक्रम में पदयात्रा से जुड़े सभी प्रतिभागियों को दधीचि देहदान समिति की अध्यक्ष मीना सिंह, पीपल-नीम-तुलसी अभियान के संस्थापक डॉ. धर्मेंद्र कुमार तथा भारत ज्ञान विज्ञान समिति की सचिव अनीता यादव द्वारा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कठपुतली कलाकार सुनील कुमार, मुजफ्फरपुर को पर्यावरण संरक्षण, अंगदान एवं देहदान के प्रति कला और लोकगीतों के माध्यम से जनजागरूकता फैलाने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विवेक कुमार अध्यक्ष, शिका फाउंडेशन ट्रस्ट, विपिन कुमार शिक्षक , संयोजक आसा पर्यावरण सुरक्षा बिहार, श्रीमती अनीता यादव, सचिव भारत ज्ञान विज्ञान समिति बक्सर, डॉ.धर्मेन्द्र कुमार पीपल नीम तुलसी, श्रीमती मीना सिंह अध्यक्ष दधीचि देह दान समिति सह पूर्व चेयरमैन नगर परिषद, बक्सर द्वारा अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में लीचीया लाले लाल (लीची गीत संग्रह) का लोकार्पण किया गया।

सकरा में बज्रपात से पिता की मौत, पुत्र घायल

मुजफ्फरपुर। जिले के सकरा थाना क्षेत्र में सोमवार को आकाशीय बिजली गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। मुरौल ओपी क्षेत्र के कोरिगम्मा गांव में ठनका की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका 11 वर्षीय पुत्र गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान कोरिगम्मा गांव के वार्ड संख्या चार निवासी रामजी ठाकुर के 40 वर्षीय पुत्र गुड्डू कुमार शर्मा के रूप में हुई है। हादसे में उनका 11 वर्षीय पुत्र सूरज कुमार भी आकाशीय बिजली की चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक मौसम खराब होने के बाद तेज गर्जना के साथ ठनका गिरा। इसकी चपेट में आने से गुड्डू कुमार शर्मा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों ने घायल बच्चे को तत्काल इलाज के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही मुरौल ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है।

श्रद्धालुओं से भरे टेम्पू की पिकअप से टक्कर मे एक श्रद्धालु की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के सरैया थाना क्षेत्र अंतर्गत छितरी के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में जल चढ़ाकर लौट रहे एक श्रद्धालु की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं से भरा एक टेम्पू जल चढ़ाकर अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही एक अनियंत्रित पिकअप से टेम्पू की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेम्पू में सवार कई लोग घायल हो गए, जबकि बेलवर चौधरी टोला निवासी 59 वर्षीय हीरा राम गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायल हीरा राम को इलाज के लिए एसकेएमसीएच ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलते ही सरैया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, दुर्घटनाग्रस्त टेम्पू और पिकअप को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जयनगर और लखनऊ तथा राजगीर और वाराणसी के मध्य परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

हाजीपुर। रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा लेवल-1 के विभिन्न पदों हेतु कंप्यूटर आधारित परीक्षा (ब्ठज) फेज-। का दिनांक 03.08.26 से 06.08.26 तक विभिन्न चरणों में आयोजित की जा रही है। इसी के मद्देनजर अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु पूर्व मध्य रेल द्वारा जयनगर और लखनऊ तथा राजगीर और वाराणसी के मध्य 01-01 जोड़ी परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है - 1.गाड़ी सं. 03203/03204 जयनगर-लखनऊ-जयनगर परीक्षा स्पेशल - गाड़ी सं. 03203 जयनगर-लखनऊ परीक्षा स्पेशल 04.08.26 को जयनगर से 15.00 बजे प्रस्थान कर 16.30 बजे दरभंगा, 17.30 बजे समस्तीपुर, 19.00 बजे मुजफ्फरपुर, 20.40 बजे बापूधाम मोतिहारी, 21.45 बजे बेतिया, 22.30 बजे नरकटियागंज रुकते हुए गोरखपुर, बस्ती, गोंडा के रास्ते अगले दिन 10.15 बजे लखनऊ पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 03204 लखनऊ-जयनगर परीक्षा स्पेशल 05.08.26 को लखनऊ से 12.30 बजे खुलकर 23.15 बजे नरकटियागंज तथा अगले दिन 00.05 बजे बेतिया, 01.10 बजे बापूधाम मोतिहारी, 03.05 बजे मुजफ्फरपुर, 04.05 बजे समस्तीपुर, 05.30 बजे दरभंगा रुकते हुए 08.30 बजे जयनगर पहुंचेगी । इस स्पेशल में 12 कोच शयनयान श्रेणी के तथा 02 कोच एसएलआरडी के होंगे ।

सम्पादकीय

नीलेकणी के ऊपर परीक्षा प्रणाली में सुधार का जिम्मा

अजीत द्विवेदी

इंफोसिस के सह संस्थापक और भारत में आधार क्रांति के सूत्रधार नंदन नीलेकणी के ऊपर केंद्र सरकार ने परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने का जिम्मा सौंपा है। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के पूर्व प्रमुख एस सोमनाथ को भी इस उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी का सदस्य बनाया गया है। पता नहीं लोगों को याद हो कि न हो, दो साल पहले इसरो के पूर्व प्रमुख के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने के लिए एक कमेटी बनाई गई थी। जैसे 2026 में नीट यूजी पेपर लीक के बाद यह कमेटी बनी है वैसे ही 2024 में नीट यूजी पेपर लीक के बाद वह कमेटी बनी थी। राधाकृष्ण कमेटी ने एक सौ ज्यादा सिफारिशें की थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक उनकी 27 सिफारिशें ऐसी हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया गया। कुछ सिफारिशें आंशिक तौर पर मानी गईं और 57 सिफारिशों को पूरी तरह से स्वीकार किया गया। लेकिन उसका क्या नतीजा निकला? दो साल के बाद फिर पेपर लीक हो गया !राधाकृष्ण कमेटी ने सिफारिश की थी नीट यूजी सहित करीब 20 प्रतियोगिता परीक्षाएं कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए में विषय के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद भी पेपर लीक होना जारी है और दूसरी गड़बडियां भी हो ही रही हैं तो इसका अर्थ है कि एकमात्र समस्या यह नहीं है कि एनटीए में विषय के विशेषज्ञ नहीं हैं। समस्या संरचनात्मक और व्यवस्थागत है। अगर नंदन नीलेकणी संरचनात्मक समस्याओं को समझ कर उसे ठीक करने का सुझाव देते हैं तब तो ठीक है अन्यथा इसका भी कोई मतलब नहीं होगा। उनके सामने सबसे पहली और बड़ी चुनौती यह है कि क्या वे अखिल भारतीय परीक्षा के सिद्धांत को खत्म करने की सिफारिश करेंगे? क्या वे कहेंगे कि एक बार में 24 लाख छात्रों वाली नीट यूजी की परीक्षा नहीं होनी चाहिए? क्या वे यह सिफारिश कर सकते हैं कि मेडिकल में दाखिले की पुरानी व्यवस्था बहाल हो और नीट यूजी की बजाय राज्यों को अपने कॉलेजों में दाखिले का अधिकार पहले जैसा दिया जाए? यानी शिक्षा और परीक्षा के मामले में राज्यों की स्वायत्तता सुनिश्चित की जाए। अगर नंदन नीलेकणी की कमेटी नीट समाप्त करने और मेडिकल में दाखिले की परीक्षा का विकेंद्रीकरण करने की सिफारिश नहीं करती है तो उनकी सिफारिशों का स्कोप बहुत सीमित हो जाएगा और तब किसी बड़े सुधार की संभावना कम हो जाएगी। अब सवाल है कि अगर नीट समाप्त करने या नीट जैसी दूसरी अखिल भारतीय परीक्षाएं खत्म करने की सिफारिश नीलेकणी कमेटी नहीं करती है तो उसके पास क्या विकल्प बचेगा? सबसे अच्छा तो यही होगा कि नीट को समाप्त किया जाए। लेकिन अगर सरकार की ओर से कमेटी की सिफारिशों का जो स्कोप तय किया जाएगा यानी जो फ्रेमवर्क दिया जाएगा उसमें पहले ही यह स्पष्ट कर दिया जाए कि नीट की परीक्षा जारी रहेगी तो फिर नीलेकणी कमेटी को नीट को इंजीनियरिंग में दाखिले की परीक्षा जेईई की तरह दो चरणों में कराने की सिफारिश करनी चाहिए। ध्यान रहे अगले साल नीट की परीक्षा जेईई की तरह कंप्यूटर आधारित होगी और कई पालियों में होगी। हालांकि उसमें प्रश्नपत्रों की कठिनता के आधार पर अंकों के सामान्यीकरण की अलग समस्या आती है। फिर भी कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा पेपर लीक की संभावना को कम करती है। इसके साथ साथ अगर नीट की परीक्षा भी जेईई के तरह दो चरण में हो तो पेपर लीक की संभावना और कम हो सकती है। दो चरण का अर्थ है कि पहले चरण में प्रारंभिक परीक्षा हो और दूसरे चरण में एडवांस परीक्षा हो। पहले चरण में मल्टीपल च्वाइस वाले प्रश्न हों और दूसरे चरण में सब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएं। इसके अलावा नीलेकणी कमेटी को मेडिकल की पढ़ाई की फीस को नियमित करने के बारे में भी सुझाव देने चाहिए। अभी मेडिकल की परीक्षा में सबसे ज्यादा प्रश्न पत्र इसलिए लीक होते हैं कि एक बार में परीक्षा होती है और 720 अंकों की परीक्षा में अगर अच्छे अंक आ गए तो देश के प्रीमियम संस्थान में बहुत कम फीस में पढने का मौका मिलता है। अन्यथा निजी कॉलेजों में फीस इतनी ज्यादा है कि लोग स्वाभाविक रूप से पेपर लीक पर पैसा खर्च करने के लिए प्रेरित होते हैं। खुद सरकार इसी वजह से इसे हाई स्टेक यानी बड़े दांव वाली परीक्षा मानती है।

अब समय आ गया है मोबाइल उपयोग बंद दिवस मनाने का

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। मानव सभ्यता ने जितनी तीव्र गति से विकास किया है, उसमें मोबाइल फोन और इंटरनेट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। आज मोबाइल केवल बातचीत का माध्यम नहीं रहा, बल्कि शिक्षा, चिकित्सा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन, मनोरंजन, समाचार, सामाजिक संपर्क और आपातकालीन सेवाओं का भी सबसे बड़ा साधन बन चुका है। वास्तव में यह विज्ञान का एक अद्भुत वरदान है। किन्तु इतिहास साक्षी है कि विज्ञान का प्रत्येक आविष्कार तभी तक वरदान रहता है, जब तक उसका उपयोग विवेक, संतुलन और मयार्दा के साथ किया जाता है। जैसे ही उसका दुरुपयोग या अति-उपयोग आरंभ होता है, वही वरदान धीरे-धीरे अभिशाप का रूप धारण कर लेता है। मोबाइल फोन के साथ भी आज यही स्थिति दिखाई देने लगी है। एक समय था जब मोबाइल केवल आवश्यकता था, लेकिन आज यह जीवनशैली बन चुका है। सुबह आंख खुलते ही मोबाइल और रात को सोने से पहले अंतिम बार भी मोबाइल। भोजन करते समय, यात्रा करते समय, परिवार के बीच बैठते समय, यहां तक कि पूजा-पाठ और सामाजिक आयोजनों में भी लोगों का ध्यान मोबाइल स्क्रीन पर ही रहता है।धीरे-धीरे यह सुविधा निर्भरता और फिर लत (Addiction) में बदलती जा रही है। आज छोटे-छोटे बच्चे घंटों मोबाइल पर गेम खेल रहे हैं। युवा सोशल मीडिया में डूबे रहते हैं और अनेक वयस्क बिना किसी आवश्यक कारण के बार-बार मोबाइल चेक करते रहते हैं। मनोवैज्ञानिक इसे ह्लनोमोफोबियाह्न (Nomophobia) अर्थात मोबाइल से दूर होने का भय भी मानने लगे हैं। मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से अनेक शारीरिक और मानसिक समस्याएं सामने आ रही हैं - आंखों की रोशनी पर प्रतिकूल प्रभाव। गर्दन और रीढ़ की हड्डी में दर्द।अनिद्रा एवं नींद की गुणवत्ता में गिरावट। तनाव, चिंता और अवसाद की वृद्धि। स्मरण शक्ति एवं एकाग्रता में कमी। बच्चों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव। विश्व स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी स्क्रीन टाइम को सीमित रखने की सलाह देते हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मोबाइल ने दूर बैठे लोगों को तो जोड़ दिया, लेकिन एक ही घर में रहने वाले लोगों के बीच दूरी बढ़ा दी। पहले परिवार भोजन के समय एक-दूसरे से बातें करता था, अब अधिकांश लोग मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। संवाद कम हो रहा है, संवेदनाएं कमजोर हो रही हैं और रिश्तों की गर्माहट धीरे-धीरे कम होती जा रही है। वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग आज दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बन चुका है। एक क्षण का ध्यान भटकना जीवनभर का पछतावा बन सकता है। इसी प्रकार पैदल चलते हुए मोबाइल देखने की आदत भी दुर्घटनाओं को बढ़ा रही है। जिस प्रकार ऊर्जा संरक्षण के लिए बिजली बचाओ अभियान चलाए जाते हैं, पर्यावरण संरक्षण के लिए वाहन मुक्त दिवस मनाया जाता है, उसी प्रकार अब मोबाइल उपयोग बंद दिवस अथवा डिजिटल डिटॉक्स डेह्न की आवश्यकता महसूस होने लगी है। इसका उद्देश्य मोबाइल का विरोध करना नहीं होगा, बल्कि उसके विवेकपूर्ण एवं सीमित उपयोग की संस्कृति विकसित करना होगा। मोबाइल उपयोग बंद दिवस क्यों? मनाना उचित होगा इसके उत्तर में मैं कह सकता हूं - यदि वर्ष में एक दिन, सप्ताह में कुछ घंटे अथवा प्रतिदिन कुछ समय मोबाइल से पूर्ण दूरी बनाई जाए तो - परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय मिलेगा। मानसिक शांति बढ़ेगी। आंखों और मस्तिष्क को आराम मिलेगा। पुस्तक पढ़ने और सृजनात्मक कार्यों के लिए समय मिलेगा।बच्चों का सर्वांगीण विकास बेहतर होगा। सामाजिक रिश्ते मजबूत होंगे।प्रकृति के साथ पुनः जुड़ने का अवसर मिलेगा। परिवार एक दिन बिना मोबाइल के साथ समय बिताए। विद्यालयों में नो मोबाइल आवर आयोजित किया जाए। कार्यालयों में अनावश्यक मोबाइल उपयोग सीमित किया जाए।

नकली धर्मगुरुओं के खिलाफ कार्रवाई करना क्यों आवश्यक है?

इससे न केवल ये प्रथाएं अवैध हो जाती हैं, बल्कि धार्मिक रूप से आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन करने वालों की प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है। इसीलिए, किसी भी अधिकारी द्वारा धर्म को आपराधिक कृत्यों की आड़ में इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ उठाया गया कोई भी कदम न्याय और कानून के शासन का हिस्सा माना जाना चाहिए, न कि किसी के धर्म पर अत्याचार। संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी नागरिक कानून से ऊपर नहीं होता। गलत कामों की कोई खुली छूट नहीं होनी चाहिए और किसी को भी उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर कानून से छूट नहीं मिलनी चाहिए। भारत का संविधान अपने सभी नागरिकों को धार्मिक आस्था, धार्मिक रीति-रिवाजों और उनके प्रचार-प्रसार के अधिकार को एक विशेषाधिकार के रूप में मान्यता देता है। यह स्वतंत्रता सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य की अन्य संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त सीमाओं के अधीन भी है। संविधान धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन धार्मिक आड़ में वास्तविक धार्मिक गतिविधियों को आपराधिक गतिविधियों में शामिल करने की अनुमति नहीं देता है। इसलिए, सरकार द्वारा अधिकांश अनधिकृत आध्यात्मिक नेताओं, स्व-घोषित या आध्यात्मिक नेताओं की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने, उनकी गतिविधियों में वित्तीय अनियमितताओं या अन्य गैरकानूनी आचरण के मामलों की जांच करना, सरकार का संवैधानिक कर्तव्य है, न कि धार्मिक आस्था में हस्तक्षेप।

डॉ. सत्यवान सौरभ
(लेखक)

भारत को हमेशा से संतों, ऋषियों और आध्यात्मिक ज्ञान की भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। सदियों से पवित्र पुरुष और महिलाएं दूसरों को करुणा, सत्य, आत्म-अनुशासन और सेवा के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। विभिन्न सुधारकों और संतों के सिद्धांतों ने भारतीय समाज को व्यापक रूप से प्रभावित किया है और लोगों को अज्ञानता, अंधविश्वास और सामाजिक बाधाओं से ऊपर उठने के लिए प्रेरित किया है। लाखों भारतीयों के जीवन में आस्था का सर्वोपरि स्थान है, क्योंकि यही पवित्रता परम वास्तविकता है। लेकिन देश में ऐसे लोगों का उदय हुआ है जो अपनी निजी जरूरतों को पूरा करने के लिए धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग करते हैं, जिन्हें धर्मगुरु का उपनाम दिया गया है। वे धन, प्रभाव और निर्विवाद सत्ता के साम्राज्य स्थापित करने के लिए तथाकथित आध्यात्मिक भाषा को बढ़ावा देते हैं। भारत में कई मामलों में ऐसी महिलाओं पर यौन शोषण, संपत्ति मालिक को धोखा देना, अवैध भूमि अधिग्रहण, धमकी आदि जैसे गंभीर अपराधों का आरोप लगाया गया है या उन्हें दोषी ठहराया गया है। इससे न केवल ये प्रथाएं अवैध हो जाती हैं, बल्कि धार्मिक रूप से आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन करने वालों की प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है। इसीलिए, किसी भी अधिकारी द्वारा धर्म को आपराधिक कृत्यों की आड़ में इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ उठाया गया कोई भी कदम न्याय और कानून के शासन का हिस्सा माना जाना चाहिए, न कि किसी के धर्म पर अत्याचार। संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी नागरिक कानून से ऊपर नहीं होता। गलत कामों की कोई खुली छूट नहीं होनी चाहिए और किसी को भी उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर कानून से छूट नहीं मिलनी चाहिए। भारत का संविधान अपने सभी नागरिकों को धार्मिक आस्था, धार्मिक रीति-रिवाजों और उनके प्रचार-प्रसार के अधिकार को एक विशेषाधिकार के रूप में मान्यता देता है। यह स्वतंत्रता सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य की अन्य संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त सीमाओं के अधीन भी है। संविधान धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन धार्मिक आड़ में वास्तविक धार्मिक गतिविधियों को आपराधिक गतिविधियों में शामिल करने की अनुमति नहीं देता है। इसलिए, सरकार द्वारा अधिकांश अनधिकृत आध्यात्मिक नेताओं, स्व-घोषित या आध्यात्मिक नेताओं की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने, उनकी गतिविधियों में वित्तीय अनियमितताओं या अन्य गैरकानूनी आचरण के मामलों की जांच करना, सरकार का संवैधानिक कर्तव्य है, न कि धार्मिक आस्था में हस्तक्षेप। धर्म का शोषण, पाखंडी धर्मगुरुओं द्वारा लोगों के लिए उत्पन्न किए जाने वाले सबसे बड़े खतरों में से एक है। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त, भावनात्मक या मानसिक तनाव से जूझ रहे, या आर्थिक तंगी से परेशान लोग, बिना किसी संदेह के ऐसे करिश्माई व्यक्तित्व के संपर्क में आ जाते हैं जो चमत्कारिक इलाज, अचानक धन-दौलत और जीवन की समस्याओं का चमत्कारिक, अलौकिक समाधान देने का वादा करता है। इस शोषण के कारण पीड़ितों और उनके परिवारों को आर्थिक नुकसान, मानसिक तनाव या इससे भी बदतर, जीवन भर कष्ट भोगना पड़ सकता है। दुर्भाग्य से, अंधविश्वास फैलाने वाले ही एकमात्र लोग नहीं हैं। बल्कि यह समाज की भी ज़िम्मेदारी है जो पूछताछ करने और आलोचनात्मक रूप से सोचने की अनिच्छा को बढ़ावा देता है। आस्था तर्क के विरुद्ध नहीं है। सच्ची आध्यात्मिकता विनम्रता, सहानुभूति और आत्मनिरीक्षण को बढ़ावा देती है, जबकि बिना सोचे-समझे आज्ञापालन आलोचनात्मक चिंतन को दबा देता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र की समस्या यह है कि उसे ऐसे नागरिकों की आवश्यकता होती है जो आध्यात्मिक मार्गदर्शन और हेरफेर के मामले में विवेकशील हों। आधुनिक तकनीक के कारण यह और भी मुश्किल हो गया है। आजकल, एक स्वघोषित धर्मगुरु सोशल मीडिया पर लाखों अनुयायियों का समर्थन हासिल कर लेता है, जो सोच-समझकर गढ़ी गई कहानियों, भावनात्मक हेरफेर और बेतुके दावों के जाल में फंस जाते हैं। बहुत से लोग लोकप्रियता को विश्वसनीयता के बराबर मानते हैं। वीडियो, प्रशंसापत्र और सनसनीखेज सामग्री बिना किसी प्रमाण या गवाही के लोगों को ईश्वरीय होने का भ्रम पैदा कर सकती है। इसलिए, नागरिकों को मूर्ख बनने से बचाने के लिए पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता का महत्व भी बढ़ता जा रहा है। मीडिया पर भारी ज़िम्मेदारी है। पिछले कुछ वर्षों में खोजी पत्रकारिता ने स्वघोषित आध्यात्मिक नेताओं द्वारा सत्ता के दुरुपयोग के कई चर्चित मामलों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही, मीडिया संस्थानों को निष्पक्ष, संतुलित और भावुकता से रहित खबरें प्रस्तुत करने में अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। जब पत्रकारिता अटकलों के बजाय सबूतों पर आधारित होती है, तो इससे जनता का विश्वास और भी मजबूत होता है। पुलिस को भी निष्पक्ष और तटस्थ होना चाहिए। सभी आरोपों की जांच होनी चाहिए और प्रत्येक आरोपी को कानून की उचित प्रक्रिया का अधिकार है। जन दबाव और राजनीति का कार्रवाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए, यह केवल विश्वसनीय साक्ष्यों पर आधारित होनी चाहिए। इसी प्रकार, निर्दोष धार्मिक नेताओं और धार्मिक संस्थानों पर केवल उनकी मान्यताओं और लोकप्रियता के कारण हमला या उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। दोषियों को सजा और निर्दोषों को संरक्षण देने के बीच संतुलन होना चाहिए। यह भी उल्लेखनीय है कि भारत में हजारों धार्मिक संगठन और आध्यात्मिक संस्थाएं शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और वंचितों की सहायता जैसे क्षेत्रों में भी सराहनीय कार्य कर रही हैं। उन्होंने स्कूल, अस्पताल, सामुदायिक रसोईघर और धर्मार्थ कार्यक्रम स्थापित किए हैं जिनसे लाखों लोगों को लाभ मिलता है। ये बहुमूल्य योगदान हैं और सम्मान के पात्र हैं। यह धर्म या आध्यात्मिकता के विरुद्ध लड़ाई नहीं है - यह धर्म या आध्यात्मिकता के नाम पर होने वाले अपराध और शोषण के विरुद्ध लड़ाई है। बच्चों में वैज्ञानिक सोच, संविधान के मूल्यों और नैतिक मूल्यों को विकसित करने की स्कूलों की बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है।

वाणी मनुष्य का वह दर्पण है जिसमें संस्कार, विचार, शिक्षा और चरित्र दिखाई देता है।

प्रश्न यह उठता है कि क्या हर परिवर्तन विकास कहलाता है? क्या केवल नया होना ही श्रेष्ठ होने का प्रमाण है? क्या आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से कट जाना है? क्या प्रगति की दौड़ में अपनी पहचान खो देना भी बुद्धिमत्ता है? यहीं से एक गंभीर बहस प्रारम्भ होती है। परिवर्तन तब तक शुभ है जब तक वह जीवन को बेहतर बनाए। लेकिन जब परिवर्तन हमारी आत्मा, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार और हमारे नैतिक मूल्यों को प्रभावित करने लगे, तब वह परिवर्तन नहीं बल्कि विकृति बन जाता है। यदि कोई व्यक्ति आधुनिक तकनीक अपनाता है तो यह विकास है। यदि कोई नई भाषा सीखता है तो यह ज्ञान का विस्तार है। यदि कोई नए विचारों को अपनाता है तो यह बौद्धिक प्रगति है। लेकिन यदि आधुनिकता के नाम पर वह अपने माता-पिता का सम्मान करना छोड़ दे, बड़ों से संवाद की मयार्दा भूल जाए, अपनी भाषा को हीन समझने लगे, अपनी संस्कृति का उपहास उड़ाने लगे और अभद्रता को आत्मविश्वास समझने लगे, तो यह प्रगति नहीं बल्कि पतन का संकेत है। आज समाज इसी दोराहे पर खड़ा दिखाई देता है। सभ्यता और संस्कृति केवल मंदिर, मस्जिद, त्योहार, वेशभूषा या भोजन तक सीमित नहीं होती है। उनका सबसे बड़ा परिचय मनुष्य का व्यवहार होता है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। संसार की प्रत्येक वस्तु समय के साथ बदलती है। ऋतुएँ बदलती हैं, नदियाँ अपना मार्ग बदलती हैं, वृक्ष पुराने पत्ते छोड़कर नए पल्लव धारण करते हैं और मनुष्य भी अपने परिवेश, अनुभव तथा आवश्यकताओं के अनुसार, स्वयं को बदलता रहता है। यही परिवर्तन जीवन की गति है और इसी के कारण सृष्टि का चक्र निरंतर चलता रहता है। यदि परिवर्तन न हो तो विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मनुष्य भी प्रकृति का ही अंश है। इसलिए उसके जीवन में भी परिवर्तन स्वाभाविक है। समय के साथ उसके रहन-सहन, खान-पान, पहनावे, तकनीक, शिक्षा और जीवन-शैली में बदलाव आता है। कभी बैलगाड़ी से यात्रा करने वाला समाज आज अंतरिक्ष तक पहुँच चुका है। कभी संदेश कबूतरों के माध्यम से भेजे जाते थे, आज एक क्लिक में दुनिया के किसी भी कोने तक पहुँच जाते हैं। यह परिवर्तन मानव सभ्यता की उपलब्धि है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए। प्रश्न यह उठता है कि क्या हर परिवर्तन विकास कहलाता है? क्या केवल नया होना ही श्रेष्ठ होने का प्रमाण है? क्या आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से कट जाना है? क्या प्रगति की दौड़ में अपनी पहचान खो देना भी बुद्धिमत्ता है? यहीं से एक गंभीर बहस प्रारम्भ होती है। परिवर्तन तब तक शुभ है जब तक वह जीवन को बेहतर बनाए। लेकिन जब परिवर्तन हमारी आत्मा, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार और हमारे नैतिक मूल्यों को प्रभावित करने लगे, तब वह परिवर्तन नहीं बल्कि विकृति बन जाता है। यदि कोई व्यक्ति आधुनिक तकनीक अपनाता है तो यह विकास है। यदि कोई नई भाषा सीखता है तो यह ज्ञान का विस्तार है। यदि कोई नए विचारों को अपनाता है तो यह बौद्धिक प्रगति है। लेकिन यदि आधुनिकता के नाम पर वह अपने माता-पिता का सम्मान करना छोड़ दे, बड़ों से संवाद की मयार्दा भूल जाए, अपनी भाषा को हीन समझने लगे, अपनी संस्कृति का उपहास उड़ाने लगे और अभद्रता को आत्मविश्वास समझने लगे, तो यह प्रगति नहीं बल्कि पतन का संकेत है। आज समाज इसी दोराहे पर खड़ा दिखाई देता है। सभ्यता और संस्कृति केवल मंदिर, मस्जिद, त्योहार, वेशभूषा या भोजन तक सीमित नहीं होती है। उनका सबसे बड़ा परिचय मनुष्य का व्यवहार होता है। किसी समाज की पहचान उसके ऊँचे भवनों से नहीं होती है, बल्कि उसके लोगों की भाषा, विनम्रता, पारिवारिक संबंधों और नैतिकता से होती है। भारत हजारों वर्षों से वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश देता आया है। यहाँ मातृदेवो भवः, पितृदेवो भवः, आचार्यदेवो भवः केवल श्लोक नहीं है बल्कि जीवन का दर्शन रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में बच्चों को सबसे पहले नमस्कार करना, बड़ों का सम्मान करना, मधुर भाषा बोलना और संयम रखना सिखाया जाता था। यही संस्कार हमारी असली पूँजी थे। भाषा केवल शब्दों का समूह नहीं होती है। भाषा व्यक्ति के संस्कारों का दर्पण होती है। किसी व्यक्ति का परिचय उसके वस्त्रों से पहले उसकी वाणी देती है। यदि शब्दों में विनम्रता है तो सामने वाला स्वतः सम्मान देने लगता है। यदि शब्दों में कटुता है तो सबसे बड़ा ज्ञान भी प्रभावहीन हो जाता है। भारतीय संस्कृति ने सदैव मधुर वाणी को सर्वोच्च स्थान दिया है। कबीरदास ने लिखा है कि ह्लऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय। औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय।ह्व यह केवल कविता नहीं है बल्कि सामाजिक जीवन का नियम है। आज आवश्यकता इसी शिक्षा को पुनः समझने की है। समय के साथ परिवारों का स्वरूप भी बदल गया है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है। दादा-दादी की कहानियाँ मोबाइल स्क्रीन ने छीन ली। आँगन में होने वाली पारिवारिक बैठकों का स्थान सोशल मीडिया ने ले लिया। अब बच्चों का सबसे बड़ा शिक्षक परिवार नहीं है बल्कि इंटरनेट बनता जा रहा है। जो शब्द पहले घर में सुनाई देते थे, उनकी जगह अब सोशल मीडिया की भाषा ने ले ली है। यही सबसे बड़ी चिंता का विषय है। भाषा का विकास स्वाभाविक प्रक्रिया है। हर युग में नए शब्द जुड़ते हैं। लेकिन आज स्थिति केवल नए शब्दों तक सीमित नहीं है। अब भाषा में मयार्दा की जगह आक्रामकता, संवाद की जगह तर्क-वितर्क और सम्मान की जगह व्यंग्य बढ़ता जा रहा है। ह्लजीह्व शब्द धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। सम्मानजनक संबोधन की जगह अरे यार, अबे, भाई, यो, ब्रो, ड्यूड जैसे शब्द सामान्य होते जा रहे हैं। मित्रों के बीच यह सामान्य लग सकता है, लेकिन यही भाषा जब माता-पिता, शिक्षकों और बुजुर्गों तक पहुँचती है, तब चिंता स्वाभाविक हो जाती है। समाज का परिवर्तन केवल शब्दों में नहीं, सोच में भी दिखाई देता है। एक समय था जब बच्चे अपने पिता को बाबूजी या पिताजी कहकर संबोधित करते थे। फिर पापा जी आया। उसके बाद केवल पापा रह गया। आज अनेक स्थानों पर डैड, डैडी और कई बार अरे यार पापा जैसे संबोधन भी सामान्य होते जा रहे हैं। यह केवल संबोधन का परिवर्तन नहीं है। यह उस मानसिक दूरी का संकेत है जो धीरे-धीरे संबंधों की गरिमा को प्रभावित कर रही है। समस्या अंग्रेजी शब्दों के प्रयोग में नहीं है। समस्या सम्मान के कम होते भाव में है। यदि डैड कहते हुए भी सम्मान बना रहे तो कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन यदि पिताजी कहकर भी अपमान किया जाए तो वह भारतीय संस्कृति नहीं कहलाएगी। अर्थात शब्द नहीं, भाव सबसे महत्वपूर्ण है। राम और राम जी में अंतर केवल एक शब्द का नहीं है, बल्कि भाव का है।

जेन-अल्फा की शिकायतों से आंखें फेरना गलत होगा

क्षमा शर्मा

देश में जेन-जी आंदोलन की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि खबर आई कि जेन-अल्फा (2010-2024 तक जन्मे) के बच्चे अब मैदान में आ गए हैं। ये 21वीं सदी के सूचना-समाज के बच्चे हैं। दुनिया भर की खबरें मोबाइल, टीवी के जरिये देखते हैं। इनके बारे में अब मजाक किया जाने लगा है कि ये तो मोबाइल हाथ में ही लेकर पैदा हुए हैं। जेन-जी के आंदोलन से इन्हें लगा कि वह शासन को झुका सकती है, तो हम क्यों नहीं? इसीलिए सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अब आंदोलन करने लगे हैं।उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में एक सरकारी इंटर कॉलेज की कक्षा छह से लेकर 12 तक के करीब 1,500 बच्चे अपने संस्थान के सामने धरने पर बैठ गए। उनकी यह शिकायत थी कि कॉलेज में उन्हें मामूली सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। बच्चों की मांग थी कि बिजली रहे, टूटे पंखे ठीक किए जाएं। स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था हो। कक्षा के लिए पर्याप्त कमरे हों। पीने को साफ पानी मिले। खेल सुविधाएं हों। कॉलेज प्रशासन ने उनकी मांगों को मान लिया। इसमें उसे छह घंटे लगे। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि कुछ बड़े बच्चों ने, जो हालिया जेन-जी आंदोलन में शामिल हुए थे, इसे शुरू किया। जालौर और बाड़मेर, राजस्थान में भी स्कूली बच्चों ने विरोध-प्रदर्शन किए। जालौर में उन्होंने स्कूल गेट पर ताला जड़ दिया। उनकी शिकायत थी कि प्राइमरी कक्षाओं में अध्यापकों की कमी है। बाड़मेर के बच्चों की भी यही मांग थी। उनका कहना था कि न जाने कब से कई विषयों के अध्यापकों के पद खाली पड़े हैं, इसलिए उनकी ढंग से पढ़ाई ही नहीं हो पा रही। इन प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में लड़कियों ने भी भाग लिया। सरकार ने बच्चों की मांगों पर ध्यान देते हुए 80 स्कूलों में, जहां अध्यापकों की कमी थी, फौरन अध्यापक नियुक्त किए। बिहार के गया में एक स्कूल के दर्जनों बच्चे एसडीएम के दफ्तर तक बाकायदा जुलूस लेकर निकल पड़े। वे स्कूल में चापाकल खराब होने, शौचालय की साफ-सफाई और विद्यालय में खेल के उपकरणों की कमी की शिकायत लेकर पहुंचे थे। एसडीएम ने स्कूल के प्रधानाचार्य से बात की और निर्देश दिया कि पांच दिनों में बच्चों की सारी मांगें पूरी की जाएं। कर्नाटक में बच्चों ने चार घंटे तक राजमार्ग को जाम कर दिया था, क्योंकि वहां सरकारी बसें उनके गांव के बस स्टॉप पर न रुककर, कहीं दूर रुका करती थीं, जिससे वे स्कूल नहीं जा पाते थे। ध्यान से देखें, तो बच्चे जिन सुविधाओं के लिए आंदोलित हैं, वे उन्हें मिलनी ही चाहिए। आखिर वे क्यों नहीं उन्हें मिलतीं? यदि स्कूलों में साफ पानी, पर्याप्त कक्ष, खेलने के मैदान व उपकरण व अध्यापक ही नहीं होंगे, तो वे क्या करेंगे? स्कूल प्रशासन व अधिकारी तब तक ध्यान क्यों नहीं देते, जब तक कि शिकायत न हो या बच्चे अपना गुस्सा प्रदर्शित न करने लगें? अक्सर यह शिकायत की जाती है कि सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, उनमें बच्चे आते ही नहीं। जाएं भी तो कैसे, यदि उनमें बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं? सरकारी स्कूलों में दी जाने वाली शिक्षा सस्ती है, हालांकि उनमें पढ़ाने वाले नियमित अध्यापक-अध्यापिकाओं के वेतन ठीकठाक हैं। इनके मुकाबले निजी स्कूलों में शिक्षा महंगी है, पर शिक्षक-शिक्षिकाओं के वेतन सरकारी स्कूलों से कम है। विडंबना देखिए, जहां वेतन ज्यादा है, वहां से शिक्षकों की शिकायतें आती रहती हैं कि उनमें से कई स्कूल ही नहीं आते, अपने दायित्व को ह्यआउटसोर्सह्ण कर देते हैं या जो विषय वे पढ़ाने आए हैं, वही उन्हें नहीं आता। निजी स्कूलों में ऐसा संभव नहीं है। सरकार को सोचना चाहिए कि अध्यापकों की भर्ती करते समय वह योग्यता की बहुस्तरीय परख करे, ताकि शिक्षक अपने विषय तो पढ़ा सकें। समय पर स्कूल आ सकें। गौर करने की बात है कि जेन-अल्फा के बच्चे उस उम्र के हैं, जहां ह्यएडवेंचरह्ण बहुत भाता है। मान लीजिए, धरना-प्रदर्शन करते ये कुछ ऐसा कर बैठें, जिससे इनकी जान को खतरा पैदा हो जाए अथवा किसी और को नुकसान पहुंचे, तब क्या होगा? इन दिनों राजनीति के बड़े खिलाड़ी इन्हें भड़का रहे हैं और इन्हें भी औरों की तरह उकसा रहे हैं कि वे सड़क पर आ जाएं। इसलिए इन नौनिहालों को स्कूल के अहाते में पढ़ने के लिए माकूल सुविधाएं मुहैया कराना बहुत जरूरी है।

जनता दरबार में 35 फरियादियों की समस्याएं सुनीं, डीएम ने त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

- सबका सम्मान, जीवन आसान अभियान को मिली गति, समयबद्ध समाधान पर जिलाधिकारी का जोर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से समाहरणालय परिसर में सोमवार को आयोजित जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने 35 फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना। प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करते हुए उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कदम उठाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर समस्याओं का निष्पक्ष निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सबका सम्मान, जीवन आसानह्व अभियान के तहत प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम आमजन और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। जनता दरबार में बड़ी संख्या में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से जुड़े मामले सामने आए, जिन पर जिलाधिकारी ने प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अलावा अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों की भी सुनवाई कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि जनता दरबार में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को अनावश्यक कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े और उन्हें शीघ्र न्याय एवं राहत मिल सके।

उन्होंने कहा कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कर शासन के प्रति लोगों के विश्वास को और मजबूत बनाना है।

दरौंदा में जनसुराज कार्यकर्ताओं ने मनाया जीत का जश्न

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत की खबर मिलते ही दरौंदा में पार्टी कार्यकताओं के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकताओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर जीत का जश्न मनाया तथा मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कार्यकताओं ने कहा कि बांकीपुर उपचुनाव का परिणाम बिहार की राजनीति में बदलाव का संकेत है। उन्होंने इसे जनसुराज की विचारधारा और जनता के बढ़ते विश्वास की जीत बताते हुए कहा कि आने वाले दिनों में पार्टी और अधिक मजबूती के साथ जनता के बीच कार्य करेगी तथा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता से उठाएगी। जश्न के दौरान कार्यकताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर आनंद कुमार सिंह, विजय सिंह, निर्भय शंकर दुबे, आजाद हुसैन, विजय गिरी, आदर्श कुमार, अखिलेश्वर पांडेय, रविन्द्र कुमार सिंह, बृज किशोर शर्मा, राहुल कुमार मिश्रा, उपेन्द्र सिंह, इम्तेयाज अहमद, रेयाज अहमद, मिथलेश सिंह, नूर हसन सहित बड़ी संख्या में जनसुराज कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

1563 लीटर स्प्रीट जब्त कर 02 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निर्देशन में जिलान्तर्गत विधि-व्यवस्था संधारण एवं अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से गश्ती एवं शराब के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में 2 अगस्त को तरैया थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम पचरौर में कुछ व्यक्तियों द्वारा घर पर शराब छिपा कर रखे हैं। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तरैया थाना पुलिस टीम द्वारा ग्राम पचरौर पहुंचा तो देखा की 4 व्यक्ति भागने लगे, जिसे बल की सहायता से पकड़ लिया गया तथा 2 व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पकड़ाये व्यक्ति से नाम पूछने पर अपना नाम विजय पासवान, पिता-देवनाथ मांझी एवं राजू मांझी, पिता-रघुनाथ मांझी, दोनो साकिन-पचरौर, थाना-तरैया, जिला-सारण बताया। घर की जांच एवं तलाशी के क्रम विदेशी शराब-720 एम०एल० एवं स्प्रीट-1563 लीटर बरामद कर 02 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

नगरा थाना द्वारा मंदिर के चोरी की घटना का किया गया उद्भेदन

छपरा सदर। नगरा थानान्तर्गत चोरी की घटना का सफल उद्भेदन कर दिया गया है। साथ ही समान को जप्त कर 1 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि 14 जुलाई को नगरा थाना को एक मंदिर में मूर्ति तथा पूजा सामग्री चोरी के संबंध में एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें वादी द्वारा बताया गया कि वे सुबह जब मंदिर का द्वार खोलने गये तो देखा कि सभी मंदिर का ताला टुटा हुआ है तथा अष्टधातु की मूर्ति तथा पूजा सामग्री चोरी हो गई है। उक्त आवेदन के आधार पर नगरा थाना कांड संख्या-114/26 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। अनुसंधान एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम द्वारा छापेमारी कर चोरी गई अष्टधातु की मूर्त्ति तथा पूजा सामग्री जप्त कर 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त पानापुर थाना क्षेत्र के रसौली पिंडी टोला निवासी जनार्दन मिश्र का पुत्र चंदन मिश्र बताया जाता है। उक्त चोर के पास टूटा हुआ एम्लीफायर-01, नागदेव का धातु की मूर्ति-01, धातु की कटोरी-07, लड्डु गोपाल का धातु की मूर्ति-01, शंकर देव का धातु की मूर्ति-02, धातु का ग्लास-05, हनुमान जी का धातु की मूर्ति-02, धातु का लोटा-01, धातु की थाली-02, धातु का अगरबत्ती स्टेंड 01 बरामद किया गया है।

रात्रि गश्ती, होटलों, ज्वेलर्स दुकानों, एवं बैंकों की सघन चेकिंग

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निदेशानुसार जिले के सभी थाना क्षेत्रों में रात्रि गश्ती अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल द्वारा बैंक, एटीएम, होटलों, ज्वेलर्स दुकानों, प्रमुख चौक-चौराहों तथा अन्य संवेदनशील स्थलों का सघन निरीक्षण एवं चेकिंग की गई। रात्रि गश्ती के क्रम में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन जांच की गई।

दारौंदा प्रखंड के करसौत पैक्स चुनाव की अधिसूचना जारी, चुनावी प्रक्रिया शुरू

प्राातत : किरण संवाददाता

सीवान। दारौंदा प्रखंड के करसौत पैक्स चुनाव को लेकर सोमवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा चुनाव संबंधी अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई। इसके साथ ही चुनावी प्रक्रिया का विधिवत शुभारंभ हो गया।

अधिसूचना जारी होते ही संबंधित पैक्स क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है और संभावित प्रत्याशियों ने मतदाताओं से संपर्क अभियान भी शुरू कर दिया है।

बीडीओ सह निर्वाचन पदाधिकारी सिम्पी कुमारी ने बताया कि 19 एवं 20 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। इसके बाद 21 एवं 22 अगस्त को नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। वहीं 25 अगस्त को नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों के बीच चुनाव चिह्न का आवंटन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यदि किसी पद पर निर्विरोध निर्वाचन नहीं होता है, तो एक सितंबर को सुबह 7 बजे से शाम 4:30 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद मतगणना शुरू होगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे। संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया तीन सितंबर को औपचारिक रूप से संपन्न होगी।

चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद करसौत पैक्स क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। संभावित उम्मीदवार मतदाताओं के बीच अपनी सक्रियता बढ़ा रहे हैं, वहीं चुनावी समीकरण और संभावित मुकाबले को लेकर क्षेत्र में चचाओं का दौर भी शुरू हो गया है।

रघुवीर नारायण की बटोहिया रचना गायन के लिए लोकगायक रामेश्वर गोप ओडिशा में सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

रसूलपुर। रघुवीर नारायण रचित भोजपुरी देशभक्ति गीत बटोहिया गायन के लिए ओडिशा में 2 अगस्त रविवार को जिले के लोकगायक शिक्षक रामेश्वर गोप को सम्मानित और पुरस्कृत किया गया। ओडिशा के जगन्नाथपुरी में आयोजित ज्ञान प्रकाश के दसवें वार्षिक समारोह में भाषा, संस्कृति व शिक्षा में भारतीय ज्ञान परम्परा की भूमिका पर आधारित राष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलन में ह्यसुंदर सुभूमि भैया भारत के देशवा से मोरे प्राण बसे हिम खोह रे बटोहियाह्न गायन के लिए लोक गायक आमंत्रित थे।सम्मेलन में असम, झारखंड, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों के छऊ ,बिहु, ओडिसी, आदिवासी लोक संगीत के बीच बिहार कला संस्कृति के प्रतिनिधि के तौर पर गायक गोप ने गायन के साथ बटोहिया गायन की इतिहास को विस्तृत रूप से रखा।सारण जिले के नयागांव निवासी रघुवीर नारायण का बटोहिया और रवींद्र नाथ टैगोर रचित जन-गण मन राष्ट्रीय गान की रचना समकालीन (1911-12) होना जान आयोजक ज्ञान प्रकाश से जुड़े पदाधिकारी सस्मिता मिश्रा, सरोज कुमार साहू, अम्बिका स्क्वैश, डॉ ज्ञानचंद सतपथी , डॉ देवाशीष महापात्रा सहित देश के विभिन्न राज्यों से आये शिक्षक , साहित्यकार, कलाकारों ने प्रशंसा की तालियों के साथ अपनी खुशी प्रकट की।

प्रशांत किशोर की जीत बिहार के राजनीत दिशा बदलने की जीत है : महासेठ

प्रात : किरणस संवाददाता

छपरा। बांकीपुर उपचुनाव से जनसुराज के प्रणेता प्रशांत किशोर की जीत पर सारण जिला जनसुराज के नेताओं ने खुशी जाहिर किया है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता कुलदीप महासेठ ने बताया कि यह परिणाम एक विधायक का नहीं बल्कि बिहार के राजनीत दिशा बदलने का है। बीजेपी का सबसे सुरक्षित और सबसे मजबूत किलाह्व वह विधानसभा क्षेत्र जिसे अजेय माना जाता था, आज जनता ने अपना फैसला सुना दिया। जहां इस एक सीट को बचाने के लिए 40 स्टार प्रचारक, मंत्री, सांसद, विधायक, सहयोगी दलों की पूरी ताकत, संसाधनों और सरकारी तंत्र तक का इस्तेमाल किया गया। लेकिन जनता के विश्वास के आगे यह सब टिक नहीं सका। उन्होंने कहा कि आज यह संदेश पूरे बिहार ही नहीं, पूरे देश में गूंज रहा है कि सत्ता, संसाधन और प्रचार से बड़ा लोकतंत्र में जनता का जनादेश है। यह जीत सिर्फ प्रशांत किशोर की नहीं, बल्कि हर उस मतदाता की जीत है जिसने बदलाव पर भरोसा जताया। खुशी जाहिर करने वालों में मुख्य रूप से युवा प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह, कुमार शिवम, महेश प्रसाद, जुन्नालाल यादव, जिला महिला अध्यक्ष मनोरमा कुमारी, प्रीति रानी, भानु प्रताप सिंह आदि दर्जनों नेता शामिल थे।

शराब के साथ चार कारोबारी गिरफ्तार, चार बाइक जब्त

दरौली, सिवान : दरौली पुलिस द्वारा भट्ठी घाट के पास नदी पार यूपी से आ रही वाहन जांच अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए नदी के उस पार से बाइक में छिपाकर शराब लेकर आ रहे चार कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान बाइक से 439 पीस 8 पीएम शराब बरामद की गई। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त चार बाइक भी जब्त कर ली हैं। थानाध्यक्ष अभिनव कुमार दुबे ने बताया कि वाहन जांच के दौरान संदिग्ध बाइक को रोककर तलाशी ली गई। गिरफ्तार कारोबारी से पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार कारोबारी यूपी के बलिया जिले के मंजीत कुमार, अरविंद कुमार, शिवाजी कुमार भारती व मनीष राजभर हैं।

पुलिस खोई हुई मोबाईल खोजकर 9 दिन में लौटाई

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर, सारण। अमनौर थाना की पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत खोई हुई मोबाईल को बरामद कर उसके मालिक को लौटाने का काम किया। इस संबंध में बताते हैं कि पिछले दिनों 28,7,2026 को साहिवा खातून ग्राम शाहपुर ने मोबाइल खोने की सुचना अमनौर थाना में दी थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपने तकनीकि शाखा की सहायता से मोबाईल 9 दिनों में खोजकर सुरक्षित बरामद कर लिया। इस संबंध में थाना प्रभारी हेमंत कुमार ने बताया की थाना क्षेत्र के दर्जनों लोगों की खोई हुई मोबाईल को बरामद कर उसे वापस करने का काम पुलिस द्वारा किया गया है। वहीं अपनी खोई हुई मोबाईल पाकर ग्रामिणों ने अमनौर थाना पुलिस की कार्य-शैली की प्रशंसा की और साथ ही पुलिस की कार्यशैली पर भरोसा जताया।

श्रावण की पहली सोमवारी पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, मंदिरों में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

प्रात : किरण संवाददाता

दिघवारा। श्रावण माह की पहली सोमवारी के अवसर पर दिघवारा नगर पंचायत सहित प्रखंड क्षेत्र में शिव भक्तों की आस्था चरम पर देखने को मिली। सुबह से ही विभिन्न शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गई। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ को गंगाजल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

आमी स्थित प्रसिद्ध अंबिका भवानी मंदिर परिसर में स्थापित भगवान शिव की विशालकाय प्रतिमा के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा मंदिर परिसर ह्लहर-हर महादेवह्व और ह्लबोल बमह्व के जयकारों से गूंजता रहा। दूर-दराज से आए कांवरियों ने गंगा से जल भरकर पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर जल चढ़ाया। वहीं क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा गुप्तेश्वर नाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। सुबह से ही भक्तों ने लंबी कतारों में खड़े होकर जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आया, जहां हर ओर शिवभक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। मंदिर परिसर में सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखा। पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ स्वयंसेवकों द्वारा भी श्रद्धालुओं को सहयोग किया गया, जिससे पूजा-अर्चना शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सकी। श्रावण माह की शुरूआत के साथ ही पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल बना हुआ है। श्रद्धालुओं का मानना है कि इस पवित्र महीने में भगवान शिव की आराधना करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सोमवार को स्वामी विवेकानंद संघ, कोहबरवॉ के प्रांगण में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव रंजन के द्वारा आम, लीची, कटहल, चीकू एवं अशोक जैसे अनेक छायादार और फलदार पौधे रोपे गए। कार्यक्रम के दौरान डॉ. राजीव रंजन ने बच्चों एवं युवाओं को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार एक स्वस्थ हृदय शरीर को जीवन प्रदान करता है, ठीक उसी प्रकार वृक्ष हमारी धरती और वायुमंडल को संजीवनी प्रदान करते हैं। स्वच्छ पर्यावरण ही एक निरोग एवं दीघार्यु जीवन की कुंजी है। पॉलिथिन और सिंगल-यूज प्लास्टिक मिट्टी की उर्वरता को समाप्त करते हैं और गंभीर प्रदूषण फैलाते हैं। इनके स्थान पर हमें कपड़े या जूट के थैलों का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। आज हमारे समाज का एक शिक्षित वर्ग भी कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग करने में संकोच करता है, जो चिंतनीय है। हमें अपने विवेक का परिचय देते हुए सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए और पर्यावरण को दूषित होने से बचाना चाहिए। यदि किसी अपरिहार्य स्थिति या मजबूरी में प्लास्टिक का उपयोग करना ही पड़े, तो उसे एक बार इस्तेमाल करके फेंकने के बजाय पुनः उपयोग में लाएं। साथ ही, प्लास्टिक कचरे को यत्र-तत्र फेंकने के बजाय उसका उचित एवं वैज्ञानिक निस्तारण करें, ताकि प्रकृति को कोई नुकसान न पहुँचे। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना केवल एक शुरूआत है; असली कर्तव्य उसकी नियमित देखभाल, सिंचाई और सुरक्षा सुनिश्चित करके उसे एक वटवृक्ष बनाना है।

सावन माह की सोमवारी को हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

छपरा कार्यालय। छपरा शहर के साहेबगंज चौक स्थित शिव मंदिर के पास जय भोला भंडारी सेवा दल (रजिङ्क) छपरा बिहार के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सेवा दल के मिडिया प्रभारी विकाश कुमार ने बताया की भगवान भोलेनाथ के पवित्र महीने सावन में यह भंडारा प्रत्येक सोमवार को यहां लगाया जाएगा। इस भंडारे में शिव भक्तों के लिए शुद्ध देशी घी से बने व्यंजन प्रसाद स्वरूप वितरण किया जा रहा है। भंडारे की शुरूआत सेवा दल के सदस्य अमित कुमार ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। शुरूआत से ही शिव भक्तों की भीड़ भंडारे पर आती रही पुरे चौक का माहौल भक्तिमय और शिवमय हो गया। आपको मालूम हो की इस सेवा दल के द्वारा श्री अमरनाथ जी यात्रियों के लिए उधमपुर जम्मू-कश्मीर में छःठा विशाल भंडारा भी लगाया गया है।

परसा नगर पंचायत के कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

प्रात : किरण संवाददाता

परसा। रोहतास जिला के डेहरी डालमियानगर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी बिमल कुमार को बीते दिनों निर्मल तरीके से हत्या कर दी गई. जिसको लेकर नगर पंचायत परसा बाजार कार्यालय पर अशोक सभा का आयोजन किया गया तथा 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई. साथी नगर पंचायत परसा बाजार कार्यालय में कार्यरत कर्मियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर नगर ईओ से सुरक्षा की मांग किया. इस संबंध में नगर ईओ रजनीश कुमार ने बताया कि जो इनका माग है नगर विकास को अवगत करा दिया गया है. बिहार के सभी कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा नगर विकास के प्रधान सचिव से मिलकर सुरक्षा की मांग किया गया है नहीं तो यह हड़ताल अनिश्चितकालीन तक के जारी रहेगा. नागर जेई गौतम कुमार रेखा पाल मुकेश दास सफाई दमदार पवन कुमार सिंह डाटा ऑपरेटर अब्दुल मजीद विजय कुमार दास हैदर अली सोनू कुमार शत्रुघन कुमार मुन्नी सिंह रिंकी देवी पुलिस राय लालबाबू कुमार शैलेश कुमार सुधीर कुमार इत्यादि कर्मी उपस्थित थे.

राष्ट्रीय अंगदान दिवस पर दधीचि देहदान समिति छपरा द्वारा जागरूकता अभियान आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सावन की प्रथम सोमवारी एवं राष्ट्रीय अंगदान दिवस के शुभ अवसर पर दधीचि देहदान समिति, छपरा इकाई द्वारा सेंट जोसेफ स्कूल, नवाजी टोला में अंगदान एवं नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों, चिकित्सकों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों, विद्यार्थियों तथा मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समिति के संरक्षक एवं शिक्षाविद डॉ. हरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को नेत्रदान एवं अंगदान के प्रति जागरूक होकर मानवता की सेवा के इस महान अभियान से जुड़ना चाहिए। उन्होंने लोगों से दधीचि देहदान समिति के प्रयासों का समर्थन करने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने की अपील की। विशिष्ट अतिथि डॉ. शशिकांत पाराशर ने कहा कि कॉर्निया दान के माध्यम से किसी नेत्रहीन व्यक्ति के जीवन में उजाला लाया जा सकता है। यह मानव सेवा का सर्वोच्च कार्य है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसके लिए आगे आना चाहिए। समिति के संरक्षक एवं उद्यमी समाजसेवी इंजीनियर ललित सिंह ने कहा कि महर्षि दधीचि ने त्याग और लोककल्याण का जो संदेश दिया, वह आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि महर्षि दधीचि की तपोभूमि सारण की धरती रही है और हमें उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाना चाहिए। डॉ. आनंद राज ने कहा कि दधीचि देहदान समिति की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। जितनी अधिक जागरूकता फैलेगी, उतने अधिक लोग इस अभियान से जुड़कर मानवता की सेवा में अपना योगदान देंगे। समिति के जिला अध्यक्ष संजीव चौधरी ने कहा कि समिति का लक्ष्य महर्षि दधीचि के त्याग और सेवा के संदेश को घर-घर तक पहुँचाना तथा बिहार को कॉर्निया अंधत्व से मुक्त बनाने के अभियान को गति देना है। समिति के संयुक्त सचिव शैलेन्द्र पुरी ने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। राष्ट्रीय अंगदान दिवस के अवसर पर प्राप्त संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में सेंट जोसेफ स्कूल, नवाजी टोला के प्रबंधक अभिषेक सिंह का विशेष योगदान रहा। उन्होंने कहा कि विद्यालय सदैव ऐसे सामाजिक एवं जनहित के कार्यों में अपना सहयोग देता रहेगा। सेंट जोसेफ स्कूल की प्रिंसिपल रौशनी सिंह ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

..नही रहें राजेन्द्र कॉलेज के पूर्व प्राध्यापक प्रो टीएन सहाय, शिक्षा-जगत में शोक की लहर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। राजेन्द्र कॉलेज रसायन शास्त्र के पूर्व प्राध्यापक प्रो टीएन सहाय लगभग 100 वर्ष की उम्र में दुनिया छोड़ गए। उनके निधन की खबर जैसे ही लोगों को हुई शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। प्रो सहाय के निधन की खबर मिलने पर राजेन्द्र कॉलेज परिवार ने उनके आवास पर पहुँच कर उनके परिजनों को सांत्वना दीं। देश की आजादी के समय फिरंगिया गीत लिखने वाले राजेन्द्र कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो मनोरंजन प्रसाद सिन्हा के कार्यकाल में प्रो सहाय ने सन 1952 में प्राध्यापक के रूप में जॉइन किये थे। वे 1988 में राजेंद्र कॉलेज रसायन शास्त्र विभाग में विभागाध्यक्ष की जिम्मेवारी संभाले थे तथा 1990 में वे सेवा से अवकाश प्राप्त किये थे। वे अपने पीछे शिक्षा की एक लंबी विरासत छोड़ गए हैं।

स्व. मिथिलेश कुमार सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि पर 201 पौधों का रोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। छपरा के पूर्व विधायक, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं जेपी सेनानी आयोग के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय मिथिलेश कुमार सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि सोमवार को परमहंस बाबा के मठिया, ग्राम रसलपुरा (छपरा) में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण उनकी स्मृति में 201 पौधों का सामूहिक वृक्षारोपण रहा। उपस्थित लोगों ने इसे पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी सोच और समाज के प्रति समर्पण का प्रतीक बताते हुए हरित संदेश देने का संकल्प लिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के जिला अध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह विकल उपस्थित रहे। इस अवसर पर जदयू जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, बिहार संगीत कला के पूर्व अध्यक्ष कुमार अनुपम, पूर्व अपर समाहर्ता नंद किशोर ठाकुर, स्व. मिथिलेश कुमार सिंह के सुपुत्र विशाल सिंह, सदर प्रखंड जदयू अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह, पैक्स अध्यक्ष विश्वजीत कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह, पैक्स अध्यक्ष सह जदयू नेता विनोद सिंह, जेपी सेनानी अध्यक्ष गिरि जी, संपूर्ण क्रांति आंदोलन के वरिष्ठ कार्यकर्ता शंभू सिंह, जेपी सेनानी पारस सिंह, महात्मा सिंह, शशिकांत सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं जेपी आंदोलन से जुड़े सेनानी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय मिथिलेश कुमार सिंह के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके सामाजिक, राजनीतिक और जनसेवा से जुड़े योगदान को याद किया।

अब माँ बनने की राह में दर्द नहीं बनेगा बाधा, सदर अस्पताल में पहली बार हुआ पेनलेस डिलीवरी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई है। अब तक निजी अस्पतालों तक सीमित मानी जाने वाली ह्यपेनलेस नॉर्मल डिलीवरीह्न (दर्दरहित सामान्य प्रसव) की सुविधा पहली बार छपरा सदर अस्पताल में सफलतापूर्वक शुरू की गई है। आधुनिक एपिड्यूरल एनाल्जीसिया तकनीक की मदद से दो महिलाओं का सुरक्षित और दर्दरहित सामान्य प्रसव कराया गया। सरकारी अस्पताल में इस तकनीक के सफल प्रयोग से न केवल प्रसूति सेवाओं की गुणवत्ता में नया अध्याय जुड़ा है, बल्कि यह भी साबित हुआ है कि अब अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं आम लोगों की पहुंच में हैं। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग तथा एनेस्थीसिया विभाग के संयुक्त प्रयास से मिली यह सफलता जिले की मातृ स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मील का पत्थर मानी जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि इस पहल से सामान्य प्रसव को बढ़ावा मिलेगा और अनावश्यक सिजेरियन ऑपरेशन की संख्या में भी कमी आ सकती है।

पहली बार सरकारी अस्पताल में मिली पेनलेस डिलीवरी की सुविधाः सदर अस्पताल में पहली बार एपिड्यूरल एनाल्जीसिया तकनीक का उपयोग करते हुए दो महिलाओं की सफल पेनलेस नॉर्मल डिलीवरी कराई गई। इस तकनीक से प्रसव पीड़ा को काफी हद तक नियंत्रित किया जाता है, जिससे महिला को असहनीय दर्द का सामना नहीं करना पड़ता और वह पूरी तरह होश में रहते हुए सामान्य प्रसव कर पाती है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि अब तक ऐसी सुविधा मुख्य रूप से बड़े निजी अस्पतालों में ही उपलब्ध होती थी। अब आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भी सरकारी अस्पताल में आधुनिक और सुरक्षित प्रसूति सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। कैसे काम करती है एपिड्यूरल एनाल्जीसिया तकनीकः इस तकनीक में रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में स्थित एपिड्यूरल स्पेस में एक पतली कैथेटर (ट्यूब) के माध्यम से दर्द निवारक दवा दी जाती है। इससे प्रसव के दौरान होने वाला तीव्र दर्द काफी कम हो जाता है, लेकिन महिला पूरी तरह बेहोश नहीं होती। प्रसूता पूरे समय डॉक्टरों के संपर्क में रहती है और उनके निदेर्शानुसार सामान्य प्रसव की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी कर सकती है। यदि प्रसव के दौरान किसी कारणवश सिजेरियन ऑपरेशन की आवश्यकता पड़ जाए, तो उसी एपिड्यूरल कैथेटर के माध्यम से एनेस्थीसिया देकर ऑपरेशन भी किया जा सकता है।

बिहार सरकार राज्य में गुणवतापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरतः शिक्षामंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

बनियापुर। प्रखंड के लोवा कला स्थित संत जलेश्वर एकेडमी के निरीक्षण के दौरान विद्यालय के स्मार्ट क्लास, आधुनिक शिक्षा व्यवस्था सुसज्जित क्लास रूम को देख प्रसन्नता जाहिर करते राज्य के शिक्षामंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में इतनी अच्छी शिक्षण व्यवस्था जहां छात्रों के सर्वांगीण विकास की सुविधाएं शामिल है, प्रशंसनीय है, हमारी सरकार बिहार में क्वालिटी एजुकेशन के लिए हर संभव प्रयासरत है, विद्यालयों में स्मार्ट क्लासेज, दक्ष शिक्षक, एव शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास की सामग्री उपलब्ध कराई जा चुकी है। शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधार हो रहा है परिणाम भी सकारात्मक आ रहे है, शिक्षकों की अब कोई समस्या नहीं रह जाएगी

श्रावण के प्रथम सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा बड़हरा

- कालीकलेश्वर बखोरापुर, संगमेश्वर समेत विभिन्न शिव मंदिरों में सुबह से लगी श्रद्धालुओं की लंबी कतार, जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को बड़हरा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयो में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। कालीकलेश्वर महादेव मंदिर बखोरापुर, संगमेश्वर महादेव मंदिर सहित अन्य प्रमुख शिवालयो में अहले सुबह से ही भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओ की लंबी कतार लग गई। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से दिनभर गुंजायमान रहा।

श्रावण मास का पहला सोमवार होने के कारण बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, बुजुर्ग और युवा श्रद्धालु हाथों में गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, पुष्प और पूजा सामग्री लेकर मंदिर पहुंचे। भक्तों ने विधि- विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता और मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की।धार्मिक मान्यताओ के अनुसार श्रावण मास भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इस पूरे माह में विशेषकर सोमवार के दिन शिव पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि सावन के सोमवार को सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने से भोलेनाथ भक्तों के सभी कष्ट दूर करते हैं तथा उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। विवाह में आने वाली बाधाओं के निवारण और जीवन में सुख-शांति की कामना के लिए भी श्रद्धालु सावन सोमवार का व्रत रखते हैं।मंदिरों में पूजा-अर्चना के दौरान श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, बेलपत्र, भांग, धतूरा और पुष्प अर्पित किए तथा शिव चालीसा और महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया। कई स्थानों पर भजन- कीर्तन का भी आयोजन हुआ, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।पुजारियो ने बताया कि श्रावण मास में प्रातःकाल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करने के बाद भगवान शिव का गंगाजल एवं दूध से अभिषेक, बेलपत्र अर्पित कर पूजा करने का विशेष महत्व है। पूजा के उपरांत आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। श्रावण के प्रथम सोमवार को मंदिरों में उमड़ी भीड़ को देखते हुए स्थानीय स्तर पर व्यवस्था भी की गई थी, जिससे श्रद्धालुओ को जलाभिषेक में किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। पूरे दिन शिवालयो में श्रद्धालुओ का आना-जाना लगा रहा और क्षेत्र पूरी तरह शिवमय वातावरण में डूबा रहा।

211 नए डिग्री कॉलेजों के लिए चयनित सहायक प्राध्यापकों को विश्वविद्यालय आवंटित, 10 अगस्त तक होगा योगदान

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (बीएसयूएससी) द्वारा 211 नवस्थापित डिग्री कॉलेजों के लिए चयनित सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। उच्च शिक्षा विभाग ने चयनित अभ्यर्थियों के लिए विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके तहत चयनित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय आवंटित कर दिए गए हैं तथा अब उन्हें निर्धारित तिथियों के अनुसार कॉलेज विकल्प भरने, दस्तावेज सत्यापन और योगदान की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। जारी निर्देश के अनुसार चार अगस्त से चयनित अभ्यर्थी अपने आवंटित विश्वविद्यालय के अंतर्गत कॉलेजों का ऑनलाइन विकल्प भर सकेंगे। इसके बाद सात अगस्त को संबंधित विश्वविद्यालय में उपस्थित होकर मूल प्रमाण-पत्रों का सत्यापन कराया जाएगा। सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से कॉलेज आवंटित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि चयनित सहायक प्राध्यापकों को 10 अगस्त तक आवंटित कॉलेज में योगदान देना अनिवार्य होगा। योगदान के दिन से ही उनकी सेवा प्रभावी मानी जाएगी। विभाग ने सभी अभ्यर्थियों से समय-सीमा का पालन करने और किसी भी प्रकार की देरी से बचने की अपील की है।

निर्देश में कहा गया है कि अभ्यर्थी उच्च शिक्षा विभाग तथा बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचनाओं पर नियमित नजर बनाए रखें। सभी आवश्यक औपचारिकताएं निर्धारित समय के भीतर पूरी करनी होंगी, ताकि नियुक्ति प्रक्रिया बिना किसी बाधा के पूरी हो सके।

दस्तावेज सत्यापन के दौरान मूल शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, जाति एवं आरक्षण प्रमाण-पत्र (जहां लागू हो), पहचान पत्र, नियुक्ति से संबंधित अन्य आवश्यक अभिलेख और निर्धारित प्रपत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। अधिकारियों ने सलाह दी है कि अभ्यर्थी सभी दस्तावेज पहले से व्यवस्थित कर लें, ताकि सत्यापन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।गौरतलब है कि बिहार सरकार ने राज्य के 211 नवस्थापित डिग्री कॉलेजों में शिक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है। नियुक्ति पूरी होने के बाद इन कॉलेजों में नियमित शैक्षणिक गतिविधियों को गति मिलने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

वारंटी गिरफ्तार

आरा। नवादा थाना पुलिस द्वारा एक वारंटी को गिरफ्तार किया गया। उसकी गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के जवाहर टोला स्थित उसके घर के पास से रविवार को की गयी। गिरफ्तार जवाहर टोला निवासी रामप्रवेश पासवान का पुत्र कृष्णा पासवान है। उसके खिलाफ न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था।

ट्रक ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर

आरा। जिले के संदेश थाना क्षेत्र के सरैया गांव के समीप सोमवार को ट्रक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए संदेश रेफरल अस्पताल से सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी अजीमाबाद थाना क्षेत्र के नूरपुर गांव निवासी नकुल चौधरी का 35 वर्षीय पुत्र जमींदार चौधरी है। इधर, जख्मी युवक के परिजन ने बताया कि सोमवार की दोपहर वह बाइक द्वारा अपने गांव से संदेश जा रहा था। उसी दौरान सरैया गांव के समीप पीछे से आ रही ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। हादसे में जख्मी युवक का दाहिना हाथ बुरी तरह लहूलुहान हो गया है।

जगदीशपुर में तिरंगा यात्रा को लेकर एक बैठक का हुआ आयोजन

जगदीशपुर।राष्ट्रीय युवा छात्रशक्ति संघ संगठन टीम के द्वारा निकाली जाने वाली 15 अगस्त के दिन बाबू वीर कुंवर सिंह किला मैदान से बाजार होते हुए नयाटोला तक तिरंगा यात्रा को लेकर सभी जगदीशपुर और नयाटोला के कोचिंग और स्कूल में दौड़ा कर सभी छात्र छात्राओं और शिक्षक को आमंत्रण देने को लेकर कैंपेन चलाया जा रहा है संगठन अध्यक्ष रितिक रौशन ने अपने सभी युवा साथियों के साथ सभी एक एक युवाओं से मिलकर तिरंगा यात्रा जगदीशपुर में आने को लेकर आमंत्रण तिरंगा लेकर पहुंच रहे है और सभा संबोधित कर सबको तिरंगा यात्रा में शामिल होने के लिए अपील भी कर रहे है वही संगठन अध्यक्ष ने बताया कि ये पर्व सबका है लेकिन युवा इस पर्व में चढ़ बढ़कर हिस्सा लेते है तो पहले उनसे मिलना उनसे संपर्क करना और उनको बताना और उनको इस यात्रा में बुलाना पहला मेरा संकल्प है और हर हर सभी कोचीन और स्कूल से बच्चे आते है और एक दूसरे से परिचय भी होता है हमसब युवा एक परिवार है साथ ही सभी कोचिंग के भारत माता की जय बाबू वीर कुंवर सिंह अमर रहे वंदे मातरम और जय हिंद जय भारत की नारे के साथ एकता का परिचय देने का काम कर रहे है इस मौके पर संगठन सदस्य हिमांशु केसरी, शमशेर जी , कृष यादव, अभिनव कुमार, शुभम मिश्रा , सहित कई युवाओं की मौजूदगी रही

हरदिया, तुलसी और हेतमपुर में बिजली संकट गहराया

जगदीशपुर ।जगदीशपुर प्रखंड क्षेत्र के हरदिया दलित बस्ती एवं तुलसी गांव में लगा 63 केवीए का विद्युत ट्रांसफार्मर पिछले एक सप्ताह से जला हुआ है, जिससे दोनों गांवों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित है। वहीं हेतमपुर गांव का कृषि कार्य हेतु लगा ट्रांसफार्मर भी जल जाने से किसानों के समक्ष सिंचाई का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।धान की खेती के इस महत्वपूर्ण समय में बिजली संकट के कारण किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। पूर्व विधायक भाई दिनेश ने प्रभावित क्षेत्रों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए अधीक्षण अभियंता, विद्युत बोर्ड, आरा तथा कार्यपालक अभियंता, विद्युत बोर्ड, जगदीशपुर को पत्र भेजकर हरदिया दलित बस्ती, तुलसी गांव एवं हेतमपुर गांव के जले हुए ट्रांसफार्मरों को अविलंब बदलने की मांग की है। भाई दिनेश ने कहा कि ट्रांसफार्मर खराब रहने से ग्रामीणों को पेयजल, विद्यार्थियों की पढ़ाई तथा दैनिक जीवन के कार्यों में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

विषैले सांप के डंसने से गर्भवती महिला की मौत

- इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के दौरान तोड़ा दम
- गोड़ारी थाना क्षेत्र के पांडेडीह गांव में सोमवार की तड़के घटी घटना

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। रोहतास जिले के गोड़ारी थाना क्षेत्र के पांडेडीह गांव में सोमवार को विषैले के डंसने से घर में सो रही गर्भवती महिला की मौत हो गई। इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मृतका रोहतास जिले के गोड़ारी थाना क्षेत्र के पांडेडीह गांव निवासी राजा बाबू राम की 25 वर्षीया पत्नी काली कुमारी है। इधर, मृतका के भैसुर बिटेस राम ने बताया कि रविवार को सभी लोग खाना खाने के बाद सोने चले गए थे। वह भी अपने कमरे में पति के साथ सोई हुई थी। उसी बीच सोमवार की तड़के करीब साढ़े चार बजे विषैले सांप ने उसे डंस लिया। परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए गोड़ारी स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। बावजूद इसके परिजन अपने संतुष्टि को लेकर उसे तरारी के सेदहां गांव झाड़-फूंक करने के लिए ले गए। वहां भी उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार महिला की मौत का कारण स्पष्ट नही हो पा रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

आठवीं-नौवीं की किताबों के अभाव में प्रभावित हो रही पढ़ाई, छात्रों की बढ़ी परेशानी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार के सरकारी विद्यालयों में आठवीं और नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों की पढ़ाई पाठ्यपुस्तकों की कमी से प्रभावित हो रही है। नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए करीब पांच महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक सामाजिक विज्ञान भाग-दो सहित कई आवश्यक पुस्तकें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों तक नहीं पहुंच सकी हैं। इससे न केवल नियमित पढ़ाई बाधित हो रही है, बल्कि छात्रों की परीक्षा की तैयारी भी प्रभावित हो रही है। विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों का कहना है कि किताबों की अनुपलब्धता के कारण बच्चों को पढ़ाने में कठिनाई हो रही है। कई स्कूलों में प्रथम टर्म की परीक्षा भी संपन्न हो चुकी है, लेकिन बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने बिना पूरी किताब के ही परीक्षा दी। इस संबंध में विद्यालयों की ओर से बिहार राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) को पत्र लिखकर शीघ्र पुस्तक उपलब्ध कराने की मांग की गई है। शिक्षकों का कहना है कि जिन विषयों की पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं, उनकी पढ़ाई नोट्स, पुराने संस्करणों अथवा डिजिटल सामग्री के सहारे कराई जा रही है। हालांकि इससे सभी छात्रों को समान रूप से लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को इंटरनेट और डिजिटल संसाधनों की सीमित उपलब्धता के कारण अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि बाजार में निजी प्रकाशकों की पुस्तकें उपलब्ध हैं, लेकिन सरकारी विद्यालयों में निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप एससीईआरटी की पुस्तकों से ही पढ़ाई कराई जाती है। ऐसे में निर्धारित पुस्तकें समय पर नहीं मिलने से शिक्षक भी असमंजस की स्थिति में हैं कि विद्यार्थियों को किस सामग्री के आधार पर पढ़ाया जाए। यदि जल्द पुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई गईं तो इसका सीधा असर छात्रों के वार्षिक परिणाम पर पड़ सकता है। अभिभावकों ने भी सरकार और शिक्षा विभाग से मांग की है कि शेष पुस्तकों का वितरण तत्काल सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारु रूप से चल सके और वे आगामी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी कर सकें।

तीसरी मेधा सूची जारी करने की तैयारी में जुटा वीकेएसयू, पांच अगस्त तक त्रुटि सुधार का अवसर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) स्नातक प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2026-30) में नामांकन के लिए तीसरी मेधा सूची जारी करने की तैयारी में जुट गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का प्रयास है कि आवेदन में हुई त्रुटियों को दूर कर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को नामांकन का अवसर मिल सके। इसके तहत ऐसे अभ्यर्थियों को पांच अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार का मौका दिया गया है, जिनका नाम पहली और दूसरी मेधा सूची में शामिल नहीं हो सका। विश्वविद्यालय के अनुसार अब तक पहली और दूसरी मेधा सूची के माध्यम से करीब 52 हजार छात्र-छात्राओं का नामांकन हो चुका है। वहीं नामांकन के लिए लगभग 84 हजार ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे। इसके बावजूद करीब 19 हजार अभ्यर्थियों का नाम दोनों मेधा सूचियों में शामिल नहीं किया जा सका। जांच में सामने आया कि अधिकांश आवेदनों में विभिन्न प्रकार की तकनीकी और दस्तावेज संबंधी त्रुटियां थीं, जिसके कारण उनका चयन नहीं हो पाया। इनमें से करीब दो हजार छात्राओं के आवेदन रिजर्व कैटेगरी गर्ल्स से संबंधित समस्या के कारण प्रभावित हुए हैं, जबकि करीब 17 हजार आवेदनों में अन्य प्रकार की त्रुटियां पाई गई हैं। इन्हीं कमियों को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को आवेदन में संशोधन का अवसर प्रदान किया है। त्रुटि सुधार के बाद योग्य अभ्यर्थियों के नाम तीसरी मेधा सूची में शामिल किए जाएंगे। छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश राय ने बताया कि जिन छात्रों के आवेदन में त्रुटियां हैं, वे निर्धारित अवधि के भीतर सुधार अवश्य कर लें। त्रुटि सुधार के बाद पात्र अभ्यर्थियों के नाम तीसरी मेधा सूची में जोड़े जाएंगे ताकि उनका नामांकन सुनिश्चित हो सके उन्होंने बताया कि समर्थ पोर्टल के माध्यम से नामांकन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए पोर्टल दोबारा खोले जाने की आवश्यकता है, लेकिन तकनीकी कारणों से इसे अभी तक सक्रिय नहीं किया जा सका है। इसी वजह से नामांकन प्रक्रिया अपेक्षाकृत धीमी गति से चल रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन को उम्मीद है कि जल्द ही पोर्टल पुनः शुरू होने के बाद तीसरी मेधा सूची जारी कर शेष अभ्यर्थियों के नामांकन की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

चाचा की हत्या में फरार आरोपित समेत दो गिरफ्तार

- एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस एवं एक मैगजीन बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। कोईलवर थाना पुलिस ने चाचा की हत्या में फरार आरोपित भतीजे समेत दो को गिरफ्तार कर लिया। उनकी गिरफ्तारी बबुरा थाना क्षेत्र के इंग्लिशपुर गांव के पास से रविवार को हुई। तलाशी के दौरान उनके पास से एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस एवं एक मैगजीन बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों में बबुरा थाना क्षेत्र के इंग्लिशपुर गांव निवासी सुदर्शन राय का पुत्र दीपक कुमार एवं सारण (छपरा) जिले के डोरीगंज थाना क्षेत्र के चकिया गांव निवासी लालबाबू राय का पुत्र बिपिन कुमार शामिल है। दोनों दोस्त बताया जा रहे है। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक राज ने प्रेस नोट जारी कर दी। बता दें कि बीते 1 जुलाई की रात कोर्ट से गवाही देने के बाद जब दीपक कुमार अपने चाचा सूरज राय के साथ वापस गांव लौट रहा था। उसी बीच उसने थाना क्षेत्र के धर्मपुर एवं बभनौली गांव के बीच बधार में गोली मारकर अपने ही चाचा की हत्या कर दी थी और खुद को भी गोली मार कर जख्मी कर लिया था। इसके पश्चात दीपक कुमार के द्वारा अपने ही चचेरे भाई मनीष कुमार सहित अन्य लोगों के खिलाफ चाचा सूरज राय की गोली मारकर हत्या करने व खुद को गोली मार कर जख्मी करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

पुलिसिया अनुसंधान के क्रम में हत्या में दीपक कुमार की संलिप्तता सामने आया था। उसी समय से वह फरार चल रहा था। इस संबंध में कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र ने बताया कि पूछताछ के दौरान उसने बताया कि उसके पिता तीन भाई थे। उसके चाचा सूरज राय ने शादी नहीं की थी। उसे लगता था कि सब संपत्ति उसके चाचा अपने नाम कर लेंगे। इसी कारण उसने अपने चाचा की गोली मारकर हत्या करने की बात स्वीकार की है। इसके पश्चात कोईलवर थाना में पुलिस ने दीपक कुमार एवं बिपिन कुमार के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

श्रावण के प्रथम सोमवार पर शिवालयों में उमड़ी आस्था

- भोलेनाथ के जलाभिषेक को लगी श्रद्धालुओं की कतार

प्रात : किरण संवाददाता

सहार भोजपुर। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को सहार प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। प्रखंड के महादेव मंदिर सहित अन्य शिवालयों में तड़के सुबह से ही भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहा।महिला, पुरुष, बुजुर्ग और युवाओं ने गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा एवं पुष्प अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक किया तथा परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की। कई शिवालयों में भजन-कीर्तन और महामृत्युंजय मंत्र के जाप से वातावरण भक्तिमय बना रहा।आचार्य फणीभूषण तिवारी ने बताया कि श्रावण मास भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इस महीने, विशेषकर सोमवार के दिन, श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होने तथा जीवन में सुख-शांति आने की मान्यता है।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए स्थानीय स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। पूरे दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा और पूरा क्षेत्र शिवभक्ति के रंग में सराबोर दिखाई दिया।

प्रशांत किशोर की जीत की खुशी में गुलजारपुर में आज होगा हरिकीर्तन

प्रात : किरण संवाददाता

सहार भोजपुर। जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर की जीत की खुशी में सहार प्रखंड के गुलजारपुर गांव स्थित मां काली मंदिर परिसर में मंगलवार, 4 अगस्त की शाम 7 बजे से भव्य कीर्तन का आयोजन किया गया है। आयोजक ब्रजेश राय ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है।अन्य लोगों ने बताया कि यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया जा रहा है। कीर्तन में क्षेत्र के श्रद्धालु एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इस अवसर पर भजन-कीर्तन के माध्यम से मां काली की आराधना की जाएगी तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की जाएगी।

आयोजन समिति सहित पूरे गुलजारपुर के लोगों ने प्रखंड एवं आसपास के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

मोहम्मद रफी साहब की पुण्य स्मृति में आयोजित हुआ भावपूर्ण संगीतमय श्रद्धांजलि समारोह

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। नागरी प्रचारिणी सभा, करार में स्वर सम्राट मोहम्मद रफी साहब की पुण्य स्मृति में तुम मुझे यूँ भुला न पाओगे शीर्षक से एक भव्य संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मोहम्मद रफी के अमर गीतों के साथ-साथ किशोर कुमार, सुमन कल्याणपुर एवं आशा भोंसले के गीतों के माध्यम से भी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन संगीत शिक्षक एवं संगीत प्रेमी धर्मेंद्र सिंह, इकबाल, रमेश कुमार, कृति लता तथा ऋषिका शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत ऋषिका शर्मा ने शीर्षक गीत तुम मुझे यूं भुला न पाओगे... प्रस्तुत कर की। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति ने उपस्थित श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। इसके बाद जितेंद्र श्रीवास्तव ने तेरी आँखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है....तथा मोहम्मद नौशाद ने हमदम मेरे, मान भी जाओ... और क्या हुआ तेरा वादा...प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। रमेश कुमार एवं कृति लता की युगल प्रस्तुति यूँ ही तुम मुझसे बात करती हो....तथा छुप गए सारे नजारे... ने दर्शकों का मन मोह लिया। राजाराम शर्मा ने चाँद सा रोशन चेहरा... एवं तकदीर का फसाना..प्रस्तुत कर समाँ बाँध दिया। धर्मेंद्र सिंह एवं ऋषिका शर्मा ने पत्ता-पत्ता, बूटा-बूटा... की मधुर प्रस्तुति दी, जबकि सीमा भारती ने बहारों फूल बरसाओ... गाकर खूब तालियाँ बटोरीं। कुमार अनुपम ने दिल का सूना साज... तथा मुझे इश्क है तुझी से...प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अजय सिंह एवं वास्ता सिंह ने रिमझिम के गीत सावन... की मनमोहक प्रस्तुति देकर वातावरण को संगीतमय बना दिया। वहीं रमेश कुमार एवं शमशाद ने फि ल्म दोस्ताना का लोकप्रिय गीत बने चाहे दुश्मन जमाना हमारा......प्रस्तुत कर मोहम्मद रफी और किशोर कुमार की यादगार गायकी को सजीव कर दिया। कार्यक्रम के समापन पर धर्मेंद्र सिंह, शमशाद, पूर्णिमा एवं सीमा भारती ने सामूहिक रूप से देश प्रेमियों, आपस में प्रेम करो.....गीत प्रस्तुत कर प्रेम, सौहार्द और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

सीएचसी सहार की बैठक में आवश्यक सामग्रियों की खरीदारी को मंजूरी

प्रात : किरण संवाददाता

सहार। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहार में सोमवार को आयोजित प्रबंधन समिति की बैठक में अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने का आहवान किया गया। जिस के लिए आवश्यक उपकरणों, चिकित्सा सामग्रियों एवं अन्य जरूरी संसाधनों की खरीदारी के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अनुमोदित कर दिया गया। बैठक में अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं, मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं तथा विभिन्न विभागों की आवश्यकताओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता अस्पताल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रखंड विकास पदाधिकारी जनार्दन तिवारी ने की, जबकि सचिव सह चिकित्सा पदाधिकारी डाक्टर मोहन कुमार , स्वास्थ्य कर्मी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आवश्यक चिकित्सा उपकरणों, फर्नीचर, दवाओं तथा अन्य उपयोगी सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में बताया गया कि कई आवश्यक सामग्रियों ओपीडी काउंटर में पंखा, अस्पताल का रंग रोगन, खिडकी की मरम्मति, आस्पताल में आपातकाल कक्ष में एसी, अस्पताल में पयूरी फायर पानी कुलर, अस्पताल के जीएनएम,एएनएम कक्ष में एसी सहित अन्य जरूरी काम करने का प्रस्ताव पारित किया गया। इन की कमी के कारण अस्पताल संचालन में व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए समिति ने अनुमोदित कर दिया। खरीदारी प्रक्रिया को निर्धारित नियमों एवं सरकारी दिशा-निदेर्शों के अनुरूप शीघ्र पूरा करने का निर्णय लिया गया। सदस्यों ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, मरीजों के बैठने की सुविधा, चिकित्सा उपकरणों के रखरखाव तथा विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की। साथ ही अस्पताल में आने वाले मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी दूर करने पर बल दिया गया। बैठक में समिति ने अस्पताल के समग्र विकास एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए भविष्य में भी आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।स्थानीय लोगों ने समिति के इस निर्णय का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है। कि आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहार में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और अधिक बेहतर होगी तथा क्षेत्र के मरीजों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। रोगी कल्याण समिति की बैठक में शामिल अध्यक्ष, सचिव के एलावा अनिता कुमारी, राकेश सोनी, संतोष राय, बिजय चौधरी, इन्दु कुमारी, अटल अडवाणी सहित अन्य लोग शामिल थे।

न्यायालय में अंधेरा और गर्मी से बेहाल अधिवक्ताओं ने खोला मोर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर। व्यवहार न्यायालय जगदीशपुर के समक्ष बुनियादी समस्याओं और महीनों से खराब पड़े जनरेटर को ठीक न कराए जाने के विरोध में सोमवार को अधिवक्ताओं ने रोषपूर्ण प्रदर्शन किया और न्यायालय के सभी कार्यों का पूरी तरह बहिष्कार किया। इस आंदोलन की अध्यक्षता अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार चौबे ने की। अधिवक्ताओं ने गांधीवादी तरीके से अपनी आवाज बुलंद करते हुए कहा कि न्यायालय में पिछले दो-ढाई महीने से जनरेटर खराब पड़ा हुआ है। इस गंभीर समस्या को लेकर जिला जज से लेकर पटना हाईकोर्ट तक को लिखित सूचना दी गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। संघ पिछले कई महीनों से नया जनरेटर लगाने की मांग कर रहा है, पर न तो जिला जज ने इस पर ध्यान दिया और न ही पटना हाईकोर्ट ने इसका संज्ञान लिया। बिजली कटने से कार्य बाधितः अदालत परिसर में प्रतिदिन दो से ढाई घंटे बिजली कटने के कारण न्यायिक कार्य पूरी तरह बाधित होते हैं और कमरों में अंधेरा छा जाता है। बिजली न होने के कारण माननीय न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं और दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मुवक्किलों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यदि पटना हाईकोर्ट द्वारा इस पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो अधिवक्ता संघ अनवरत (लगातार) कोर्ट का बहिष्कार जारी रखेगा। वक्ताओं ने कहा कि जगदीशपुर व्यवहार न्यायालय में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है, जो अब विकराल रूप ले चुका है। संघ ने अविलंब पुराना और खराब जनरेटर बदलकर नया जनरेटर लगाने की पुरजोर मांग की है।

पीरो अनुमंडलीय अस्पताल में नसबंदी के बाद महिलाओं को नहीं मिली चादर व नाश्ता

पीरो (आरा)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सह अनुमंडलीय अस्पताल, पीरो में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की खामियां एक बार फिर सामने आई हैं। सोमवार को अस्पताल में शारदा कुमारी (ग्राम- चिलबिलिया), सविता देवी (ग्राम- चिलबिलिया) तथा ऋचा कुमारी (ग्राम- केवटिया, अगीआंव बाजार) का सफलतापूर्वक बंध्याकरण (नसबंदी) किया गया। बंध्याकरण के बाद जब दैनिक जागरण की टीम अस्पताल पहुंची तो ऑपरेशन के बाद भर्ती महिलाओं के बेड पर चादर तक उपलब्ध नहीं थी। मरीजों ने बताया कि उन्हें न तो नाश्ता और भोजन दिया गया और न ही इस संबंध में किसी प्रकार की जानकारी दी गई। महिलाओं का कहना था कि ऑपरेशन के बाद उन्हें आवश्यक सुविधाओं के लिए इंतजार करना पड़ा।

विषम परिस्थितियों में ड्यूटी निभाने वाले पुलिसकर्मी हमारे समाज के रक्षक: अमित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। सामाजिक सरोकार और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए शाहाबाद दुग्ध संघ, आरा द्वारा सोमवार को ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को हेलमेट बांटे गये। सुधा डेयरी के प्रबंध निदेशक अमित कुमार सुमन द्वारा भोजपुर जिले की यातायात व्यवस्था में तैनात 10 पुलिसकर्मियों को गुणवत्तापूर्ण हेलमेट प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि यातायात डीएसपी मनोज कुमार सुधांशु एवं बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक सुबोध कुमार शर्मा उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान प्रबंध निदेशक श्री सुमन ने कहा कि जिले की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और कड़ी धूप व विषम परिस्थितियों में अपनी ड्यूटी निभाने वाले पुलिसकर्मी हमारे समाज के रक्षक है। उनकी सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी आम नागरिकों की। यातायात डीएसपी ने सुधा डेयरी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सड़क, सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक व व्यावसायिक संस्थानों की सहभागिता अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने आम लोगों से भी दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

जिला पदाधिकारी ने जनता दरबार में सुनी 100 से अधिक आमजनों की समस्याएँ

पदाधिकारियों को निर्देश, अधिकाधिक समस्याओं का ऑन द स्पॉट किया जाए निवारण

प्रातः किरण संवाददाता

गया। जिला पदाधिकारी, गया शशांक शुभंकर ने समाहरणालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लगभग 100 से अधिक आमजनों की समस्याएँ सुनीं है। इस अवसर पर भूमि विवाद, आवास योजना, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें, पेंशन योजना, मुआवजा, घरेलू हिंसा, शिक्षा विभाग से संबंधित विषयों समेत अन्य मामलों को लोगों ने जिलाधिकारी के समक्ष रखा है। जिला पदाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को संबंधित प्रकरणों का त्वरित एवं निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बांकीपुर विधान सभा उप चुनाव में जन सुराज पार्टी की शानदार जीत

● जन सुराज के नेतागण, कार्यकर्ता व समर्थकों में खुशी की लहर

प्रातः किरण संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। जन सुराज पार्टी के बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अजीत कुमार ने कहा कि बांकीपुर विधान सभा उप चुनाव में प्रशांत किशोर जी ने 18953 मतों से शानदार जीत दर्ज की है। जन सुराज पार्टी के नेतागण, कार्यकर्ता व समर्थकों में खुशी व जश्न का माहौल है। अजीत कुमार ने कहा कि बांकीपुर के मतदाताओं ने भाजपा के अहंकारी प्रवृत्ति को तोड़ते हुए प्रदेश में आने वाले चुनावों में बेहतर प्रत्याशी ही मतदाताओं के विकल्प होंगे। प्रशांत किशोर जी के विचारधारा व बेहतर बिहार बनाने के सपने को पूरा करने के लिए मतदाताओं ने जाति, धर्म व पार्टी से ऊपर उठकर मतदान किये, प्रदेश में शांति, कानून व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि व पलायन जैसी समस्याओं के समाधान के लिए विधान सभा में आवाज को बुलंद करेंगे। प्रशांत किशोर जी के शानदार जीत पर मगध क्षेत्र के प्रभारी नंद किशोर यादव, जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा, महासचिव भगवान सिंह, महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अर्चना चंद्र यादव, रंजन कुमार सिंह, व्यावसायिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कुमार राजेश, ओबरा विधान सभा चुनाव प्रभारी कमलेश कुमार विकल, प्रखंड सचिव युगल किशोर पांडेय, रंजीत कुमार, मनीष कुमार आदि ने बधाई व शुभकामनाएं दी है।

बारुण ब्लॉक के 17 सीआरसी केंद्रों पर कार्यशाला आयोजित

औरंगाबाद। जिले के बारुण ब्लॉक अंतर्गत शिक्षण गुणवत्ता में सुधार हेतु चलाए जा रहे ह्रटीचिंग एट द राइट लेवल कार्यक्रम के तहत 17 क्लस्टर रिसोर्स सेंटर में एक दिवसीय संयुक्त कार्यशाला आयोजित की गई। संकुल संसाधन व्यक्तियों द्वारा संचालित इस कार्यशाला में कक्षा 3 से 5 के बच्चों के भाषा और गणितीय कौशल को मजबूत करने पर विशेष चर्चा हुई। बीडीओ सह प्रभारी बीईओ बारुण नीरज कुमार ने बताया कि बच्चों में बुनियादी समझ विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। 5 अगस्त तक सभी विद्यालय अनिवार्य रूप से बेसलाइन असेसमेंट पूरा करें। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के प्रतिनिधि डॉली कुमारी ने बताया कि ह्रखेल-खेल में गणित और भाषा सिखाने के लिए, मैनुअल और स्कैनर आधारित गतिविधियाँ काफी मददगार हैं।

संक्षिप्त खबरें

04 अगस्त के सहयोग शिविर का आयोजन अब 05 अगस्त को होगा

गया। बिहार सरकार द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को प्रखंड अंतर्गत पंचायतों एवं नगर निकायों के वार्डों में सहयोग शिविर आयोजित किए जाने का प्रावधान है। निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुसार यदि प्रथम अथवा तृतीय मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित रहता है, तो सहयोग शिविर का आयोजन अगले कार्य दिवस को पूर्व निर्धारित स्थल पर किया जाता है। 04 अगस्त 2026 (मंगलवार) को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर के दिन चेहल्लुम के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित रहने के कारण अब यह शिविर 05 अगस्त 2026 (बुधवार) को पूर्व निर्धारित पंचायतों एवं नगर निकायों के वार्डों में आयोजित किया जाएगा। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सहयोग शिविर के सफल आयोजन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करें, ताकि आम नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराया जा सके। जिला पदाधिकारी ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे 05 अगस्त 2026 को आयोजित सहयोग शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं आवेदन का निष्पादन कराएं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्राप्त करें।

प्रथम राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के 140वीं जयंती पर सामयिक संवाद

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था समकालीन जवाबदेही परिवार के तत्वावधान में भारत के महान साहित्यकार प्रथम राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की 140 वीं जयंती के अवसर पर सामयिक संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया।समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा के आह्वान पर पत्रिका के प्रवक्ता सुरेश विद्यार्थी ने संवाद के क्रम में बताया कि मैथिलीशरण गुप्त ने अपनी रचनाओं के माध्यम से आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उनके भारत भारती काव्य के प्रेरणा से कितने भारतीयों के अंदर राष्ट्रवाद की प्रेरणा जगी और वे आजादी की लड़ाई में कूद पड़े थे। उनकी भारत भारती रचना पर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें प्रथम राष्ट्रकवि की उपाधि देकर हिंदी भाषियों का गौरव बढ़ाया था।गुप्त जी ने खड़ी बोली को अपनी रचनाओं का माध्यम बनाया और उसे समृद्ध कर उत्कृष्ट प्रदान की।उनकी कविताओं में राष्ट्रीय चेतना, देश प्रेम और समाजवाद की भावना भरी थी। साकेत महाकाव्य, यशोधरा,पंचवटी,जयद्रथ वध, द्वापर हिंदी काव्य की पृष्ठभूमि रचनाएं हैं।गुप्त जी के प्रेरणा स्रोत आधुनिक हिंदी साहित्य के पितामह महावीर प्रसाद द्विवेदी को माना जाता है।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय जगदीशपुर में हिंदी एवं गणित की कार्यशाला आयोजित

औरंगाबाद। बारुण प्रखंड के संकुल संसाधन केंद्र उत्क्रमित मध्य विद्यालय जगदीशपुर के सभागार में एफ एल एन ट्रेनिंग के निमित्त दो दिवसीय कार्यशाला के अंतिम दिन संकुल के अधीन विभिन्न विद्यालयों से नामित कक्षा चार से आठ के शिक्षकों की कार्यशाला सफलतापूर्वक क्रियान्वित हुआ।ट्रेनर के रूप में उपस्थित अनुज कुमार पटेल ने शिक्षकों को प्रशिक्षण के माध्यम से बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 के तहत कक्षा चार से आठ तक के बच्चों को संख्या एवं अक्षर ज्ञान से पूर्ण परिचित कराकर असर टेस्टिंग, टूल दक्षता चाइल्ड को मूर्त रूप प्रदान कराया जाए।कक्षा चार से आठ तक के बच्चों को संख्या ज्ञान और भाषा ज्ञान की दक्षता का आकलन करते हुए बच्चों के समेकन के माध्यम से संकुल में दिए गए बेसलाइन के तहत 5 अगस्त को सुपुर्द करना है।

गया जंक्शन पर वाणिज्य पर्यवेक्षक अख्तर हुसैन को भावभीनी विदाई

प्रातः किरण संवाददाता

गया। गया जंक्शन स्थित न्यू बिल्डिंग टिकट बुकिंग कार्यालय परिसर में रविवार को वाणिज्य पर्यवेक्षक अख्तर हुसैन के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर उनके कार्यकाल की सराहना की और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि अख्तर हुसैन ने अपने पूरे सेवाकाल में पूरी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया। उन्होंने हमेशा यात्रियों की सुविधाओं को प्राथमिकता दी और अपने सहयोगी कर्मचारियों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखा। उनके सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और कार्य के प्रति जिम्मेदार रवैये को सभी ने प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर वाणिज्य पर्यवेक्षक (सामान्य) शैलेश कुमार, मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक रंजीत कुमार, ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के अधिकारी मिथिलेश कुमार, आरक्षण पर्यवेक्षक मसूद अख्तर सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर अख्तर हुसैन को सम्मानित किया। अपने संबोधन में अख्तर हुसैन ने सहकर्मियों के स्नेह और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गया जंक्शन में बिताया गया समय उनके जीवन की अमूल्य धरोहर रहेगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों से सदैव टीम भावना के साथ कार्य करते हुए यात्रियों को बेहतर सेवाएं देने का आह्वान किया। समारोह का समापन सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

जीबीएम कॉलेज में अंग्रेजी विभाग ने स्पीच कम्पटीशन एवं फ्यूजन डान्स कम्पटीशन का किया आयोजन

● स्वतंत्रता पखवाड़ा - 2026 के तहत द रोल ऑफ इंडियन इंग्लिश पोएट्स इन द फ्रीडम मूवमेंट विषय पर हुईं प्रतियोगिताएँ

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज के सावित्री महाजन सभागार में अंग्रेजी विभाग एवं रेनबो क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्वतंत्रता पखवाड़ा - 2026 के तहत द रोल ऑफ इंडियन इंग्लिश पोएट्स इन द फ्रीडम मूवमेंटह्व विषय पर स्पीच कम्पटीशन एण्ड फ्यूजन डान्स कम्पटीशनह्व का आयोजन हुआ। प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल के संरक्षण में प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयोजन अंग्रेजी विभाग की सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी, सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ पूजा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अफ्शां नाहिद एवं डॉ शबाना परवीन हुसैन ने संयुक्त रूप से किया है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या एवं मंचासीन प्रोफेसरों ने दीप प्रज्वलित करके किया गया है। अंग्रेजी विभाग की छात्रा अन्या, सौम्या, अनु, सिमरन, रागिनी एवं कशिश ने इंग्लिश में वेलकम सॉन्ग की सुमधुर प्रस्तुति दी। डॉ शबाना ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए प्रतियोगिताओं के नियमों पर प्रकाश डाला। भाषण प्रतियोगिता में अंग्रेजी विभाग के प्रथम, तृतीय, पाँचवे एवं सातवें सेमेस्टर की छात्रा अनु कुमारी, शिवरानी, रीति, सौम्या, समृद्धि, कोमल सोनी, सिमरन, संध्या प्रिया, काजल कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, कोमल ने बढ़चढ़कर भाग लिया है। फ्यूजन डांस में अनुष्का, अंजली, सौम्या, खुशी, रागिनी, श्रुति, श्वेता, आशु भारती, सिमरन की शानदार प्रतिभागिता रही है। अंग्रेजी भाषा में देशभक्ति गीतों पर आधारित नृत्यों की प्रस्तुति से पूरा सभागार झूम उठा। छात्राओं ने फ्यूजन डांस की तैयारी डॉ अफ्शां नाहिद की देखरेख में किया। निर्णायक मंडल के सदस्यों में डॉ पूजा राय, डॉ विजेता लाल, प्रीति शेखर, डॉ. नगमा शादाब, डॉ अनामिका कुमारी, एवं डॉ बनीता कुमारी रहीं हैं। डॉ पूजा ने परिणाम की घोषणा की। प्रस्तुतीकरण की उत्कृष्टता के आधार पर स्पीच कम्पटीशन में अंग्रेजी विभाग की छात्रा रीति प्रथम, शिवरानी द्वितीय, अनु कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं हैं। वहीं फ्यूजन डांस कम्पटीशन में खुशी प्रथम, श्रुति द्वितीय, एवं रागिनी तृतीय स्थान पर रहीं हैं। सभी विजेता प्रतिभागियों को प्रधानाचार्य डॉ पटेल ने प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान करके सम्मानित किया। प्रधानाचार्या ने अंग्रेजी विभाग को एक अच्छे कार्यक्रम के आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्यक्रम भले ही कुछेक घंटों का दिखता है, किंतु उसके पीछे छात्राओं, संबंधित शिक्षकों, एवं शिक्षकेतर कर्मियों की बड़ी मेहनत लगी होती है। इस कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग की सेमेस्टर सेवन की अन्या गुप्ता ने किया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संचिता, श्रेया, प्रिया सिंह आदि की भूमिका रही। धन्यवाद ज्ञापन डॉ रश्मि प्रियदर्शनी ने किया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में इंडियन इंग्लिश पोएट्स के अविस्मरणीय योगदान पर विचार रखते हुए सभी को देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस की आगामी शुभकामनाएं दीं है। इस कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।कार्यक्रम में डॉ शगुफ्ता अंसारी, प्रो अफशां सुरैया, डॉ कृति सिंह आनंद, डॉ अमृता कुमारी घोष, डॉ शुचि सिन्हा, डॉ प्यारे माँझी, डॉ फरहीन वजीरी, डॉ रुखसाना परवीन, डॉ सपना पांडे, डॉ. वीणा कुमारी जायसवाल, डॉ सुनीता कुमारी, डॉ सुरबाला कृष्णा, डॉ दीपिका, डॉ गणेश प्रसाद, रौशन कुमार, अभिषेक कुमार, अजीत कुमार की उपस्थिति रही है।

इनर व्हील क्लब आफ गया सिटी का 19वां इन्स्टालेशन समारोह एवं सावन मिलन कार्यक्रम

प्रातः किरण संवाददाता

गया। शहर के कटारी हिल स्थित पाम गार्डेन मे इनर व्हील क्लब आफ गया सिटी का 19वां पदस्थापना समारोह एवं सावन मिलन कार्यक्रम अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।यह पूरा आयोजन क्लब की नवनिर्वाचित अध्यक्ष सिमता भदानी के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया है।इस समारोह की शुरूआत दीप प्रज्वलित एवं इनर व्हील प्रार्थना के साथ हुआ है।इसके पश्चात इन्स्टालेशन प्रोगाम के तहत निवर्तमान अध्यक्ष सीमा भदानी ने अध्यक्षीय कालर एवं दायित्व नई अधयक्ष सिमता भदानी को सौंपा एवं न ई कार्यकारिणी समिति को आधिकारिक रुप से दायित्व सौंपा गया हु।पदभार ग्रहण करने के बाद कलब की अध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में कहा कि कलब समाज सेवा और महिलाओं के सशक्तिकरण के अपने संकल्प को ओर अधिक मजबूती से आगे बढायेगा।आने वाले स्श्र में जरुरतमंदों की मदद, शिक्षा और सामाजिक कार्य किए जायेंगे। पदस्थापना के पश्चात सावन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें क्लब की सभी सदस्यों ने पारंपरिक हरे परिधानों में शामिल हुए हैं। सावन के सुहावने मौसम के बीच एक दूसरे को सावन की बधाई दी और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवम मनोरंजक खेलों का आनंद लिया है। कार्यक्रम मे क्लब की सभी पदाधिकारि और सदस्य मौजूद रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान कार्यक्रम का सीयूएसबी में लाइव प्रसारण, 500 से अधिक छात्र हुए शामिल

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान के लाइव प्रसारण का सामूहिक रूप से अवलोकन किया गया है। विश्वविद्यालय के विवेकानन्द सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. के. एन. सिंह के साथ बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार, बिहार सरकार के लघु जल संसाधन विभाग के मंत्री संतोष कुमार सुमन, औरंगाबाद के सांसद अभय कुशवाहा, एलएलसी जीवन कुमार, गया के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर सहित अन्य गणमान्य अतिथि, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ह्यनशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ करते हुए इसे युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से मुक्त करने तथा विकसित भारत 2047 के निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने की दिशा में एक राष्ट्रीय पहल बताया। उन्होंने देश के युवाओं से नशामुक्त रहने का संकल्प लेने तथा स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाकर विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नशीले पदार्थ कुछ समय के लिए उत्साह का अनुभव अवश्य करा सकते हैं, किन्तु अंततः वे व्यक्ति के करियर, सपनों और व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद कर देते हैं। उन्होंने विशेष बल देते हुए कहा कि विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए स्वस्थ, जिम्मेदार और सशक्त युवाओं की आवश्यकता है, जो भारत को सतत विकास एवं राष्ट्रीय प्रगति की दिशा में आगे ले जा सकें। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अभियान केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवारों, शिक्षण संस्थानों, समुदायों और पूरे समाज के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने नशे की रोकथाम तथा युवाओं के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करने में सभी हितधारकों की सामूहिक जिम्मेदारी पर बल दिया है। बढ़ते मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि अवैध मादक पदार्थों का कारोबार न केवल व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि देश की सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता के लिए भी गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी अक्सर ऐसी गतिविधियों से जुड़ी होती है जो राष्ट्रहित के विरुद्ध होती हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को नशा उन्मूलन के प्रयासों में सक्रिय सहयोग देना चाहिए। मोदी ने समाज से नशे की लत से उबर चुके व्यक्तियों के प्रति अपनी सोच बदलने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि जो लोग नशे की लत पर विजय प्राप्त करते हैं, वे साहसी व्यक्ति हैं और उन्हें सम्मान, गरिमा तथा जीवन में नई शुरूआत का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुनर्वास एवं सामाजिक स्वीकृति ऐसे लोगों को मुख्यधारा में पुनः स्थापित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने योग, ध्यान और सामुदायिक सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने, योग और ध्यान को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा नशे से दूर रहने का आह्वान किया है। इस अभियान के शुभारंभ के साथ ही देशभर में 100 सप्ताह तक चलने वाले जन भागीदारी अभियान की शुरूआत हुई है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक रविवार को विभिन्न जागरूकता एवं जनसहभागिता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गया कॉलेज, गया में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के पांचवें दिन योग, पौधारोपण एवं नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम का सफल आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

गया कॉलेज, गया में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन की शुरूआत प्रातःकालीन योगाभ्यास से हुई है। योग सत्र में विपश्यना साधना का अभ्यास डॉ हिमांशु कुमार, रिसर्च फेलो, मगध विश्वविद्यालय द्वारा कराया गया जिसमें स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विपश्यना ध्यान को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार मानते हुए दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया है। योग के उपरांत गया कॉलेज, गया के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र के संरक्षण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में महाविद्यालय परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया है।इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य की अमूल्य धरोहर भी हैं। स्वयंसेवकों ने पौधों की नियमित देखभाल करने का भी संकल्प लिया।इसके पश्चात महाविद्यालय के मुंशी प्रेमचंद सभागार में नारी सशक्तिकरण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ है। इस अवसर पर गया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र ,गया कॉलेज वूमेन सेल की समन्वयक ,डॉ. रूनू रवि इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. स्नेहलता, संकल्प एन.जी.ओ. की सह-संस्थापक डॉ. सुरभि कुमारी की गरिमामयी उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार मिश्र द्वारा की गयी है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र ने कहा कि महिलाओं का सम्मान और उनकी समान भागीदारी किसी भी विकसित समाज की पहचान है। उन्होंने स्वयंसेवकों से समाज में महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया है।वहीं डॉ. सुरभि कुमारी ने किशोरियों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष रूप से मासिक धर्म (माहवारी) विषय पर वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक जानकारी दी है। द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित जे के मालवीय तथा अतिथि वक्ता के रूप में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित मैक्स अवस्थी ने अपने विचार रखें। मैक्स अवस्थी ने अपने युवाओं को सफलता का संबंध प्रेरणादायक संबोधन में युवाओं को सफलता का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास से ही जीवन में बड़ी उपलब्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। उन्होंने अपने राष्ट्रपति सम्मान तक की प्रेरणादायक यात्रा साझा करते हुए स्वयंसेवकों को समाज सेवा के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित किया है। शिक्षाविद् जे.के. मालवीय ने स्वयंसेवकों को सामाजिक जागरूकता के प्रभावी माध्यम के रूप में नुक्कड़ नाटक की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि एक सशक्त नाटक समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

डॉ. शशांकधर शेखर असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयनित

औरंगाबाद। जिले के केताकी ग्राम निवासी डॉ. शशांकधर शेखर का चयन बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग द्वारा हिंदी विषय के असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर किया गया है। इस उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है तथा परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है। डॉ. शेखर ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के आशीर्वाद, ईश्वर की कृपा एवं कठिन परिश्रम को दिया है। वे प्रारंभ से ही मेधावी एवं अध्ययनशील छात्र रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है। डॉ. शशांकधर शेखर ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से विधि स्नातक (एलएलबी) की डिग्री प्राप्त की है तथा मगध विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि हासिल की है। वे वर्तमान में पटना उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत हैं और गौरक्षा एवं सामाजिक कार्यों से भी लंबे समय से जुड़े रहे हैं। उनके चयन की सूचना मिलते ही परिवारजनों सहित शुभचिंतको में हर्ष का माहौल है। परिजनों ने इसे परिवार के लिए गौरव का क्षण बताया है। स्थानीय लोगों ने आशा व्यक्त की है कि डॉ. शेखर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगे और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे।

मूल कार्यकताओं की उपेक्षा का परिणाम है बांकीपुर का चुनावी नतीजा

प्रातः किरण संवाददाता

करपी। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के परिणाम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता, पूर्व जिला पार्षद, वैश्यझ्अतिपिछड़ा एकता मंच के अध्यक्ष एवं बिहार प्रदेश पंचायतीराज प्रकोष्ठ के सह-संयोजक आनंद कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि यह चुनावी परिणाम संगठन के मूल एवं समर्पित कार्यकताओं की लगातार उपेक्षा तथा आयातित नेताओं एवं चापलूस प्रवृत्ति के लोगों को प्राथमिकता दिए जाने का स्वाभाविक परिणाम है। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की सबसे बड़ी पूंजी उसके वे निष्ठावान कार्यकर्ता होते हैं, जिन्होंने वर्षों तक बिना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के संगठन की विचारधारा और जनाधार को मजबूत करने के लिए संघर्ष किया है। यदि ऐसे समर्पित कार्यकताओं की अनदेखी कर चुनावी मौसम में आए अवसरवादी चेहरों को सम्मान, जिम्मेदारी और टिकट दिया जाता है, तो इससे जमीनी कार्यकताओं का मनोबल कमजोर होता है और उसका प्रतिकूल प्रभाव चुनावी परिणामों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। चंद्रवंशी ने कहा कि किसी भी दल की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता, मजबूत संगठनात्मक संस्कृति और कार्यकर्ता-आधारित व्यवस्था में निहित होती है, न कि केवल चुनावी समय में जुड़े व्यक्तियों में। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से आग्रह किया कि भविष्य में संगठन को और अधिक सशक्त एवं जनाधारयुक्त बनाने के लिए मूल कार्यकताओं के सम्मान, समर्पण और वर्षों के योगदान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही किसी भी मजबूत, अनुशासित और दीर्घकालिक सफलता प्राप्त करने वाले संगठन की वास्तविक पहचान और शक्ति होती है।

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय बेला में दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

औरंगाबाद। जिले के देव प्रखंड स्थित उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय बेला सीआरसी में दो दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण जो भाषा एवं गणितीय ज्ञान पर आधारित है,का प्रारंभ सीआरसी समन्वयक सह प्रधानाध्यापक रितेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षक के रूप में प्राथमिक विद्यालय आनंदपुरा के प्रधान शिक्षक जितेंद्र कुमार सिंहा ने संकुल के अधीन नामित शिक्षकों को हिंदी एवं गणित के संख्या पर आधारित प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर शिक्षक मंतोष कुमार ने सभी शिक्षकों एवं अतिथियों के प्रति स्वागत वाचन किया एवं प्रशिक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। मौके पर अविनाश कुमार,मुकेश कुमार,दिलीप कुमार, सुनील कुमार,इरशाद अली,शोभा कुमारी,सोनी कुमारी,खुशबू कुमारी,अंजली कुमारी एवं अन्य सभी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ विकास सिंह के द्वारा किया गया।

गायत्री शक्तिपीठ जम्होर में सावन के प्रथम सोमवारी पर शिव चर्चा का आयोजन

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर के अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन के समीप अवस्थित गायत्री शक्तिपीठ के प्रांगण में सनातनी परंपरा का महान पर्व सावन के प्रथम सोमवारी के मौके पर गायत्री शक्तिपीठ के परिसर में स्थित देवाधिदेव महादेव भगवान शिव के सान्निध्य में शिव चर्चा का आयोजन किया गया। समाजसेवी महिला रिंकी देवी के संयोजकत्व में शिव चर्चा में भगवान शिव के नाम का संकीर्तन किया गया,उनके जीवन वृत्त पर आधारित विभिन्न कथाओं के माध्यम से लोगों ने अपना वक्तव्य दिया कहा कि भगवान शिव का परिवार एक ऐसे परिवार के रूप में जाना जाता है जहां विपरीत परिस्थितियों के लोग रहते हुए भी आपसी सामंजस्य को बरकरार रखते हैं

बंडी वार्ड 13 में 5 एचपी मोटर लगाने की मांग जिला परिषद सदस्य ने डीएम को सौंपा आवेदन

गया जी। नीमचक बथानी।नीमचक बथानीप्रखंड के मनियारा पंचायत अंतर्गत ग्राम बंडी के वार्ड संख्या 13 में बढ़ते जल कनेक्शनों के कारण 3 एचपी मोटर से पर्याप्त जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। इस समस्या को लेकर जिला परिषद सदस्य गुलिस्ता खातून ने जिला पदाधिकारी, गया को आवेदन देकर 3 एचपी मोटर के स्थान पर 5 एचपी मोटर लगवाकर नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। आवेदन की प्रतिलिपि कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (PHED), गया को भी भेजी गई है।

संकुल संसाधन केन्द्र बरंडारामपुर में हिंदी भाषा के शिक्षकों का कार्यशाला सम्पन्न

औरंगाबाद। जिले के देव प्रखण्ड स्थित संकुल संसाधन केंद्र उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, बरंडारामपुर में हिंदी भाषा के शिक्षकों का कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसमें, संकुल के अंतर्गत कुल 6 प्राथमिक व कुल 4 मध्य विद्यालयों से कुल 14 शिक्षक/ शिक्षिकाओं ने कार्यशाला में भाग लिया। मास्टर प्रशिक्षक सह रिसोर्स पर्सन डॉ. शशि भूषण कुमार सिंह ने उपस्थित शिक्षक/शिक्षिकाओं को हिंदी के एफ एल एन एवं टीचिंग ऐट राइट लेवल के लक्ष्य,असर टेस्टिंग टूल,दक्षता चाइल्ड वाइज स्कूल प्रपत्र समेकन,कक्षा संचालन,बेस लाइन 5 अगस्त तक हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया गया।मैनुअल पर चर्चा,स्कैनर से भाषा से संदर्भित खेल गतिविधि पर चर्चा करते हुए विस्तार से उपस्थित शिक्षक/शिक्षिकाओं को समझाया। वहीं रिसोर्स पर्सन रंजन कुमार ने इसे धरातल पर सही - सही लागू करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह तभी संभव पाएगा जब हम सब शिक्षक इसमें तत्परता दिखाते हुए कार्य करेंगे। संकुल के संरक्षक डॉ. रजनीकांत रंजन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मंत्री नंद किशोर राम के औचक निरीक्षण में खुली अस्पतालों की पोल, अधिकारियों को लगाई फटकार

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बिहार सरकार के मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री नंद किशोर राम ने सोमवार को बगहा स्थित अनुमंडलीय अस्पताल और पशु अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अस्पतालों में कई तरह की अव्यवस्थाएं सामने आने पर उन्होंने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए शीघ्र सुधार के निर्देश दिए।

सबसे पहले मंत्री ने पशु अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर में अतिक्रमण, जर्जर भवन और साफ-सफाई की बदहाल व्यवस्था देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल अतिक्रमण हटाने, भवन की मरम्मत कराने और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके बाद मंत्री अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे। यहां कई विभागों में चिकित्सकों की अनुपस्थिति, वार्डों में गंदगी, मरीजों के बेड पर चादरों की कमी तथा अन्य व्यवस्थागत खामियां सामने आईं।

मंत्री ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर मरीजों से बातचीत की और उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान लंबे समय से बंद पड़े शिशु अस्पताल का भी जायजा लिया गया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि अस्पतालों की व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए, ताकि मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण इलाज एवं सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

गोरखपुर अंडर-25 शतरंज प्रतियोगिता के चैंपियन बने प्रबल सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। गोरखपुर जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में 2 अगस्त को आयोजित एक दिवसीय अंडर-25 शतरंज प्रतियोगिता में पश्चिम चंपारण के बागहा निवासी प्रबल सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता में बिहार और उत्तर प्रदेश के 48 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रबल सिंह ने पांच राउंड की प्रतियोगिता में 4.5 अंक अर्जित कर पहला स्थान प्राप्त किया। उन्होंने पहले राउंड में जिज्ञांश श्रीवास्तव, दूसरे में सुयश श्रीवास्तव, तीसरे में रक्षित शेखर द्विवेदी तथा चौथे राउंड में आदित्य कुमार गुप्ता को पराजित किया। अंतिम राउंड में उनका मुकाबला श्रेयांस श्रीवास्तव से ड्रॉ रहा। पूरे टूर्नामेंट में प्रबल एक भी मुकाबला नहीं हारे। प्रबल सिंह बगहा निवासी प्रेम शंकर सिंह के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें 1500 रुपये नकद, ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रबल की सफलता पर चंपारण शतरंज अकादमी के संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन ने खुशी जताते हुए बताया कि अकादमी की ओर से खिलाड़ियों को निःशुल्क ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रबल भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगे। इस उपलब्धि पर चंपारण शतरंज अकादमी के निदेशक नवीन जायसवाल, मुख्य संरक्षक डॉ. मोहम्मद गुलजार, संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन, भानु बरनवाल, प्रेम शंकर सिंह, मनीष कुमार सहित खेल प्रेमियों ने प्रबल सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त खबरें

25 लीटर देसी शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार, प्राथमिकी दर्ज

बगहा। नौरंगिया थाना पुलिस ने शराबबंदी कानून के तहत कार्रवाई करते हुए 25 लीटर देसी शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष राज रौशन ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर एक व्यक्ति को 25 लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान पंचदेव चौहान (55 वर्ष), पिता स्व. रोपन चौहान, निवासी थाना मधुबनी के रूप में हुई है। मौके से 20 लीटर क्षमता वाले प्लास्टिक गैलन में भरी शराब तथा 5 लीटर क्षमता वाले गैलन में रखी शराब बरामद की गई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2016 की सुसंगत धाराओं के तहत नौरंगिया थाना कांड संख्या 77/26 दर्ज किया गया है। मामले की जांच अवर निरीक्षक राकेश कुमार को सौंपी गई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने कहा कि शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

चेन्नई में रेलवे कर्मी की संदिग्ध मौत, गांव पहुंचा शव; परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

बगहा। बगहा पुलिस जिला के बथवरिया थाना क्षेत्र के बथवरिया गांव निवासी 26 वर्षीय रेलवे कर्मी विकास कुमार यादव की चेन्नई में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना 30 जुलाई की देर रात की बताई जा रही है। रविवार को उनका शव पैतृक गांव पहुंचा, जहां परिजनों और ग्रामीणों की आंखें नम हो गईं। शोकाकुल माहौल के बीच पारंपरिक रीति-रिवाज से उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। मृतक के छोटे भाई हरिकेश कुमार ने बताया कि विकास कुमार यादव की वर्ष 2023 में भारतीय रेलवे में नौकरी लगी थी। वह चेन्नई में ग्रुप-डी के तहत पॉइंट्समैन ह्यबीह्म के पद पर कार्यरत थे। घटना वाली रात करीब 10 बजे उनकी वीडियो कॉल पर विकास से बातचीत हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने घर-परिवार का हालचाल पूछा और किसी भी तरह की परेशानी या तनाव का जिक्र नहीं किया। परिजनों ने बताया कि स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है और शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। उनका कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। विकास कुमार यादव दो भाइयों में बड़े थे और अविवाहित थे। उनकी असामयिक मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है। वहीं, परिजनों ने मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच कर सच्चाई सामने लाने की मांग की है।

बाघ हमले में मृतक के परिजनों को मिला 10 लाख रुपये का मुआवजा

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वन प्रमंडल-2) के अधिकारियों ने बाघ के हमले में जान गंवाने वाले आकलू यादव के परिजनों को सरकार की ओर से निर्धारित मुआवजा राशि प्रदान की। सोमवार को वाल्मीकिनगर वन प्रमंडल-2 के रेंजर सत्यम कुमार मृतक के घर पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि मृतक की पत्नी को परिवार के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में 9 लाख 80 हजार रुपये का चेक सौंपा गया। घटना के तत्काल बाद अंतिम संस्कार एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए मृतक के पुत्र को 20 हजार रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी गई थी। इस प्रकार मृतक के परिजनों को कुल 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है। उन्होंने बताया कि वन विभाग पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और भविष्य में भी किसी प्रकार की आवश्यकता होने पर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। विभाग ने लोगों से जंगल से सटे क्षेत्रों में सतर्क रहने तथा वन्यजीवों की गतिविधियों की सूचना तत्काल वन विभाग को देने की अपील भी की है।

बाघ की चहलकदमी से वन विभाग अलर्ट

● सीमावर्ती गांवों में माइकिंग कर लोगों को किया जा रहा सतर्क

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) से निकलकर सीमावर्ती गांवों में बाघ की लगातार चहलकदमी को देखते हुए वन विभाग पूरी तरह अलर्ट हो गया है। चिउटाहां वन क्षेत्र के आसपास बाघ की मौजूदगी की पुष्टि होने के बाद विभाग ने शनिवार रात ध्वनि विस्तारक यंत्र से माइकिंग कर ग्रामीणों को सतर्क किया। लोगों से जंगल और उससे सटे क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही से बचने तथा पूरी सावधानी बरतने की अपील की गई। वन विभाग के अनुसार, वीटीआर के रघिया जंगल से निकला एक बाघ पिछले करीब दो सप्ताह से रामनगर प्रखंड के रिहायशी और मैदानी इलाकों में घूम रहा है। इस दौरान बाघ को भावल गांव के पश्चिम मसान नदी के सरेह, बड़ा बेलवा, डुमरी पथरी और कठरवा क्षेत्र के आसपास देखा गया है। कुछ दिन पहले बड़ा बेलवा में मसान नदी किनारे झाड़ियों में छिपे बाघ ने एक गाय के बछड़े का शिकार भी किया था। इसके बाद से आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। वन विभाग की ट्रैकिंग टीम को चिउटाहां वन क्षेत्र में बाघ के ताजा पगमार्क मिले हैं। इसके आधार पर टीम लगातार गश्त कर रही है और बाघ की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वनकर्मी संभावित आवाजाही वाले इलाकों में लगातार निगरानी कर रहे हैं ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। चिउटाहां वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि सपही, महुआ समेत कई सीमावर्ती गांवों से बाघ की चहलकदमी की सूचना मिल रही है। इसे देखते हुए विभाग द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

सावन की पहली सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में 10 हजार श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

बगहा। भगवान शिव को समर्पित सावन माह की पहली सोमवारी पर बगहा अनुमंडल के सभी प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालु गंडक, गंगा, तमसा और त्रिवेणी संगम समेत विभिन्न पवित्र जल स्रोतों से जल लेकर शिव मंदिरों में पहुंचे और विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। पूरे दिन मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंजते रहे। रामनगर स्थित 147 वर्ष पुराने ऐतिहासिक श्री नीलकंठ नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली। मंदिर प्रबंधन के अनुसार, दोपहर तक करीब 10 हजार श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक कर चुके थे। शाम तक श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी रहा और संख्या में और बढ़ोतरी होने की संभावना जताई गई। सावन की पहली सोमवारी के अवसर पर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, धतूरा, दूध, दही, शहद और गंगाजल अर्पित कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। मंदिर परिसर में भक्ति गीतों और शिव मंत्रों की गूंज से पूरा वातावरण शिवमय बना रहा। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। रामनगर पुलिस के जवान मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में तैनात रहे। मंदिर प्रबंधन ने बताया कि पूरे सावन माह में इस वर्ष आठ लाख से अधिक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए पहुंचने का अनुमान है।

बरसात में दोन क्षेत्र का बुरा हाल, उफनाती नदी के बीच जान जोखिम में डालकर आवागमन को मजबूर ग्रामीण

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बरसात शुरू होते ही बगहा अनुमंडल के दोन क्षेत्र की दुश्वारियां एक बार फिर सामने आने लगी हैं। क्षेत्र को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली एकमात्र कच्ची सड़क पर पुल नहीं होने के कारण नदी में पानी बढ़ते ही आवागमन लगभग ठप हो जाता है। ऐसे में ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर होना पड़ रहा है। हालात इतने खराब हैं कि नदी में फंसी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को निकालने के लिए कई ट्रैक्टरों का सहारा लेना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दिनों में यह नजारा लगभग प्रतिदिन देखने को मिलता है। नदी में उफान आने के बाद सड़क पूरी तरह जलमग्न हो जाती है, जिससे लोगों का आना-जाना मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि दोन क्षेत्र के लोग मुख्य बाजार, अस्पताल, स्कूल और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए इसी रास्ते पर निर्भर हैं। मरीजों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाना सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। कई बार गंभीर मरीज रास्ते में ही फंस जाते हैं, जिससे उनकी जान पर बन आती है।

कृषि वानिकी योजना से किसानों की बढ़ेगी आय, 31 अगस्त तक करें आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा संचालित कृषि वानिकी (एग्रो फॉरेस्ट्री) योजना के तहत किसानों को अनुदान का लाभ देने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य किसानों को खेती के साथ-साथ इमारती एवं अन्य उपयोगी वृक्षों का रोपण करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले। रेंजर श्रीमान मालाकर ने बताया कि योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को निर्धारित मानकों के अनुसार पौधारोपण पर विभाग की ओर से अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। किसान अपनी कृषि भूमि पर वृक्ष लगाकर दीर्घकालिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इच्छुक किसान आवेदन पत्र भरकर 31 अगस्त 2026 तक जमा कर सकते हैं। रेंजर ने बताया कि योजना से संबंधित पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य विशेष जानकारी के लिए किसान अपने क्षेत्रीय वन कार्यालय अथवा संबंधित क्षेत्रीय रेंजर से सीधे संपर्क कर सकते हैं। विभाग किसानों को योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए जागरूक भी कर रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि समय सीमा के भीतर आवेदन कर इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठाएं और कृषि के साथ वृक्षारोपण को अपनाकर अपनी आय बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दें।

भटक रही असहाय महिला को मिला सहारा, माहेर ममता निवास भेजी गई

रक्सौल। शहर के सैनिक रोड पर बारिश के दौरान भटक रही एक असहाय महिला को स्थानीय लोगों की सतर्कता और स्वच्छ रक्सौल की पहल से सुरक्षित आश्रय मिल गया। महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रही थी। उसे बेहतर उपचार और देखभाल के लिए माहेर ममता निवास भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, महिला काफी देर से सड़क पर इधर-उधर भटक रही थी। स्थानीय लोगों ने उससे बातचीत कर उसका नाम और पता जानने की कोशिश की, लेकिन वह स्पष्ट जानकारी नहीं दे सकी। कभी वह बेतिया, कभी सुगौली तो कभी मझरिया का नाम बता रही थी। इससे लोगों को उसकी मानसिक स्थिति सामान्य नहीं होने का संदेह हुआ। इसके बाद स्वच्छ रक्सौल से जुड़े समाजसेवी रणजीत सिंह को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वे सबरा खातून के साथ मौके पर पहुंचे। सबसे पहले स्थानीय थाना को मामले की जानकारी दी गई। आवश्यक प्रक्रिया के बाद माहेर ममता निवास की टीम को बुलाया गया, जिसने महिला को अपने संरक्षण में ले लिया। समाजसेवियों ने बताया कि माहेर ममता निवास मानसिक रूप से कमजोर, बेसहारा और परित्यक्त महिलाओं के पुनर्वास के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहा है। संस्था ऐसी महिलाओं को सुरक्षित आवास, पौष्टिक भोजन, नियमित चिकित्सा, दवा और आवश्यक देखभाल उपलब्ध कराती है। साथ ही उनकी पहचान कर परिजनों तक पहुंचाने का भी प्रयास किया जाता है। स्थानीय लोगों ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि समय पर की गई मदद से एक असहाय महिला को सुरक्षित जीवन और उपचार की नई उम्मीद मिली है।

गंडक नदी में कूदे नेपाली युवक की एसएसबी ने बचाई जान

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। भारत-नेपाल सीमा स्थित वाल्मीकिनगर में गंडक नदी में कूदे एक नेपाली युवक की जान सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने साहस और तत्परता का परिचय देते हुए बचा ली। जवानों ने बिना देर किए नदी में छलांग लगाकर युवक को सुरक्षित बाहर निकाला और प्राथमिक पूछताछ के बाद नेपाल सशस्त्र पुलिस के हवाले कर दिया। एसएसबी 21वीं वाहिनी के गंडक बराज वीओपी के कंपनी कमांडर इंस्पेक्टर लोकेश बनिया ने बताया कि कौलेश्वर क्षेत्र में तैनात एसएसबी की रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) नियमित ड्यूटी पर थी। इसी दौरान जवानों की नजर गंडक नदी में डूब रहे एक युवक पर पड़ी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए टीम के जवान तत्काल नदी में उतरे और कड़ी मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान नेपाल के नवलपरासी जिले के कुर्थावल निवासी पट्टू हरिजन, पिता चंद्रेश हरिजन के रूप में बताई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उसने नेपाल के त्रिवेणी तट स्थित झूला पुल से गंडक नदी में छलांग लगाई थी। घटना की सूचना तुरंत नेपाल सशस्त्र पुलिस बल को दी गई। सूचना मिलने पर नेपाल सशस्त्र पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद एसएसबी ने युवक को सुरक्षित नेपाल सशस्त्र पुलिस के सुपुर्द कर दिया। इस सफल रेस्क्यू अभियान में एसएसबी के जवानों ने त्वरित निर्णय, साहस और मानवता का परिचय दिया। वहीं, भारत और नेपाल की सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के कारण पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

सिरसिया पुलिस ने नाबालिग की तस्करी का किया खुलासा, राजस्थान से सकुशल बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

चनपटिया। सिरसिया थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर दूसरे राज्य में बेचने के मामले का खुलासा करते हुए पीड़िता को राजस्थान से सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है, जबकि मुख्य सरगना की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार, 26 जून 2026 को सिरसिया थाना क्षेत्र से एक नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया गया था। घटना के बाद किशोरी के पिता ने सिरसिया थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना के आधार पर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने राजस्थान से किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया। इस मामले में बैरिया थाना क्षेत्र निवासी जितेंद्र कुमार एवं रीना देवी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह का कथित मास्टरमाइंड उत्तर प्रदेश निवासी जितेंद्र सिंह उर्फ प्रधान है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। सदर डीएसपी-1 अजीत कुमार ने बताया कि सिरसिया थानाध्यक्ष अनंत कुमार तथा एसआई कन्हैया सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी और मानवीय इनपुट के आधार पर इस मामले का सफल उद्भेदन किया। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस कार्रवाई जारी है।

जटाशंकर धाम से लौट रहे श्रद्धालु की रास्ते में बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में मौत

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। सावन की पहली सोमवारी पर वाल्मीकिनगर स्थित जटाशंकर धाम में भगवान शिव का जलाभिषेक कर लौट रहे एक श्रद्धालु की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि अस्पताल परिसर में भी शोक का माहौल रहा। मृतक की पहचान बेतिया जिले के सिकटा थाना क्षेत्र के सिकटा गांव निवासी रामजी ठाकुर के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि पहली सोमवारी के अवसर पर पूरा परिवार जटाशंकर धाम पहुंचा था। सभी ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया, इसके बाद स्नान व भोजन करने के बाद बस से घर के लिए रवाना हुए। वापसी के दौरान अचानक रामजी ठाकुर की तबीयत बिगड़ गई। कुछ ही देर में वह अचेत हो गए। साथ में मौजूद परिजन और अन्य श्रद्धालु उन्हें तत्काल इलाज के लिए बगहा अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. रामप्रवेश भारती ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों ने परिजनों को सांत्वना दी। परिजनों ने बताया कि यात्रा के दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ी और किसी को ऐसी घटना की आशंका नहीं थी। पहली सोमवारी के अवसर पर जटाशंकर धाम में हजारों श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान हुई इस दुखद घटना से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में भी शोक व्याप्त है। मृतक के गांव में सूचना पहुंचते ही मातम छा गया।

श्री रौनियार वैश्य बंधु समिति की अनूठी पहल, सावन में कांवड़ियो की सेवा शुरू

रक्सौल। पवित्र सावन माह के मौके पर श्री रौनियार वैश्य बंधु समिति, रक्सौल इकाई अंतर्गत रौनियार बोलबम सेवा समिति के तत्वावधान में सावन माह के प्रथम सोमवार को बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर) की यात्रा पर जा रहे शिवभक्त कांवरियों की सेवा के लिए स्टेशन रोड स्थित न्यू मार्केट परिसर में सेवा शिविर का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ भारत विकास परिषद के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी, चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष दिनेश प्रसाद, उप समिति के अध्यक्ष राजकुमार व समिति के सचिव रमेश कुमार ने संयुक्त रूप से की. इस दौरान शिविर में प्रथम सोमवारी को करीब 150 श्रद्धालुओं के बीच फल एवं शुद्ध पेयजल का वितरण किया गया। इस दौरान समिति के सेवा-भावी सदस्यों ने आत्मीयता के साथ कांवरियों का स्वागत कर उनकी यात्रा को सुगम एवं सुखद बनाने का प्रयास किया। रौनियार भोल बम सेवा समिति के अध्यक्ष राजकुमार रौनियार ने कहा कि सावन का पावन महीना सेवा, श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक है. शिवभक्त कांवरियों की सेवा करना समिति के लिए सौभाग्य एवं पुण्य का कार्य है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सावन के प्रत्येक सोमवार को प्रातः 7 बजे से 10 बजे तक देवघर जाने वाले सभी कांवरियों के लिए फल एवं शुद्ध पेयजल की निःस्वार्थ सेवा उपलब्ध कराई जाएगी. उन्होंने समाज के सक्षम एवं सेवा-भावी लोगों से भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यों में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने की अपील की। वहीं भारत विकास परिषद के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी एवं चैंबर के उपाध्यक्ष दिनेश प्रसाद ने समिति की इस अनुकरणीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य सामाजिक समरसता, मानवता एवं परोपकार की भावना को सुदृढ़ करते हैं तथा समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। वहीं कार्यक्रम को सफलीभूत करने में श्री रौनियार वैश्य बन्धु समिति के अध्यक्ष शिवपूजन प्रसाद एवं कार्यकारी अध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता का विशेष सहयोग रहा. वहीं उपसमिति के मीडिया प्रभारी अजीत कुमार एवं बिनोद कुमार जी ने संयुक रूप से बताया कि सावन मास के प्रत्येक सोमवार को यह सेवा अभियान निरंतर संचालित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक शिवभक्त कांवरियों को इसका लाभ मिल सके. मौके पर अशोक कुमार गुप्ता, राज कुमार गुप्ता, सूरज कुमार गुप्ता, राजू कुमार गुप्ता, राहुल कुमार, मुन्ना प्रसाद, सुशील रौनियार, दीपक कुमार, विनोद कुमार, राजेश कुमार, सुनील कुमार, विक्की रौनियार सहित समिति के अनेक सदस्यों ने फल एवं पेयजल वितरण में उल्लेखनीय योगदान रहा।

रिमझिम बारिश के बीच भोलेनाथ का जलाभिषेक हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा मंदिर परिसर

चनपटिया। सावन की प्रथम सोमवारी पर रिमझिम बारिश के बीच सिरसिया स्थित बाबा कामेश्वरनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।हर-हर महादेव के जयघोष और माता-बहनों के भक्ति गीतों से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की। शक्ति तिवारी के नेतृत्व में करीब एक दर्जन वाहनों से 100 से अधिक कांवरियों ने त्रिवेणी से पवित्र जल लाकर बाबा कामेश्वरनाथ मंदिर के शिवलिंग पर अर्पित किया। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, भांग, धतूरा और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर सिरसिया पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरे समय मुस्तैद रही। जलाभिषेक के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में लगे मेले का भी आनंद लिया। मंदिर के पुजारी झुनु पांडेय ने बताया कि सुबह से ही मंदिर की साफ-सफाई कर बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया था। शाम को आयोजित रुद्राभिषेक की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दिनभर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा।

पटेरहवा व राहुआ नाला का पानी चकदहवा गांव में घुसा, जनजीवन अस्त-व्यस्त

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। गंडक नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ ही पटेरहवा और राहुआ नाला के रास्ते बाढ़ का पानी चकदहवा गांव में प्रवेश करने लगा है। इससे गांव का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। गांव की कई गलियों और संपर्क मार्गों पर पानी भर जाने से लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है। सबसे अधिक परेशानी चकदहवा-राहुआ मुख्य मार्ग पर हो रही है, जहां कमर भर पानी बह रहा है। ग्रामीण जान जोखिम में डालकर इसी रास्ते से आवागमन करने को मजबूर हैं। कुछ दिन पहले इसी मार्ग पर बहते पानी को पार करने के दौरान एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई थी। इसके बावजूद अब तक सुरक्षित आवागमन की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। बाढ़ के कारण स्कूली बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो गई है। सड़क पर पानी भरे रहने से बच्चे विद्यालय नहीं पहुंच पा रहे हैं, जबकि ग्रामीणों को दैनिक जरूरतों के लिए भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बतादें,पटेरहवा नाला, राहुआ नाला में मिलकर आगे गंडक नदी में जाता है। जैसे ही गंडक नदी का जलस्तर बढ़ता है, नदी का पानी नालों के रास्ते वापस गांवों की ओर आने लगता है, जिससे नदी किनारे बसे चकदहवा समेत आसपास के इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है। चकदहवा निवासी एवं पूर्व बीडीसी गुलाब अंसारी ने बताया कि गांव के लोग कई दिनों से जलजमाव और बाढ़ की समस्या झेल रहे हैं। सड़क पर तेज बहाव होने से हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल राहत कार्य शुरू करने, जलनिकासी की व्यवस्था कराने तथा सुरक्षित आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराने की मांग की है।

डीएम ने जनता से साक्षात्कार में आठ नागरिकों के सुनी फरियाद

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जिलाधिकारी अमृषा बैस ने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता से साक्षात्कार कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग 08 नागरिकों ने अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं।प्राप्त शिकायतें मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण, लोहिया स्वच्छता योजना, भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय, अनुमंडल कार्यालय, अपर समाहर्ता कार्यालय, अंचलाधिकारी कार्यालय, परिवहन विभाग एवं अन्य विभागों से संबंधित थीं।जनता से साक्षात्कार में आई अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। शेष मामलों के त्वरित और पारदर्शी निपटारे के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए कि फॉर्मर आईडी की समस्या ग्राम बम्भई, करपी,ललन सिंह ने बताया कि जमाबंदी पंजी पर खेसरा नंबर अंकित नहीं रहने से फॉर्मर आईडी नहीं बन पा रही है।स्वच्छता कर्मियों के मानदेय में कटौती -ग्राम परासी, परासी थाना क्षेत्र के मंजर खां ने बताया कि लोहिया स्वच्छता बिहार अभियान के तहत स्वच्छता कर्मियों के मानदेय में मुखिया एवं पंचायत सचिव द्वारा राशि की कटौती की जाती है।भूदान भूमि पर कब्जा,ग्राम शहर तेलपा, करपी के बिजय दास ने बताया कि बिहार राज्य भूदान यज्ञ कमेटी से वितरित भूमि पर कुछ ग्रामीणों द्वारा कब्जा किया गया है।दखल-कब्जा दिलाने की मांग की।जिलाधिकारी ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में निष्पादन सुनिश्चित करें।

श्री हनुमत प्राणप्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर कलश यात्रा निकाली गई

सीवान/दारौंदा प्रखंड क्षेत्र के डुमरी गांव में आयोजित श्री हनुमत प्राणप्रतिष्ठा महायज्ञ के अवसर पर सोमवार को हजारों कन्याओं ने भव्य कलश यात्रा निकाली। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और जय श्रीराम व जय बजरंगबली के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूब गया। कलश यात्रा यज्ञ स्थल डुमरी गांव से प्रारंभ होकर लीलासाह के पोखरा, कोडारी खुर्द, दारौंदा बाजार होते हुए मुन्नी जी के पोखरा स्थित श्रीराम-जानकी मंदिर पहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने कलश में पवित्र जल भरा। इसके बाद सभी श्रद्धालु पुनः कलश लेकर यज्ञ स्थल पहुंचे, जहां वैदिक रीति-रिवाज के साथ धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुआ। महायज्ञ को लेकर पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान, प्रवचन, भजन-कीर्तन तथा अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भी व्यापक व्यवस्था की गई है।

बांकीपुर उपचुनाव में जन सुराज की जीत पर मुंगेर में जश्न

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जन सुराज की ऐतिहासिक जीत पर मुंगेर में पार्टी कार्यकताओं में खुशी की लहर है। रविवार को परिणाम आने के बाद जिला कार्यालय में कार्यकताओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। जनता मालिकों ने जन सुराज को दिया आशीर्वाद इस अवसर पर जन सुराज के मुंगेर जिला अध्यक्ष मुहम्मद साहब मलिक ने कहा कि यह जीत लोकतंत्र की जीत है। उन्होंने कहा कि बांकीपुर की सीट से जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत ऐतिहासिक है। यह भाजपा की सिर्फ हार नहीं, बल्कि करारी हार है। उन्होंने कहा ह्लभाजपा ने अपनी ओर से हर ताकत आजमाई थी। यहां तक कि 40 स्टार प्रचारकों को भी चुनाव प्रचार में उतारा गया था। लेकिन जनता मालिकों ने अपने मत से जन सुराज को आशीर्वाद देकर विधानसभा भेजने का काम किया। जिला अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकताओं के साथ-साथ जनता का भी आभार जताया। उन्होंने कहा ह्लहम अपनी पार्टी की ओर से कोटि-कोटि जनता मालिकों का आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने प्रशांत किशोर के हाथों को मजबूत किया और उन्हें आशीर्वाद देकर विधानसभा में भेजने का काम किया। जश्न में शामिल कार्यकताओं ने पटाखे फोड़कर और नारे लगाकर खुशी जाहिर की। कार्यकताओं का कहना है कि यह जीत जन सुराज के जनाधार और जनता के भरोसे की जीत है।

संक्षिप्त खबरें

सीएचओ-पीएसपी सदस्यों द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह पर जागरूकता फैलाने पर लिया गया संकल्प

पटना।सोमवार को जिला के मसौढ़ी प्रखंड स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बलियारी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बलियारी की सीएचओ अनामिका कुमारी के नेतृत्व में और वार्ड पार्षद रिंकी कुमारी की अध्यक्षता में रोगी हितधारक मंच (सीएचओ-पीएसपी) सदस्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। इस दौरान पीएसपी सदस्य सह सीएचओ अनामिका कुमारी ने उपस्थित पीएसपी सदस्यों के द्वारा पिछले एक महीने के अंदर किए गए जागरुकता कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त की।वार्ड पार्षद सह पीएसपी सदस्य रिंकी कुमारी द्वारा फाइलेरिया बीमारी के साथ-साथ टीबी, डेंगू, कालाजार और मलेरिया बीमारी के बारे में जागरुक किया। साथ ही वर्तमान में सरकार द्वारा चलाई जा रही विश्व स्तनपान सप्ताह और टीबी बीमारी के स्क्रीनिंग के बारे में लोगों को बताया गया। इस मौके पर सीएचओ अनामिका सिन्हा ने सभी मरीजों को शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्त्व के बारे में जानकारी दी और समुदाय में स्तनपान को लेकर व्याप्त मनगढ़ंत बातों को दरकिनार कर नवजात शिशुओं को स्तनपान के बारे में जागरुक करने की बात कही साथ ही उन्होंने बताया कि फाइलेरिया मरीजों को सरकार के तरफ से एमएमडीपी किट मिलता है।उस किट से आप अपने घरों में कम से कम दो बार सुबह और शाम अपने प्रभावित अंगों की साफ-सफाई करेंगे।उसके बाद अपनी इच्छानुसार व्यायाम करेंगे।अगर आप लोग नियमित प्रभावित अंगों की साफ-सफाई और व्यायाम करेंगे तो सूजन में जरूर कमी आएगी। 5 फाइलेरिया मरीजों को दिया गया यूडीआईडी कार्डः इस दौरान सीएचओ अनामिका सिन्हा व वार्ड पार्षद सह पीएसपी सदस्य रिंकी कुमारी के हाथों कुल पांच फाइलेरिया मरीजों को यूडीआईडी कार्ड भी प्रदान किया गया।सीएचओ व वार्ड पार्षद रिंकी कुमारी ने सभी पीएसपी सदस्यों को संकल्प दिलाया साथ ही स्तनपान दिवस को लेकर आमजनों को जागरुक करने का संकल्प दिलाया गया।

सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा, टीकाकरण व संस्थागत प्रसव पर दिया गया जोर

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (सीएचओ), एएनएम एवं आशा फैसिलिटेटरों की संयुक्त साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुबोध कुमार ने की। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। नियमित टीकाकरण अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने, गर्भवती महिलाओं की समय पर स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने तथा संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन कार्यक्रम तथा गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की स्क्रीनिंग की प्रगति की भी समीक्षा की गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुबोध कुमार ने कहा कि सरकार की सभी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पहुंचाना सभी स्वास्थ्यकर्मियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सीएचओ, एएनएम एवं आशा फैसिलिटेटरों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, क्षेत्र भ्रमण बढ़ाने तथा प्रत्येक लाभार्थी का समय पर फॉलोअप सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान विभिन्न लंबित कार्यों की भी समीक्षा कर उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर एमएनई प्रभारी रवि कुमार, प्रखंड प्रसार प्रशिक्षक नवल किशोर सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत भटके नाबालिग को बाल कल्याण समिति के सुपुर्द किया

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट सीवान ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत ट्रेन में भटके मिले एक 13 वर्षीय नाबालिग बालक को सकुशल बरामद कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) सीवान के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार, 2 अगस्त को गाड़ी संख्या 15909 अप अवध-आसाम एक्सप्रेस की एस्कॉर्ट ड्यूटी पर तैनात गोरखपुर एस्कॉर्ट कंपनी के पार्टी कमांडर कांस्टेबल पलकधारी यादव एवं उनकी टीम को छपरा से गोरखपुर के बीच कोच संख्या एस-4 में एक नाबालिग बालक लावारिस अवस्था में मिला। एस्कॉर्ट टीम ने बालक को लिखित आवेदन के साथ आरपीएफ पोस्ट सीवान को सौंप दिया। पोस्ट पर पाली प्रभारी उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह द्वारा पूछताछ में बालक ने अपना नाम मोहम्मद इदरीश (13 वर्ष), पिता मोहम्मद नुहू, निवासी परानपुर बेलगाछी, थाना परानपुर, जिला कटिहार बताया। उसने बताया कि वह गलती से ट्रेन में बैठ गया था, जिससे सीवान पहुंच गया। आरपीएफ ने बालक द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर उसके पिता से संपर्क किया। पिता ने पुष्टि की कि इदरीश उनका पुत्र है और वह भूलवश ट्रेन में चढ़ गया था। उन्होंने बताया कि वह मुंबई में हैं तथा बालक को लेने के लिए उसके मामा और चाचा सीवान के लिए रवाना हो चुके हैं। आरपीएफ ने उन्हें सूचित किया कि उनका पुत्र सुरक्षित रूप से आरपीएफ पोस्ट सीवान में है। सोमवार को सहायक उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बालक का सदर अस्पताल, सीवान में चिकित्सकीय परीक्षण कराया। इसके बाद फॉर्म-17 सहित आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर दोपहर 12:10 बजे बालक को बाल कल्याण समिति, सीवान के सुपुर्द कर दिया। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन ह्यनन्हे फरिश्तेह्ण के तहत रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में भटके, लापता अथवा असहाय बच्चों को सुरक्षित संरक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें उनके परिजनों अथवा बाल कल्याण समिति तक पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

श्रावणी के पहली सोमवारी पर उमड़ा शिवभक्तों की भीड़,बाबा भोलेनाथ पर की जलाभिषेक

करपी। अरवल औरंगाबाद जिले के परिसिमा पर स्थित देवकुंड के श्रावणी मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब, श्रद्धालुओं ने बाबा दूधेश्वर नाथ पर किया जलाभिषेक। इस श्रावणी मेले के अवसर पर दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सावन महीने के पहले सोमवारी में आस्था से सराबोर श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ पर जल चढ़ाकर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिए आशीर्वाद मांगा।बोल बम के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।मेले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट रहा। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।मठाधीश कन्हैया नंदपुरी ने सभी श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण तरीके से पूजा-अर्चना करने और मेले की मयार्दा बनाए रखने की अपील की।बाबा धोलेश्वर नाथ धाम को छोटा काशी भी कहा जाता है। श्रावण के महीने में यहां हर सोमवार को हजारों की संख्या में कांवड़िए और श्रद्धालु जलाभिषेक करने आते हैं।

सहयोग शिविर की तिथि में बदलाव, अब 5 अगस्त को होगा आयोजन: बीडीओ

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान। पंचायतों में आम नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों के समाधान के लिए आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तिथि में बदलाव किया गया है। पहले चार अगस्त को प्रस्तावित शिविर अब चेहल्लूम के राजपत्रित अवकाश के कारण बुधवार, पांच अगस्त 2026 को आयोजित होगा। जिलाधिकारी द्वारा जारी संशोधित आदेश के अनुसार, बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश के आलोक में सार्वजनिक अवकाश पड़ने पर सहयोग शिविर अगले कार्य दिवस पर आयोजित किया जाएगा। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित तिथि पर पंचायतवार शिविर लगाकर प्राप्त जनशिकायतों का प्रभावी निष्पादन एवं समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। शेष सभी निर्देश पूर्ववत लागू रहेंगे।

आधुनिक स्पोर्ट्स अकादमी व स्टेडियम के विकास का मास्टर प्लान तैयार

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। गया जी को बिहार में खेल सुविधाओं का मॉडल शहर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। सोमवार को बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्र संकरण के नेतृत्व में उच्चस्तरीय टीम ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार के साथ विभिन्न खेल स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान चंदौती थाना क्षेत्र के दूर्वे में प्रस्तावित करीब 14 एकड़ भूमि पर प्रमंडल स्तरीय आधुनिक खेल अकादमी एवं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण की योजना का जायजा लिया गया। डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि 15 दिनों के भीतर पूरे प्रोजेक्ट का मास्टर प्लान तैयार कर लिया जाएगा। प्रस्तावित खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप एथलेटिक्स ट्रैक, इनडोर एवं आउटडोर खेल मैदान, आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र तथा खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के लिए आवासीय सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही महिला खिलाड़ियों के लिए अलग योग केंद्र सहित विशेष सुविधाओं की भी व्यवस्था होगी। इसके अतिरिक्त खिजरसराय में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम के निर्माण की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण दल ने गया कॉलेज खेल परिसर का भी दौरा किया जहां खेलो इंडिया योजना के तहत बेहतर रनिंग ट्रैक के निर्माण की तैयारी चल रही है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बाउंड्री वॉल की मरम्मत और खेल अभ्यास के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।टीम ने गांधी मैदान स्थित हरिहर सुब्रह्मण्यम स्टेडियम और वहां चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। गांधी मैदान में ओपन जिम, ग्रीन पार्क, तालाब का सौंदर्यीकरण, वॉक-वे, फाउंटेन, बच्चों के प्ले एरिया तथा सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजनों के लिए आधुनिक इवेंट भवन विकसित किए जा रहे हैं। डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद गया की खेल व्यवस्था इतनी सुदृढ़ होगी कि अन्य जिले भी इसे मॉडल के रूप में अपनाने का प्रयास करेंगे। गोवा कॉलेज खेल परिसर में खेल इंडिया के तहत केंद्र सरकार की राशि से खेल ट्रैक का निर्माण कराया जाएगा साथी गया गांधी मैदान में नवनिर्मित तालाब को स्विमिंग पूल का रूप दिया जाएगा। टीम ने सभी स्थलों का भारी किस निरीक्षण किया। सतही जल निर्माण कार्य का भरोसा भी दिलाया।

सावन की पहली सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। सावन माह की पहली सोमवारी पर पूरे जिले में शिव भक्ति का उल्लास देखने को मिला। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। = शिवगुरु धाम में लगा भक्तों का तांता : सदर प्रखंड के प्रसिद्ध ऐतिहासिक शिवगुरु धाम में हजारों की संख्या में भक्तों ने जलाभिषेक और पूजा-अर्चना की। भक्तों की लंबी कतारें मंदिर परिसर से बाहर तक देखी गईं। ह्लबोल बमह्व और हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। मंदिर समिति और प्रशासन द्वारा सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। स्वयंसेवकों ने कतारबद्ध होकर भक्तों को जल चढ़वाने में मदद की। अन्य शिवालयों में भी रहा उत्साह इसके अलावा प्रखंड क्षेत्र के अन्य शिव मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने बेलपत्र, धतूरा और गंगाजल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। कई श्रद्धालुओं ने उपवास रखकर सोमवारी व्रत का संकल्प लिया।स्थानीय लोगों का मानना है कि सावन की सोमवारी पर पूजा करने से भगवान शिव विशेष रूप से प्रसन्न होते हैं और मनोकामनाएं पूरी करते हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि शांति और सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी प्रमुख शिवालयों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

रसूलपुर में घर से दो भैंस चोरी, अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना में आवेदन

सीवान/ दरौंदा थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में पशु चोरी का मामला सामने आया है। इस संबंध में गांव निवासी उमाशंकर राय ने दरौंदा थाना में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि रविवार की देर रात करीब एक बजे उनके घर से दो भैंसों की चोरी कर ली गई। सुबह घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन भैंसों का कोई पता नहीं चल सका। खोजबीन के दौरान स्थानीय लोगों ने बताया कि एक पिकअप वाहन पर दो भैंस लादकर पूर्व दिशा की ओर ले जाया जा रहा था। इसके बाद पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। उमाशंकर राय ने पुलिस से गांव एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर चोरों की पहचान करने तथा चोरी गई भैंसों की बरामदगी के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में दरौंदा थाना पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आवेदन में दिए गए तथ्यों के आधार पर जांच की जा रही है तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दारौंदा में बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी, सात लोगों पर 1.86 लाख रुपये का जुमार्ना

सीवान/दारौंदा। नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) की ओर से दारौंदा क्षेत्र में बिजली चोरी के खिलाफ विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। सहायक विद्युत अभियंता दिलीप कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने विभिन्न स्थानों पर जांच के दौरान सात उपभोक्ताओं को विद्युत चोरी करते पकड़ा। विभाग ने सभी के विरुद्ध कुल 1,86,172 रुपये का जुमार्ना लगाया है तथा दारौंदा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया है। कनीय विद्युत अभियंता द्वारा थाने में दिए गए आवेदन के अनुसार, राजापुर निवासी रोजिद मियां पर 10,441 रुपये, करसौत निवासी राजीव प्रसाद पर 9,910 रुपये तथा विजय प्रसाद पर 9,187 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इसके अलावा राजापुर निवासी ऐहसानुल्लाह हक पर 91,913 रुपये, आसमा बीबी पर 22,557 रुपये, जफर अली पर 16,973 रुपये तथा सरवरी खातून पर 35,191 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। विद्युत विभाग ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। विभाग ने उपभोक्ताओं से वैध विद्युत कनेक्शन का उपयोग करने तथा बिजली चोरी से बचने की अपील की है।

सावन के पहले सोमवारी को पांच लाख कांवड़ियों ने उठाया गंगा जल

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर सुल्तानगंज। सावन के पहले सोमवारी को बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सहित अन्य जगहों के शिव भक्तों ने उत्तरवाहिनी गंगा में आस्था की पवित्र डुबकी लगाते हुए गंगा जल लेकर बाबा भोलेनाथ के शिवलिंग में किये जल अभीषेक,हर हर महादेव बोल बम के जयकारे से अजगैविनाथ नगरी हुए गुंजायमान/ आपको बताते चलें कि सावन का पहला सोमवारी को बाबा भोलेनाथ के शिवलिंग में जल अभीषेक करने से सभी भक्तों का मनोकामनाएं पूर्ण होते हैं,इस लिए आज का दिन विशेष शुभ माना जाता है/इस लिए खासकर आसपास के इलाके के लोग अजगैविनाथ नगरी के उत्तरवाहिनी गंगा में डुबकी लगाकर गंगा जल लेकर अजगैविनाथ मंदिर स्थीत बाबा भोलेनाथ के शिवलिंग में जल चढ़ाते हुए मईया पार्वती की पूजा अर्चना करते हैं/साथ ही देश विदेश से आये शिव भक्त कांवड़िया भी उत्तरवाहिनी गंगा में डुबकी लगाते हुए पुरोहित के द्वारा पूजा अर्चना करवाते हुए गंगा जल लेकर हर हर महादेव, बोल बम के जयकारे लगाकर पैदल व वाहन से बैधनाथ धाम यात्रा पर निकल रहें हैं/इस मौके पर महंत प्रेमानंद गिरी ने बताया कि सावन माह में इस बार चार सोमवारी होगा, सोमवार को बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होते हैं और कहा कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था होने पर पुजारी को पूजा अर्चना करवाने में परेशानी हो रही है कि बात कही/ इस लिए जिला प्रशासन के दिशा-निर्देश पर गंगा घाट से लेकर पुरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गये है/साथ ही नगर परिषद सुल्तानगंज के द्वारा लगातार सावन माह में विशेष साफ सफाई तीन सिफ्टो में एजेंसी सुगम इंडिया लिमिटेड के द्वारा कराई जा रही है/ पीएचडी विभाग के द्वारा मंदिर परिसर में पानी की व्यवस्था नहीं की गई है/जिससे कांवड़िया को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, डीएसपी नवनीत कुमार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मंदिर परिसर गंगा घाट का जायजा लेते हुए देखे गए/ इस मौके पर हजारों की संख्या शिव भक्त मौजूद थे।

बांकीपुर में एनडीए की हार किसानों और छात्रों के आक्रोश का नतीजा: संयुक्त किसान मोर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। संयुक्त किसान मोर्चा और भूमि बचाओ संघर्ष मोर्चा ने बांकीपुर विधानसभा चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यह नतीजा सरकार द्वारा जबरन जमीन छीनने की नीतियों और छात्रों पर हुए पुलिसिया लाठीचार्ज के खिलाफ जनता का आक्रोश व्यक्त करता है। मोर्चा के नेताओं ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने अचानक तुगलकी फरमान जारी कर बिहार की लगभग चार लाख एकड़ जमीन पर ह्यग्रीनलैंड सैटेलाइट टाउनशिपह्ण की घोषणा कर दी। इसके कारण 1150 गांवों के लोग प्रभावित हुए हैं। जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगने से किसान न तो घर बना पा रहे हैं और न ही इलाज के लिए अपनी जमीन बेच पा रहे हैं। इस तानाशाही फैसले और पटना सहित विभिन्न शहरों में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज से दुखी होकर किसानों ने बांकीपुर में भाजपा हराओ, खेत बचाओ और एनडीए हराओ, बिहार बचाओ का अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप बांकीपुर चुनाव में एनडीए उम्मीदवार की हार हुई। संयुक्त किसान मोर्चा और भूमि बचाओ संघर्ष मोर्चा के प्रमुख नेताओं (दिनेश कुमार, अशोक प्रसाद सिंह, देव कुमार सिंह, जगपति सिंह, धर्मेंद्र सिंह चौहान आदि) ने सरकार से निम्नलिखित प्रमुख मांगे रखी हैं: सैटेलाइट टाउनशिप योजना रद्द हो:* सैटेलाइट टाउनशिप का फैसला तुरंत वापस लिया जाए और कृषि आधारित उद्योग स्थापित किए जाएं। चार गुना मुआवजा:भारतमाला सड़क और चौसा थर्मल सहित सभी योजनाओं के तहत अधिग्रहित भूमि का बाजार दर से 4 गुना मुआवजा दिया जाए। किसान पेंशन:60 वर्ष से अधिक आयु के सभी किसान-मजदूरों को 10,000 मासिक पेंशन मिले। अन्य मांगें: खाद-बीज की कालाबाजारी पर रोक लगे और कृषि बाजार समितियों को पुनः शुरू किया जाए। मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो किसान उग्र और संगठित आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर की जीत पर शेरघाटी में जश्न, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

शेरघाटी। बिहार विधानसभा के बांकीपुर उपचुनाव में जन सुराज के सुप्रीमो प्रशांत किशोर की जीत के बाद शेरघाटी में पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह का माहौल देखा गया। जीत की खबर मिलते ही कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया और इसे बिहार की राजनीति में बदलाव का संकेत बताया। इस अवसर पर शेरघाटी विधानसभा क्षेत्र से जन सुराज के नेता पवन किशोर, रंजीत अग्रवाल, जावेद खान, नरेश कुमार सहित कई कार्यकर्ताओं ने प्रशांत किशोर को जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने कहा कि बांकीपुर की जनता ने विकास, पारदर्शिता और नई राजनीति के पक्ष में अपना जनादेश दिया है। उनका कहना था कि बिहार को लंबे समय से एक ऐसे नेतृत्व की जरूरत थी, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुशासन जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दे सके, और प्रशांत किशोर के रूप में जनता को ऐसा नेतृत्व मिला है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि बांकीपुर की जनता ने जिस विश्वास के साथ जन सुराज का समर्थन किया है, उससे पूरे बिहार में सकारात्मक संदेश गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में जन सुराज राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी मजबूत विकल्प बनकर उभरेगा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रशांत किशोर के नेतृत्व में बिहार के समग्र विकास का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर उनके मुद्दों को उठाने का काम करेगी। जीत के उपलक्ष्य में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और उत्साहपूर्वक जश्न मनाया।

बिहार सरकार

वैशाली समाहरणालय, हाजीपुर
(जिला योजना कार्यालय)
निविदा आमंत्रण सूचना

मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजनार्न्तगत श्री लखेन्द्र कुमार रौशन, माननीय मंत्री –सह– माननीय स0वि0स0, पातेपुर के द्वारा अपने पातेपुर विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत 116 (एक सौ सोलह) विभिन्न विद्यालयों में (माननीय के अनुशंसा के आलोक में विद्यालयों की संख्या घट–बढ़ सकती है) बुक सेल्फ के क्रय एवं आपूर्ति की अनुशंसा की गयी है। तदालोक में उक्त विद्यालयों के लिए बुक सेल्फ का क्रय एवं आपूर्ति हेतु इच्छुक निविदादाता/ प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान/ निर्माताओं से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। वित्तीय / तकनीकी अलग–अलग मुहरबंद निविदा को एक बड़े लिफाफे में रखकर मुहरबंद कर दिनांक 25.08.26 को अपराहन 01:00 बजे तक जिला योजना कार्यालय, वैशाली में रजिस्टर्ड डाक/ कोरियर या स्वयं अथवा प्रतिनिधि के माध्यम से दाखिल कर सकते है। उसी दिन जिला क्रय समिति के समक्ष निविदा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय प्रकोष्ठ में अपराहन 02:00 बजे खोली जायेगी जिसमें निविदादाता या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि भाग ले सकते है। इच्छुक निविदादाता/ प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान/ निर्माताओं अनुशंसित विद्यालयों की सूची एवं स्कुल ऑफिस आलमीरा सह बुक सेल्फ की विशिष्टियाँ प्रत्येक कार्यदिवस में कार्यालय कार्य अवधि में जिला योजना कार्यालय, वैशाली से प्राप्त कर सकते हैं। निविदा वैशाली जिला के बेवसाईट www.vaishali.bih.nic.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

PR- 009166 (Planning) 2026-27

उप विकास आयुक्त, वैशाली

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

कावेरी जल विवाद: डीके शिवकुमार के अनुरोध पर सीएम विजय ने बेंगलुरु का दौरा टाला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि कावेरी जल विवाद के मद्देनजर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय कर्नाटक सरकार के अनुरोध पर बेंगलुरु की अपनी यात्रा टालने के लिए सहमत हो गए हैं. उन्होंने इस कदम को दोनों राज्यों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने में मददगार बताया.

कावेरी मुद्दे पर चर्चा के लिए सोमवार को दोनों नेताओं की मुलाकात होनी थी, लेकिन शिवकुमार ने विजय से उनकी यात्रा टालने का अनुरोध किया ताकि बातचीत बेहतर माहौल में हो सके. इस हफ्ते की शुरुआत में कावेरी जल विवाद को लेकर पूरे कर्नाटक में विरोध-प्रदर्शन हो रहे थे.

कावेरी मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार कावेरी मुद्दे पर राज्य के किसानों और जनता के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. इसके साथ ही उन्होंने संगठनों से प्रस्तावित 'कर्नाटक बंद' का आह्वान वापस लेने की अपील की.

कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के उस आदेश के खिलाफ कन्नड़ संगठनों ने 13

अगस्त को 'कर्नाटक बंद' का आह्वान किया है, जिसमें तमिलनाडु के लिए 15 दिन तक प्रतिदिन 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने की कावेरी जल विनियमन समिति की सिफारिश को बरकरार रखा गया था.

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि विरोध प्रदर्शन की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि बारिश होने से स्थिति में सुधार हुआ है और सभी राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर अपना समर्थन दिया है. उन्होंने कहा कि ऐसे बंद से किसी का भला नहीं होगा.

किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार कानूनी दायरे में रहकर फैसले लेना जारी रखेगी, पेयजल की जरूरतों को प्राथमिकता देगी, कानूनी और कृषि विशेषज्ञों से सलाह लेगी और कोई भी अगला कदम उठाने से पहले पानी की स्थिति पर लगातार नजर रखेगी. उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार कावेरी मुद्दे पर कर्नाटक के किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. '

सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि वह खुद कावेरी नदी घाटी क्षेत्र से आते हैं और एक किसान के बेटे हैं. उन्होंने कहा कि राज्य के 7.5 करोड़ लोगों के मन में कर्नाटक के हितों की रक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए.

मीडिया के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सुप्रीम कोर्ट में हो रही सुनवाई के संबंध में कानूनी टीम से सलाह लेने के बाद विस्तृत कार्रवाई तय करेगी.

तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी डीएमके के सुप्रीम कोर्ट जाने के सवाल पर सीएम शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक कानूनी प्रक्रिया के तहत जवाब देगा. उन्होंने कहा, 'अदालत की कार्यवाही को लेकर हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए और वरिष्ठ कानूनी विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ उठाना चाहिए.' डीके शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि मेकेदातु परियोजना आगे बढ़नी चाहिए, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर पहले ही अपना फैसला सुना चुका है.

संक्षिप्त समाचार

मामूली विवाद में मजदूरों ने साथी का गला काटा, 8 गिरफ्तार

संबलपुर, एजेंसी। एक ओडिया वर्कर की उसके साथ काम करने वाले कुछ माइग्रेंट वर्कर्स ने मामूली झगड़े में गला रेत दिया. उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया. संबलपुर जिले

के नकटीदेउल इलाके में हुई इस घटना से हड़कंप मच गया. दूसरी ओर पुलिस ने इस मामले में 8 बंगाली मजदूरों को गिफ्तार किया. संबलपुर के एडिशनल एसपी अजय कुमार मिश्रा ने यह जानकारी दी. संबलपुर के एडिशनल एसपी अजय कुमार मिश्रा के अनुसार घायल मजदूर की पहचान नाकटीदेउल के सरपाली पंचायत के मारवाड़ीमुंडा गांव के टूना महार (28) के रूप में हुई है. इस संबंध में नाकटीदेउल पुलिस ने मामला दर्ज किया है. इस घटना में गिरफ्तार आरोपियों में अजीजुल शेख (38), मुर्तजा शेख (62), मिनारुल मुस्तफा शेख (35), इजाबुल शेख (34), पियारुल शेख (29), अजमत शेख (24), इरसाफिल शेख (42) और रवि शेख (34) शामिल हैं. एडिशनल एसपी अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि पश्चिम बंगाल से 8 मैकेनिक रेढ़ाखोल्स लेबर कॉलोनी में आए थे और अलग-अलग जगहों पर कंस्ट्रक्शन का काम कर रहे थे. कुछ महीने पहले टूना काम की तलाश में आया था और इन मैकेनिक के साथ मजदूरी कर रहा था. शनिवार रात को किसी बात पर टूना और बंगाली मैकेनिक के बीच कहासुनी हो गई और रविवार सुबह बहस बढ़ गई. कहा जा रहा है कि झगड़ा बढ़ने पर बंगाली मैकेनिक ने टूना पर हमला कर दिया और एक तेज चाकू से उसका गला काट दिया. इस घटना के बाद सभी बंगाली मैकेनिक मौके से भाग गए. आस-पास के लोगों ने टूना को गंभीर रूप से घायल हालत में बचाया और पहले नकटी देउला प्राइमरी हॉस्पिटल और फिर रेढ़ाखोल सब-डिविजनल हॉस्पिटल ले गए. एडिशनल एसपी ने बताया कि हालांकि, उसकी हालत गंभीर होने की वजह से उसे बुर्ला शिफ्ट कर दिया गया.

मित्रता के 60 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य मित्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया

भोपाल। मित्रता के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार, 02 अगस्त 2026 भोपाल के समीप

बिल्किसगंज ग्राम खुरानिया स्थित फार्म हाउस में मित्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में इंदौर एवं भोपाल सहित विभिन्न स्थानों से लगभग 25 मित्र सम्मिलित हुवे। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक, इंजीनियर, उद्योगपति, शिक्षाविद् तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी। यह आयोजन छह दशक से चली आ रही मित्रता, आपसी विश्वास एवं सामाजिक संबंधों के सुदृढ़ीकरण का प्रतीक था। उक्त सभी छात्र-छात्राएं इन्दौर के प्रतिष्ठित बाल निकेतन संघ के विद्यार्थी रहे हैं तथा बाल निकेतन संघ की संचालिका स्व. शालिनी ताई मोघे, जिनको शिक्षा के क्षेत्र में देश के प्रतिष्ठित पदमश्री पुरस्कार से अलंकृत किया गया है, तथा सभी छात्रों द्वारा उनके मार्गदर्शन में कक्षा पहली से आठवीं तक शिक्षा ग्रहण की है। कार्यक्रम में आपसी संवाद, स्मृतियों को साझा करना, सम्मान समारोह एवं स्नेह मिलन जैसे विशेषआयोजन किये गए। कार्यक्रम के आयोजक पंकज दुबे एवं प्रो. अस्मिता खजांची ने बताया कि हम सभी दोस्त हर मित्रता दिवस पर एक जगह एकत्रिक होकर मित्रता दिवस मनाते है और ये सिलसला सालों से चला आ रहा है द्य यह आयोजन एक दूसरे से चली आ रही मित्रता, आपसी विश्वास एवं सामाजिक संबंधों के सुदृढ़ीकरण का प्रतीक बना। उक्त सभी मित्र-परिजनों ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्राकृतिक वानस्पतिक सुंदर परिवेश में हंसी-खुशी पूर्वक दिन का आनंद लिया। कार्यक्रम में गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों ने समा बांध दिया।

कर्नाटक पुलिस कांस्टेबल परीक्षा के दौरान बवाल

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण ने कर्नाटक पुलिस में सिविल पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को खारिज किया है। केई ने साफ किया है कि ओएमआर शीट का नंबर और प्रश्नपत्र का नंबर आपस में मिलना जरूरी नहीं है। केईए ने कर्नाटक पुलिस विभाग में 1,453 मेल और फीमेल सिविल पुलिस कॉन्स्टेबल पदों के लिए राज्य में रिटन एग्जाम कराया था। एग्जाम के बाद सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैल गई थी कि ओएमआर शीट नंबर और क्वेश्चन पंपर नंबर एक ही होने चाहिए। इस खबर से कई केंडिडेट्स घबरा गए थे। एक बयान में कहा कि ऑफिशियल नोटिफिकेश, इंस्ट्रक्शन बुकलेट या एग्जाम हॉल में दिए गए वर्बल इंस्ट्रक्शन में कहीं भी ऐसा नहीं कहा गया था कि ओएमआर और क्वेश्चन पेपर नंबर मैच करने चाहिए। आंसर शीट में सिर्फ क्वेश्चन पेपर सीरीज कोड और वर्जन कोड भरने का प्रोविजन है।

महाराष्ट्र में लागू हुआ धर्मांतरण विरोधी कानून, धोखाधड़ी या जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर 10 साल तक की जेल

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद 'महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2026' राज्य में आधिकारिक रूप से लागू हो गया है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब अवैध या जबरन धर्म परिवर्तन के मामलों में नए कानून के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह अधिनियम पहले बजट सत्र में महाराष्ट्र विधानमंडल से पारित हुआ था, जिसके बाद इसे राज्यपाल और फिर अंतिम स्वीकृति के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया था।

नए कानून के तहत किसी व्यक्ति का बलपूर्वक, धोखाधड़ी, लालच, झूठी जानकारी या केवल विवाह का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराना दंडनीय अपराध माना गया है। सरकार का कहना है कि इस कानून का उद्देश्य धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करना और अवैध धर्मांतरण की घटनाओं पर रोक लगाना है। अधिनियम के अनुसार यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करना चाहता है तो उसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत जिला मजिस्ट्रेट को कम से कम 60 दिन पहले लिखित सूचना देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा धर्म परिवर्तन कराने वाले व्यक्ति या संस्था को भी तय नियमों का पालन करना होगा।

कानून में धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति के माता-पिता, भाई-बहन या अन्य निकट संबंधियों को शिकायत दर्ज कराने का अधिकार दिया गया है। अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के लिए अधिकतम सात वर्ष तक की कैद का प्रावधान है, जबकि बार-बार अपराध करने वालों को 10 वर्ष तक की सजा हो सकती है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी भी व्यक्ति के स्वैच्छिक धर्म परिवर्तन या अंतरधार्मिक विवाह में हस्तक्षेप करना नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में आतंकियों के 2 मददगार पकड़े गए, हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बारामूला और पुलवामा जिलों में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के दो ओवरग्राउंड वर्कर्स को गिरफ्तार किया. उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किये गए. पुलिस उससे पूछताछ कर उसके आकाओं का पता लगाने की कोशिश कर रही है. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि आरोपी एजाज अहमद गनई को पुलिस, सेना और पैरामिलिट्री फोर्स की जॉइंट टीम ने बारामूला के शीरी इलाके के गोरीवान में बनाए गए एक मोबाइल गाड़ी चेकपॉइंट पर आधी रात के करीब पकड़ा. उन्होंने बताया कि सिक्योरिटी फोर्स ने उसके पास से एक पिस्टल, एक मैगजीन, 10 जिंदा राउंड (9द्बद्ब) और एक मोबाइल फोन बरामद किया, और केस दर्ज कर लिया गया है. एक और ऑपरेशन में सिक्योरिटी फोर्स ने चेकिंग के दौरान पुलवामा जिले के राजपोरा इलाके में एक मददगार को गिरफ्तार किया.

ऋषिकेश बजरंग सेतु के कांच वाले हिस्से पर चलने के लिए देना होगा शुल्क

ऋषिकेश, एजेंसी। लक्ष्मणझूला पुल के पास नव निर्मित बजरंग सेतु पर आवाजाही को लेकर अहम फैसला लिया गया है. अब सेतु के कांच (ग्लास) वाले हिस्से पर चलने के लिए लोगों को निर्धारित शुल्क देना होगा. जबकि, डामर (सामान्य) वाले हिस्से पर आमजन की आवाजाही पूरी तरह निशुल्क रहेगी. इस व्यवस्था का मकसद पुल के विशेष ग्लास डेक के रखरखाव और समय-समय पर होने वाली मरम्मत के लिए आर्थिक संसाधन जुटाना बताया गया है. कांच पर चलने के लिए देना होगा इतना शुल्कः नरेंद्र नगर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार ने बताया कि कांच वाले हिस्से पर प्रवेश के लिए शुल्क निर्धारित कर दिया गया है. इसके तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति से 100 रुपए और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों व किशोरों से 50 रुपए शुल्क लिया जाएगा. वहीं, जो लोग केवल सेतु के डामर वाले हिस्से से आवागमन करना चाहते हैं, उन्हें किसी प्रकार का शुल्क नहीं देना होगा. क्यों लिया जा रहा शुल्क? अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार के मुतबाकि, कांच वाला हिस्सा पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है और इस पर काफी ज्यादा संख्या में लोगों की आवाजाही होती है. ऐसे में इसकी सुरक्षा, नियमित सफाई, तकनीकी जांच और आवश्यक मरम्मत पर पर्याप्त खर्च आता है.

इसी को ध्यान में रखते हुए उपयोगकर्ता शुल्क लागू करने का निर्णय लिया गया है. उन्होंने स्पष्ट किया कि शुल्क से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल केवल पुल के रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था और मरम्मत कार्यों पर किया जाएगा. ताकि, सेतु लंबे समय तक सुरक्षित और सुचारु रूप से संचालित हो सके.

चुनाव में पसंदीदा पार्टी की हार पर दोस्त भी बन जाते हैं दुश्मन; शोध में सामने आई चौंकाने वाली बात

टोरंटो, एजेंसी। कहीं चुनाव चल रहे हों और नुक्कड़-चौराहों पर लोगों की आपसी चर्चा में राजनीतिक मुद्दों पर गर्मागर्म बहस न हो, ऐसा हो नहीं सकता। जब नतीजे आते हैं तो यही है, बल्कि इसका सीधा असर सामान्य सामाजिक ताने-बाने पर भी पड़ने लगा है। दरअसल, पसंदीदा राजनीतिक दल की हार से ध्रुवीकृत मतदाताओं के मन में समाज और आसपास के लोगों के

राजनीतिक आक्रामकता कई बार आपसी संबंध तक बिगाड़ देती है। एक हालिया शोध रिपोर्ट से पता चलता है कि पसंदीदा पार्टी की हार पर मतदाताओं का मन कई बार इतना खिन्न हो जाता है कि उन्हें अपने रिश्तेदार और दोस्त भी दुश्मन की तरह लगने लगते हैं।

इलेक्टोरल स्टडीज नामक अकादमिक जर्नल में प्रकाशित यह व्यापक शोध बताता है कि सियासी प्रतिस्पर्धा केवल चुनावी मंचों या राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं रह गई प्रति भरोसा काफी हद तक कम हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सामाजिक भरोसा किसी भी स्वस्थ, प्रगतिशील और मजबूत लोकतंत्र की बुनियादी नींव है। यह नागरिकों के आपसी जुड़ाव, पारस्परिक सहभागिता को बढ़ाने के साथ समुदायों को सामूहिक समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है। आमतौर पर यही माना जाता रहा है कि सामाजिक भरोसे का स्तर काफी हद तक स्थिर होता है और राजनीतिक उथल-पुथल या चुनावों के अल्पकालिक परिणामों से अप्रभावित रहता है।

राष्ट्रीय चुनाव का सबसे ज्यादा पड़ता है असर

आमतौर पर यही माना जाता देश का चुनाव परिणाम एक सूचनात्मक संकेत होता है। परिणाम मतदाताओं को यह एक मोटा अनुमान देते हैं कि देश के कितने साथी नागरिक उनके राजनीतिक विचारों से सहमत हैं। लेकिन शोध में पाया गया कि हार-जीत को लेकर आक्रामकता का असर प्रांतीय या स्थानीय चुनावों के बजाय राष्ट्रीय स्तर के चुनावों में अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। ज्यूरिख यूनिवर्सिटी और टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के जरिये यह जानने की कोशिश की कि क्या चुनाव परिणाम वास्तव में नागरिकों के सामान्य दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं। इसमें पाया गया कि हारने वाले समर्थकों में आम लोगों पर भरोसा जताने की संभावना जीतने वाले समर्थकों की तुलना में औसतन 3.8 कम पाई गई।

जिन मतदाताओं में विरोधी दलों के प्रति द्वेष की भावना बहुत कम थी, उनके सामाजिक भरोसे पर हार-जीत का कोई असर नहीं पड़ा।

अमेरिका के फैसले पर ईरानी मीडिया का तंज, कहा- ट्रंप पीछे हटे

हमले टालना खोखली धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान पर संभावित सैन्य हमले फिलहाल टालने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद ईरानी मीडिया ने उन पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। कई ईरानी मीडिया संस्थानों ने ट्रंप की आलोचना करते हुए उनके फैसले को अमेरिका की पीछे हटने की रणनीति बताया।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया कि ईरान और पश्चिम एशिया के कुछ अन्य देशों के अनुरोध के बाद उन्होंने सैन्य कार्रवाई फिलहाल रोकने का फैसला किया। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्षों के बीच समझौते के कुछ प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत, पूरी तरह और बिना शर्त खोलना भी शामिल है। हालांकि, ईरान के सरकारी मीडिया में ऐसी किसी अपील या होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर रुख में बदलाव की कोई पुष्टि नहीं की गई। इसके बजाय ईरानी मीडिया ने ट्रंप के बयान को अमेरिका के पीछे हटने के रूप में पेश किया। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए लिखा 'मूर्ख ट्रंप की अब हवा निकल गई है।' वहीं, अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर ने ट्रंप के इस दावे को खारिज किया कि तेहरान ने हमले रोकने का अनुरोध किया था। एजेंसी ने कहा कि ट्रंप एक बार फिर अपनी खोखली धमकियों से पीछे हट गए और दुनिया के सामने इसे अपने फैसले के तौर पर पेश किया। प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप से बातचीत में आशंका जताई कि यदि अमेरिका ने ईरान पर नया हमला किया और उसके जवाब में तेहरान ने खाड़ी देशों को निशाना बनाया, तो इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि सऊदी अरब की इस चिंता ने उनके फैसले को प्रभावित किया और इसी वजह से उन्होंने फिलहाल सैन्य कार्रवाई टालकर कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य युद्ध से पहले जैसी स्थिति में नहीं लौटेगा। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर ओमान के साथ चर्चा जारी है, लेकिन फिलहाल जलमार्ग को दोबारा खोलने पर कोई निर्णय नहीं हुआ है।

यूएनएससी सीट के लिए भारत ने बढ़ाए कदम

यूएन प्रतिनिधिमंडल से सिबी जॉर्ज की अहम मुलाकात, बहुपक्षवाद पर रखा पक्ष

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत ने अपनी कूटनीतिक सक्रियता और वैश्विक नेतृत्व की दावेदारी को एक बार फिर मजबूती से सामने रखा है। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने भारत दौरे पर आए संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल की अगवानी की और उनके सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने बहुपक्षवाद, वैश्विक सुधारों और संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका को लेकर देश का दृष्टिकोण साझा किया।

यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वर्ष 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की गैर-स्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी पेश की है। भारत इस कार्यकाल के दौरान वैश्विक शांति, विकास और विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने पर जोर दे रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत की विदेश नीति के सिद्धांत पर आधारित होगी। इसका उद्देश्य नियमों, विश्वास और ईमानदारी के जरिए समग्र वैश्विक विकास को बढ़ावा देना है। भारत का कहना है कि मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का समाधान तभी संभव है, जब बहुपक्षीय संस्थाएं आज की वास्तविकताओं के अनुरूप काम करें और विकासशील देशों, खासकर ग्लोबल साउथ, को उचित प्रतिनिधित्व मिले।

भारत ने स्पष्ट किया कि यदि उसे 2028-29 के लिए सुरक्षा परिषद में जगह मिलती है तो वह वैश्विक शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर ग्लोबल साउथ की चिंताओं और प्राथमिकताओं को प्रमुखता से उठाएगा। साथ ही बहुपक्षीय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, समावेशी और भविष्य के अनुरूप बनाने की दिशा में काम करेगा।

संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों को आधुनिक तकनीक और बेहतर संसाधनों से मजबूत करना। 'महिला, शांति और सुरक्षा' एजेंडे को आगे बढ़ाना। अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप स्वतंत्र और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था सुनिश्चित करना। समुद्री व्यापार और जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को बढ़ावा देना। नाविकों और समुद्री कर्मियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना। मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों को मजबूत करना। आधुनिक तकनीक के जिम्मेदार और सकारात्मक उपयोग को बढ़ावा देना। भारत का मानना है कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र और उसकी संस्थाओं में सुधार जरूरी है। सुरक्षा परिषद में भारत की मौजूदगी विकासशील देशों की आवाज को अधिक प्रभावी ढंग से सामने रखने के साथ-साथ वैश्विक शांति, सुरक्षा और सहयोग को नई दिशा देने में मददगार हो सकती है।

इंसानियत की मिसाल: फ्रांस में जान जोखिम में डालकर 100 से ज्यादा कुत्ते, बिल्ली व घोड़ों को बचाया गया

बोर्डो (फ्रांस), एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के गिरोंद क्षेत्र में लगी भीषण जंगल की आग ने हजारों लोगों को घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया, लेकिन इस त्रासदी के बीच एक ऐसा मानवीय चेहरा भी सामने आया जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। धधकती आग, जहरीले धुएं और हर पल मंडराते खतरे के बावजूद स्वयंसेवकों ने अपनी जान की परवाह किए बिना पीछे छूट गए 100 से अधिक कुत्तों, बिल्लियों, घोड़ों और अन्य बेजुबान जीवों को बचा लिया है और अभी यह अभियान जारी है। आग की लपटों के बीच बेजुबान जानवरों की रक्षा के लिए इस स्तर पर चलाया गया यह अभियान हाल के वर्षों में शायद ही कहीं देखने को मिला हो। गिरोंद में लगी आग पेरिस के क्षेत्रफल से लगभग चार गुना बड़े इलाके में फैल गई थी। प्रशासन ने हजारों लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, लेकिन अचानक हुए इस पलायन में अनेक परिवार अपने पालतू जानवरों को साथ नहीं ले जा सके। कई लोग रोते हुए अपने घरों से निकले, क्योंकि उन्हें यह नहीं पता था कि वे अपने प्रिय साथी को दोबारा कभी देख पाएंगे या नहीं। डेविड विशेष वाहन में पानी और पशु आहार लेकर आग प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे। पुलिस की अनुमति से वे कई बार उन इलाकों तक गए, जहां आग गुजर चुकी थी या तेजी से बढ़ रही थी।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216
(नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496